हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, गुरुवार 07 अगस्त, 2025, वर्ष : 34, अंक : 133, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe

Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को बड़ा झटका, हाईकोर्ट से नहीं मिली जमानत

रांची : लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने छवि रंजन की याचिका खारिज करते हुए उन्हें बेल देने से इनकार कर दिया है.

हाईकोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने से छवि रंजन को बड़ा झटका लगा है. इससे पहले 25 जुलाई को कोर्ट ने ईडी और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था.

पीएम मोदी जाएंगे चीन, शंघाई समिट में लेंगे हिस्सा

गलवान संघर्ष के बाद पहली चीन यात्रा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में एक अहम कूटनीतिक यात्रा पर निकलेंगे, जिसके तहत वे जापान और चीन का दौरा करेंगे। जापान में भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद, पीएम मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच चीन के तियानजिन शहर में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में शिरकत करेंगे। पीएम मोदी की यह यात्रा विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह गलवान घाटी संघर्ष (2020) के बाद पहली चीन यात्रा होगी। ऐसे समय में जब वैश्विक भू-राजनीतिक समीकरण तेज़ी से बदल रहे हैं, प्रधानमंत्री की यह भागीदारी क्षेत्रीय और वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका को और मज़बूत कर सकती है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान रवाना होंगे, जहां वे जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इस बैठक में रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को और प्रगाढ़ करने पर ज़ोर दिया जाएगा। भारत और जापान, दोनों इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए करीबी सहयोगी माने जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अनाथ बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा के लिए अधिसूचना जारी करने के लिए कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने अनाथ बच्चों को राइट टू एजुकेशन के तहत निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा के लिए शामिल करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए 25 फीसदी कोटे में अनाथ बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति देने के लिए अधिसूचना जारी करने के लिए कहा है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने निर्देश दिया कि सभी राज्य चार हफ्ते में ये अधिसूचना जारी करें। इसके बाद इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट को सूचित करें। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात और दिल्ली जैसे राज्यों ने इस संबंध में पहले ही अधिसूचना जारी कर दी है। इसलिए, उसने बाकी राज्यों को भी चार सप्ताह में ऐसा ही करने का आदेश दिया। अदालत ने आदेश दिया कि दिल्ली, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात ने पहले ही शिक्षा का अधिकार यानी आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(सी) की परिभाषा के अंतर्गत अनाथों को शामिल करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। अन्य राज्य भी यही अधिसूचना जारी करेंगे। यह प्रक्रिया 4 सप्ताह के भीतर पूरी कर ली जाए। इसके बाद राज्य सुप्रीम कोर्ट को सूचित करेंगे।

पंजाब के शिक्षामंत्री को जूते साफ करने की सजा, नंगे पैर अकाल तख्त पहुंचे बैंस

अमृतसर (ईएमएस)। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस बुधवार को अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में सिखों की सर्वोच्च संस्था श्री अकाल तख्त साहिब के सामने पेश हुए। उन्होंने 24 जुलाई को पंजाब भाषा विभाग की तरफ से जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर नाच-गाने का कार्यक्रम कराने पर पांच सिंह साहिबानों के सामने अपनी गलती स्वीकार की। जत्थेदार कुलदीप सिंह गडग़ज ने मंत्री बैंस को सजा सुनाते हुए कहा कि अभी अमृतसर में गोल्डन टेंपल से गुरुके महल तक पैदल जाएंगे। यहां साफ-सफाई करांगे। इसके बाद गुरुद्वारा कोठा साहिब पहुंचने से 100 मीटर पहले उतर जाएंगे। यहां से गुरुद्वारे तक पैदल जाएंगे। साथ ही रास्ते में साफ-सफाई कराएंगे। इसके बाद गुरुद्वारा पातशाही बाबा बकाला साहिब पहुंचने से 100 मीटर पहले उतर जाएंगे और सडक़ों को सही कराएंगे। इसके बाद हरजोत सिंह को दिल्ली में गुरुद्वारा शीशगंज साहिब और श्री आनंदपुर साहिब में शीशगंज साहिब गुरुद्वारे जाना होगा। दोनों जगह पर नतमस्तक होकर 2 दिनों तक जोड़ा घरों में सेवा करनी होगी।

फैक्ट्री में ब्लास्ट, 2 की मौत

मोहाली (ईएमएस)। पंजाब में मोहाली के इंडस्ट्रियल एरिया में एक फैक्ट्री में सिलेंडर ब्लास्ट हुआ है, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई है। जबकि, 4 लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की दीवारें तक हिल गईं और फैक्ट्री की छत को भी काफी नुकसान पहुंचा। सिलेंडर के टुकड़े भी 1 किलोमीटर दूर तक बिखरे मिले। इस दौरान जिन लोग की हादसे में जान गई है, उनके शरीर के अंग भी दूर-दूर जाकर गिरे। फिलहाल, ब्लास्ट की सही वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस व प्रशासन की टीमों ने करीब पांच घंटे घटनास्थल पर जुटी रहीं। मृतकों की पहचान आसिफ खान और देवेंद्र कुमार के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 25 साल थी और कंबाला के रहने वाले थे।

झारखंड के इन जिलों में 7-9 अगस्त तक जोरदार बारिश, येलो अलर्ट जारी

रांची : झारखंड में मॉनसून के एक बार फिर से सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं. मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक राज्य के कई जिलों में जोरदार बारिश की संभावना जताई है. सात से नौ अगस्त तक कोल्हान और संताल के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, बोकारो और धनबाद में भारी बारिश हो सकती है. मौसम विभाग ने राजधानी रांची में भी बारिश की संभावना जताई है. रांची में अब तक 1010.5 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 74 फीसदी अधिक है. वहीं राज्यभर में ओवर ऑल 5 अगस्त तक 810.1 मिली मीटर वर्षा हो चुकी है, जो सामान्य से 45% अधिक है. पिछले 24 घंटे में जमशेदपुर में 41.6 मिली मीटर, गोड्डा में 37 मिली मीटर, दुमका में 25.2 मिली मीटर और धनबाद में 19.4 मिली मीटर बारिश हुई है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्तव्य भवन के शुभारंभ के अवसर पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम को किया संबोधित, कहा

किराए के 1500 करोड़ रुपये बचेंगे, यहां बनेंगी विकसित भारत की नीतियां

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्तव्य भवन के शुभारंभ के अवसर पर बुधवार को एक एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ये केवल कुछ नये भवन और सामान्य मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं, अमृत काल में इन्हीं भवनों में विकसित भारत की नीतियां बनेंगी। विकसित भारत के लिए यहीं से महत्वपूर्ण निर्णय होंगे। आने वाले दशकों में यहीं से राष्ट्र की दिशा तय होगी।

कर्तव्य भवन देशवासियों के सपनों को साकार करने की तपोभूमि

उन्होंने कहा, कर्तव्य भवन सिर्फ इमारत का नाम भर नहीं है। ये करोड़ों देशवासियों के सपनों को साकार करने की तपोभूमि है। कर्तव्य पथ पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा,, हम आधुनिक भारत के निर्माण से जुड़ी उपलब्धियों के साक्षी बन रहे हैं। कर्तव्य पथ, नया संसद भवन, नया रक्षा भवन, भारत मंडपम, यशोभूमि, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा और अब कर्तव्य भवन - ये सिर्फ साधारण सुविधाएं नहीं हैं। यहां विकसित भारत की नीतियां बनेंगी, महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। आने वाले समय में राष्ट्र की दिशा यहीं से तय होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने काफी विचार-विमर्श के बाद इस भवन को 'कर्तव्य भवन' नाम दिया। कर्तव्य पथ, कर्तव्य भवन नाम हमारे लोकतंत्र, संविधान के मूल मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

नागरिक देवो भवः का मंत्र है कर्तव्य

उन्होंने कहा, कर्तव्य शब्द का मतलब भारतीय संस्कृति में केवल दायित्व तक सीमित नहीं है। कर्तव्य हमारे देश के कर्मप्रधान दर्शन की मूलभावना है। स्व की सीमा से परे सर्वस्व की दृष्टि

कर्तव्य की वास्तविक परिभाषा है। इसलिए कर्तव्य सिर्फ इमारत का नाम भर नहीं है। ये करोड़ों देशवासियों के सपनों को साकार करने की तपोभूमि है। कर्तव्य ही आरंभ है। कर्तव्य है प्रारब्ध है। करुणा और कर्मणता के स्नेहसूत्र में बना कर्म ही तो कर्तव्य है। सपनों का साथ है कर्तव्य। संकल्पों की आस है कर्तव्य। परिश्रम की पराकाष्ठा है कर्तव्य। हर जीवन में ज्योत जला दे, वहीं इच्छा शक्ति है कर्तव्य। करोड़ों देशवासियों की रक्षा का आधार है कर्तव्य। मां भारती की प्राण उर्जा का ध्वजवाहक है कर्तव्य। नागरिक देवो भवः का मंत्र है कर्तव्य। राष्ट्र के प्रति भक्तिभाव से किया हर कार्य है कर्तव्य।

100 साल पुरानी इमारत में चल रहा था गृह मंत्रालय

आजादी के बाद दशकों तक देश की प्रशासनिक मशीनरी उन इमारतों से चलाई जाती रही है, जो ब्रिटिश शासन काल में बनी थीं। आप भी जानते हैं दशकों पहले बने इन प्रशासनिक भवनों में वर्किंग कंडीशन कितनी खराब थी। अभी वीडियो में कुछ झलक भी देखी हमने। यहां काम करने वालों के लिए न पर्याप्त जगह है, न रोशनी है, न जरूरी वेंटिलेशन है। आप कल्पना कर सकते हैं, गृह मंत्रालय जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय करीब सौ साल से एक ही इमारत में अपर्याप्त साधनों से चल रहा था।

किराए के डेढ़ हज़ार करोड़ रुपये बचा पाएगी सरकार

प्रधानमंत्री ने कहा, काम की वजह से कर्मचारियों का यहां से वहां आना-जाना होता है। अनुमान है कि हर रोज आठ से दस हजार कर्मचारियों को एक मंत्रालय से दूसरे मंत्रालय में आना जाना पड़ता है। इसमें भी सैकड़ों गाड़ियों की आवाजाही होती है। खर्च होता है। सड़कों पर ट्रैफिक बढ़ता है। कितना समय खराब होता है। इन सबसे काम की दक्षता नहीं रहती है। इक्कीसवीं सदी के भारत को 21वीं सदी की व्यवस्थाएं चाहिए। इमारतें भी चाहिए। ऐसी इमारतें जो तकनीकी, सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से बेहतरीन हो। जहां कर्मचारी सहज हो। फैसले तेज हो और सेवाएं सुगम हो। इसलिए कर्तव्य पथ के आसपास एक समग्र दृष्टि के साथ कर्तव्य भवन जैसी विशाल इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। ये तो पहला कर्तव्य भवन पूरा हुआ है। अभी कई कर्तव्य भवनों का निर्माण तेजी से चल रहे हैं। ये कार्यालय जब आसपास होंगे तो इससे कर्मचारियों को काम करने के लिए सही माहौल मिलेगा। जरूरी सुविधाएं मिलेंगी। उनका कुल वर्क आउटपुट भी बढ़ेगा और सरकार डेढ़ हजार करोड़ रुपये किराए पर खर्च कर रही है, वह भी बचेगा।

झारखंड में रंगदारी वसूलने गया 15 लाख का इनामी नक्सली मुठभेड़ में ढेर

70 से भी ज्यादा हिंसक और नक्सली वारदातों में था वांटेड मार्टिन केरकेट्टा

रांची,(ईएमएस)। नक्सलियों के खिलाफ अभियान में झारखंड पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के सुप्रीमो और 15 लाख के इनामी नक्सली मार्टिन केरकेट्टा को पुलिस ने गुमला जिले में मंगलवार देर रात मुठभेड़ में ढेर कर दिया। मार्टिन पिछले दो दशकों से गुमला, खूंटी, सिमडेगा, लोहरदगा और रांची जिले में आतंक फैला रहा था। वह 70 से भी ज्यादा हिंसक और नक्सली वारदातों में वांटेड था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुमला एसपी को इनपुट मिला था कि मार्टिन के साथ नक्सलियों का एक

हथियारबंद दस्ता चंगाबाड़ी ऊपरटोली में एक कारोबारी से रंगदारी वसूली के लिए गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया और इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को आता देख मार्टिन और उसके साथियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में मार्टिन मौके पर ही मारा गया। मुठभेड़ स्थल से हथियार भी बरामद हुए हैं। ऑपरेशन में गुमला जिले की एंटी नक्सली क्यूआरटी और दो थाना क्षेत्रों की पुलिस शामिल थी। बता दे मार्टिन के मारे जाने के बाद इलाके में पुलिस और सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। मार्टिन केरकेट्टा मूल रूप से कामडारा के रेड़मा गांव का रहने वाला था। वह पीएलएफआई के पूर्व प्रमुख दिनेश गोप का करीबी था और शुरुआती दिनों से ही संगठन से जुड़ा था। दो साल पहले दिनेश गोप की नेपाल से गिरफ्तारी के बाद मार्टिन को संगठन की कमान सौंपी गई थी। मार्टिन पीएलएफआई की केंद्रीय समिति का सदस्य भी था और रंगदारी वसूली समेत कई उग्रवादी घटनाओं में शामिल था।

झारखंड में शराब दुकानों की बंदोबस्ती की प्रक्रिया गुरुवार से होगी शुरू

रांची : राज्य में उत्पाद नीति 2025 के तहत शराब की खुदरा बिक्री के लिए दुकानों की बंदोबस्ती प्रक्रिया गुरुवार से शुरू होगी. सरकार की ओर से इससे संबंधित आदेश गुरुवार को जारी की जायेगी. साथ ही दुकानों की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए कल से वेबसाइट पर आवेदन दिया जा सकेगा. शराब की खुदरा बिक्री के लिए निर्धारित दुकानों के लिए आवेदन देने के लिए वेब साइट तैयार कर लिया गया है. लॉटरी के लिए बनाये गये वेबसाइट को गुरुवार से आम लोगों के लिए खोल दिया जायेगा. इस वेबसाइट पर दुकानों से संबंधित जानकारी होगी. साथ ही लोग इसके लिए अपना आवेदन दे सकेंगे. इसके बाद जिला स्तर पर दुकानों की बंदोबस्ती की जायेगी. बंदोबस्ती की प्रक्रिया को 20-22 अगस्त तक पूरा कर लिये जाने की संभावना है. उत्पाद नीति के तहत शराब की खुदरा बिक्री विभिन्न जिलों के लिए निर्धारित दुकानों में होगी. सरकार ने उत्पाद नीति के तहत राज्य में कुल 1343 दुकानें चिह्नित की है. दुकानों की यह संख्या उत्पाद नीति 2022 में निर्धारित दुकानों की संख्या से कम है. उत्पाद नीति 2022 के तहत राज्य में शराब की खुदरा बिक्री के लिए 1453 दुकानें चलायी जा रही थी. इन्हें प्लेसमेंट एजेंसियों से वापस लेकर फिलहाल जेएसबीसीएल के माध्यम से चलाया जा रहा है.

7 साल पहले शाह पर की गई टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को मिली जमानत

रांची,(ईएमएस)। चाईबासा निवासी प्रताप कटियार नामक शख्स ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 9 जुलाई, 2018 को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्होंने वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। अब इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा कोर्ट में चल रहे एक मानहानि मुकदमे में जमानत मिल गई है।

शिकायत के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा

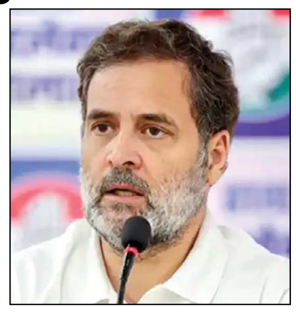

राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारे को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं, यह भाजपा में ही संभव है। इस शिकायत वाद पर चाईबासा कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ अप्रैल 2022 में जमानती वारंट जारी किया था। इस पर राहुल गांधी की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इसके बाद कोर्ट ने फरवरी 2024 में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। यह मामला वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस केस में झारखंड के चाईबासा के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी करते हुए व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

धनबाद में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा

हाइवा की चपेट में आकर बुजुर्ग की मौत, आक्रोशित हुए ग्रामीण

आक्रोशित ग्रामीणों ने धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग को कर दिया जाम

धनबाद : केंदुआ बाजार के समीप बुधवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में 55 वर्षीय जगदीश सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब केंदुआ निवासी जगदीश सिंह सड़क पार कर रहे थे तभी तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आक्रोशित ग्रामीणों ने धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। ग्रामीण मृतक के परिजनों को मुआवजा देने और दोषी चालक

पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलने पर केंदुआडीह पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची और भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया लेकिन लोग मुआवजा और स्थायी समाधान की मांग पर अड़े रहे।

फरार अभियुक्त आदेश गंझू के घर की हुई कुर्की-जब्ती

लातेहारः लातेहार जिले के बारियातू व बालूमाथ थाना की पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर फरार चल रहे आदेश गंझू के घर कुर्की-ज़ब्ती की. उसके खिलाफ कांड संख्या 70/2024 के तहत मामला दर्ज है. अभियुक्त आदेश गंझू चतरा जिले के टंडवा के होनहे गांव का रहने वाला है. उसके पिता का नाम जतरू गंझू है. वह इस मामाले में लंबे समय से फरार चल रहा था. बारियातू थाना प्रभारी रंजन पासवान ने बताया कि आदेश गंझू के खिलाफ 11 जून 2024 को कांड संख्या 70/2024 के तहत आर्म्स एक्ट सहित अन्य कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया था.

उसकी गिरफ्तारी व सरेंडर करने के लिए कोर्ट के आदेश पर कई बार उसके घर पर इश्तेहार चस्पा किया गया. लेकिन उसने कोर्ट में सरेंडर नहीं किया. अंततः कोर्ट के आदेश पर उसके घर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गई.

उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए को शिंदे का बिना शर्त समर्थन, दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात के बाद एलान

नई दिल्ली : शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को बिना शर्त समर्थन देने का एलान किया है। उन्होंने यह घोषणा दिल्ली दौरे के दौरान की, जहां उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। शिंदे ने कहा कि बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी का महायुति गठबंधन महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव भी एक साथ लड़ेगा।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि उनकी पार्टी भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और उपराष्ट्रपति चुनाव में बिना किसी शर्त के समर्थन देगी। यह चुनाव 9 सितंबर को होना तय है। मौजूदा

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद यह पद रिक्त हुआ है। शिंदे ने अपने बयान में यह भी कहा कि एनडीए आज पहले से कहीं अधिक एकजुट और मजबूत है।

अमित शाह को बताया निर्णायक नेता

शिंदे ने अमित शाह की राजनीतिक उपलब्धियों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि अमित शाह न केवल देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गृह मंत्री बने हैं, बल्कि उन्होंने शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे का सपना भी पूरा किया है। उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर को पूरी तरह भारत में मिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की ह

दिल्ली दौरे पर 'तनाव' की अटकलें खारिज

शिंदे ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके लगातार दिल्ली आने को कुछ लोग मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मतभेद के रूप में पेश कर रहे हैं, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि उनके और फडणवीस के बीच कोई तनाव नहीं है और वे मिलकर महाराष्ट्र के विकास के लिए काम कर रहे हैं। दिल्ली दौरे का उद्देश्य सिर्फ राजनीतिक समन्वय और केंद्रीय नेताओं से मुलाकात है।

महायुति महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव भी लड़ेगी साथ

शिंदे ने यह भी बताया कि महाराष्ट्र में बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट) और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी का महायुति गठबंधन आगामी स्थानीय निकाय चुनाव एकजुट होकर लड़ेगा। इससे यह संकेत मिलता है कि तीनों पार्टियां राज्य स्तर पर चुनावी समीकरणों को लेकर पूरी तरह स्पष्ट और एकजुट हैं। शिंदे के इस बयान से यह साफ हो गया है कि एनडीए उपराष्ट्रपति चुनाव में मजबूत स्थिति में है और उसे सहयोगी दलों का पूरा समर्थन मिल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए अभिनेता विजय देवरकोंडा

मुंबई,(ईएमएस)। अभिनेता विजय देवरकोंडा बुधवार को बेटिंग एप के प्रमोशन से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। उनसे बेटिंग ऐप्स के साथ उनके करार और उसके लिए मिले पैसों के बारे में पूछताछ की गई। बात दें कि विजय देवरकोंडा इस मामले में ईडी के सामने पेश होने वाले दूसरे अभिनेता हैं। विजय से पहले, 30 जुलाई को अभिनेता प्रकाश राज से पाँच घंटे तक पूछताछ हुई थी। प्रकाश राज ने बताया कि उन्होंने साल 2016 में एक सट्टेबाजी एप के लिए विज्ञापन किया था, लेकिन इसके लिए उन्होंने कोई पैसा नहीं लिया था। उन्होंने कहा कि बाद में उन्हें एहसास हुआ कि यह विज्ञापन नहीं करना चाहिए था। ईडी ने हाल ही में अभिनेता राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और लक्ष्मी मांचू को मामले में समन जारी किया था। राणा दग्गुबाती ने पेश होने के लिए नई तारीख माँगी थी और अब उन्हें 11 अगस्त को पेश होने के लिए कहा गया है। लक्ष्मी मांचू को 13 अगस्त को ईडी के सामने हाजिर होने के लिए कहा गया है। मामले में कुल 29 मशहूर हस्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, जिनमें अभिनेता, प्रभावशाली लोग और यूट्यूबर्स शामिल हैं। यह कार्रवाई पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट, 1867 के उल्लंघन और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका के तहत की गई है। मार्च 2025 में साइबराबाद पुलिस ने विजय देवरकोंडा और राणा दग्गुबाती सहित कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

मान के मंत्री को मिली 2 दिनों तक जोड़ा घरों में सेवा देने की सजा

अमृतसर (ईएमएस)। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस बुधवार को अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में सिखों की सर्वोच्च संस्था श्री अकाल तख्त साहिब के सामने पेश हुए। उन्होंने 24 जुलाई को पंजाब भाषा विभाग की ओर से जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर नाच-गाने का कार्यक्रम कराने पर पांच सिंह साहिबानों के सामने अपनी गलती स्वीकार की। जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने मंत्री बैंस को सजा सुनाकर कहा कि अभी अमृतसर में गोल्डन टेंपल से गुरुके महल तक पैदल जाएंगे। यहां साफ-सफाई करांगे। इसके बाद गुरुद्वारा कोठा साहिब पहुंचने से 100 मीटर पहले उतर जाएंगे। यहां से गुरुद्वारे तक पैदल जाएंगे। साथ ही रास्ते में साफ-सफाई कराएंगे। इसके बाद गुरुद्वारा पातशाही बाबा बकाला साहिब पहुंचने से 100 मीटर पहले उतर जाएंगे और सड़कों को सही कराएंगे। इसके बाद आप नेता सिंह को दिल्ली में गुरुद्वारा शीशगंज साहिब और श्री आनंदपुर साहिब में जाना होगा। दोनों जगह पर नतमस्तक होकर 2 दिनों तक जोड़ा घरों में सेवा देनी होगी। साथ ही साथ 1100 रुपए की देग (प्रसाद) चढ़ाकर अरदास करवाएंगे। इस पर मान के मंत्री ने कहा कि मुझे सजा मंजूर है। जिस कार्यक्रम को लेकर विवाद हुआ है, उसमें पंजाबी गायक बीर सिंह ने परफॉर्मेंस दी थी। 1 अगस्त को मंत्री बैंस और भाषा विभाग के डायरेक्टर जसवंत सिंह जफर को पांच सिंह साहिबानों के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया गया था। उस दिन बैठक स्थगित हो गई थी। दोनों को 6 अगस्त को पेश होने को कहा गया। जफर विदेश में होने के कारण पेश नहीं हुए और चिट्ठी भेजकर बाद में पेश होने का आग्रह किया। जफर अब 13 अगस्त को पेश होने वाले है।

दो कथित ड्रग तस्करों को डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल भेजने पर रोक, एडवाइजरी कमेटी का फैसला

चंडीगढ़,(ईएमएस)। चंडीगढ़ पुलिस द्वारा दो कथित ड्रग तस्करों, बाला और दीपक मित्तल उर्फ विक्की, को असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल भेजने की योजना पर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के तीन रिटायर्ड जजों की एडवाइजरी कमेटी ने रोक लगा दी है। दरअसल कमेटी ने चंडीगढ़ पुलिस द्वारा तैयार की गई केस फाइल को कमजोर बताया है। पुलिस ने इन दोनों को पीआईटीएनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था। यह एक्ट पुलिस को बिना ट्रायल के किसी व्यक्ति को हिरासत में रखने की अनुमति देता है, अगर वह लगातार ड्रग तस्करी के नेटवर्क में सक्रिय हो। मामले में हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों (एस.एस. मैदान, शेखर धवन और कुलदीप सिंह) की एडवाइजरी कमेटी ने पुलिस द्वारा दिए गए जवाबों से असंतुष्ट होने के बाद, दोनों आरोपियों को डिब्रूगढ़ जेल भेजने से इंकार कर दिया। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेज दी है। इसके बाद पुलिस को दोनों को जेल से रिहा करना पड़ा। यह फैसला चंडीगढ़ क्राइम ब्रांच के लिए एक झटका है, जो कि पहले इन गिरफ्तारियों को ड्रग नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता बता रही थी। इस घटना के बाद पुलिस की कार्रवाई पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, 60 वर्षीय बाला एक आदतन अपराधी है जिसके खिलाफ 36 से ज्यादा केस दर्ज हैं, जिसमें से 10 एनडीपीएस एक्ट के तहत हैं। इसी तरह, दीपक मित्तल उर्फ विक्की भी हेरोइन तस्करी के कई मामलों में आरोपी है और नशे के नेटवर्क का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

भारत सरकार के "डीप ओशन मिशन" ने समुद्र की गहराइयों में छिपे खजाने की खोज में बड़ी सफलता हासिल की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार का "डीप ओशन मिशन" समुद्र की गहराइयों में छिपे खजाने की खोज में बड़ी सफलता हासिल कर रहा है। इस मिशन के तहत अब तक सबसे बड़ी खोज पॉलीमेटालिक नॉड्यूल्स (पीएमएन) और पॉलीमेटालिक सल्फाइड्स (पीएमएस) की हुई है। पीएमएन समुद्र की सतह से हजारों मीटर नीचे पाए जाते हैं और इनमें तांबा, कोबाल्ट, निकेल और मैंगनीज जैसे बहुमूल्य धातु होते हैं।
पीएमएस में तांबा, जस्ता, सीसा, लोहा और चांदी जैसी धातुएं होती हैं। भारत ने इन खनिजों की खोज के लिए इंटरनेशनल सीबेड अथॉरिटी से 75,000 वर्ग किमी और 10,000 वर्ग किमी क्षेत्र का लाइसेंस प्राप्त किया है। यह मिशन समुद्र विज्ञान मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा है। इसका उद्देश्य समुद्र के भीतर बहुमूल्य खनिजों और जीवों की खोज करना है। वर्ष 2024 में भारत ने अंडमान सागर से 1173 मीटर गहराई से 100 किलो से अधिक कोबाल्ट युक्त नॉड्यूल निकाले गए। साथ ही, समुद्र के अंदर दो सक्रिय हाइड्रोथर्मल क्षेत्रों की पहचान की गई। मिशन के तहत वैज्ञानिकों ने समुद्र तटों पर जलवायु परिवर्तन के असर को मापने के लिए नक्शे (वल्नरेबिलिटी मैप्स) भी तैयार किए हैं।

JHARIA REHABILITATION AND DEVELOPMENT AUTHORITY, DHANBAD

e-Procurement Notice

Tender Reference No: JRDA/CIVIL/25-26/13/517 Dated: 25.07.2025

1.	Name of Work	**Construction of 03 nos. of Anganwadi Center at Belgaria, Dhanbad.**
2.	Estimated Cost	Rs. 45,36,150.00
3.	EMD	Rs. 90,800.00
4.	Tender Document Cost	Rs. 5000.00
5.	Time of Completion	04 months
6.	Date/Time from which bid is available for online bidding	04.08.2025 at 03:00 PM
7.	Last Date/Time for on-line submission of bids	18.08.2025 at 5:00 PM
8.	Date and Time of Bid Opening	20.08.2025 at 11:30 AM
9.	Name and Address of Officer inviting tender	Head of Department (Civil), JRDA, Dhanbad Hatia More, Golf Ground Road, Hirapur, Dhanbad -826001 Jharkhand, India Email: infojrda.dhn@gmail.com

Note : 1. Only e-tenders will be accepted.
2. Further details can be seen on website – https://jharkhandtenders.gov.in

Head of Department (Civil), JRDA, Dhanbad

PR 358933 Rural Development (25-26)_D

वंदे सोमनाथ कला महोत्सव, सोमनाथ में कला और भक्ति का भव्य संगम

अहमदाबाद (ईएमएस)| प्रधानमंत्री एवं श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेन्द्र मोदी के सतत मार्गदर्शन में, करोड़ों तीर्थयात्रियों को हर साल सोमनाथ में उत्कृष्ट रेल और बस नेटवर्क, न्यूनतम दरों पर उत्कृष्ट आवास और निःशुल्क भोजन की सुविधा के साथ सम्मानजनक दर्शन और प्रेमपूर्ण आतिथ्य का विश्वस्तरीय अनुभव प्राप्त हो रहा है। विशेषकर श्रावण 2025 में जब लाखों श्रद्धालु सोमनाथ में दर्शन, जप, तप और पाठ करके महादेव को प्रसन्न करने के लिए पूजा-अर्चना कर रहे हैं, तो देश भर के कलाकार इस स्थान पर अपनी नृत्य पूजा प्रस्तुत कर रहे हैं। यह शुभ संयोग सोमनाथ में सांस्कृतिक और कलात्मक चेतना को पुनर्जीवित कर रहा है।

प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से सोमनाथ की सांस्कृतिक पुनर्स्थापनाः
सदियों पहले, हजारों नर्तकों ने प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के चरणों में कला और कल्याण के देवता नटराज सोमनाथ महादेव की आराधना करते हुए अपने नृत्य प्रस्तुत किए थे। यह कई पुस्तकों और लेखों में पाया जाता है। प्राचीन

कला उपासना की दिव्य परंपरा और भारतीय नृत्य शैलियों में निहित शिव तत्व को पुनः उजागर करने का यह दिव्य संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से वन्दे सोमनाथ कला महोत्सव के अभूतपूर्व आयोजन के रूप में साकार हुआ है।

आयोजनों की श्रृंखलाः
श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को श्री सोमनाथ ट्रस्ट द्वारा निर्मित तीन विशेष मंचों पर विभिन्न भारतीय नृत्य शैलियों के कुशल कलाकारों द्वारा गायन, वादन और प्रकाश व्यवस्था के साथ भक्ति और कला का अभूतपूर्व प्रदर्शन किया जाएगा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) और गुजरात पर्यटन विभाग के सहयोग से श्री सोमनाथ ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य श्री नरेन्द्रभाई मोदी के दृष्टिकोण के अनुसार भारत के तीर्थ स्थलों और मंदिरों के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित करना है।

प्रथम चरणः
वंदे सोमनाथ कला महोत्सव के प्रथम चरण में श्री पवित्रा भट्ट एवं उनकी टीम ने भरतनाट्यम का मनमोहक प्रदर्शन किया। इसके अलावा, श्री कदम पारिख और वृंद ने कथक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि नम्रता मेहता और

धराली में एक शव बरामद, 50 से ज्यादा लोग अभी भी लापता

रेस्क्यू-सर्च ऑपरेशन जारी

देहरादून,(ईएमएस)। देवभूमि उत्तराखंड में उत्तरकाशी के धराली गांव में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार सुबह रेस्क्यू-सर्च ऑपरेशन के दौरान एक डेडबॉडी बरामद की गई। उसकी पहचान की जा रही है। 50 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। मंगलवार से लेकर अभी तक 150 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी और आर्मी की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। बुधवार सुबह पीएम मोदी ने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की। इसके बाद धामी ने धराली और दूसरी जगहों का हवाई सर्वे किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर बैठक भी की। धराली गांव में 1864, 2013 और 2014 में भी पहाड़ पर बादल फटे थे। इससे खीर नाले ने तबाही मचाई। भूगर्भ वैज्ञानिकों ने तीनों ही

आपदाओं के बाद धराली गांव को कहीं और बसाने की सलाह राज्य सरकार को दी। यह भी बताया कि आपदा के लिहाज से धराली टाइम बम पर बैठा है, लेकिन गांव को शिफ्ट नहीं किया गया।
वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. एसपी सती बताते हैं कि धराली ट्रांस हिमालय (4 हजार मी. से ऊपर) में मौजूद मेन सेंट्रल थर्स्ट में है। यह एक दरार होती है, जो मुख्य हिमालय को ट्रांस हिमालय से जोड़ती है। ये भूकंप का अति संवेदनशील जोन भी है। जिस पहाड़ से खीर गंगा नदी आती है, वहां 6 हजार मी. ऊंचा है, जब भी वहां से सैलाब आता है, धराली को तहस-नहस कर देता है। करीब 6 महीने पहले पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर खीर नदी में गिर रहा था, लेकिन ये अटक गया। संभवतः इस बार वहीं हिस्सा टूटकर नीचे आया है। आपदा में धराली में स्थित प्राचीन कल्प केदार महादेव मंदिर भी मलबे में दफन हो गया। भागीरथी नदी किनारे स्थित 1500 साल पुराना यह मंदिर पंच केदार परंपरा से जुड़ा है।

केदारनाथ त्रासदी : 3075 कंकाल ढूंढेगी धामी सरकार?

702 लोगों की आजतक पहचान नहीं हुई

देहरादून,(ईएमएस)। केदारनाथ वाली त्रासदी को बीते हुए 12 साल हो चुके है। लेकिन वहां का मंजर अभी तक कोई भूला नहीं है, जहां बस चारों तरफ पानी, मलबा और लाशों के ढेर दिख रहे थे। जिन्होंने इस त्रासदी में अपनों को खोया, वे अब भी उनका इंतजार कर रहे हैं। ताकि उनका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कर सकें। जिसके लिए एक फिर खोज शुरू हो सकती है। दरअसल, केदारनाथ त्रासदी में 3075 लोग लापता हो गए, जिनका आजतक पता नहीं चल पाया है।
अब अपनों की खोज के लिए लोगों ने उत्तराखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में उत्तराखंड की धामी सरकार ने लापता हुए लोगों के कंकालों की खोज कर उनका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार करने की अपील की थी। बता दें कि सरकार अब तक चार बार टीम भेज चुकी है। साल 2020 में टीम ने चट्टी और गोमुखी क्षेत्र में 703 नरकंकाल बरामद किए थे। वहीं साल 2014 में 21 और साल 2016 में कुल 9 नर कंकाल बरामद हुए थे। वहीं साल 2024 के नवंबर माह में कुल 10 टीमें अलग-अलग पैदल मार्ग पर गई थीं। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। दरअसल, सरकार के प्रयासों से जो कंकाल बरामद होते हैं, उनका डीएनए टेस्ट होता है और फिर जिन लोगों से भी डीएनए मिलता है, उस परिवार को कंकाल सौंप दिया जाता है। इसलिए फिर सरकार सर्च टीम भेजने की तैयारी कर रही है। आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन के मुताबिक इस साल भी सर्च टीम भेजने की तैयारी है। हाईकोर्ट ने साल 2016 और फिर 2019 में राज्य को निर्देश दिए थे कि वह 3075 लापता लोगों के कंकाल की तलाश करे और उनका अंतिम संस्कार करे।

किन्नर कैलाश यात्रा पर गए 2 श्रद्धालुओं की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में जारी भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। किन्नर कैलाश यात्रा पर गए 2 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। मौत के असल कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। इनकी अभी पहचान भी नहीं हो पाई। किन्नौर जिला प्रशासन ने एहतियातन यात्रा को स्थगित किया है। वहीं चंडीगढ़-मनाली फोरलेन दवाड़ा, कालका-शिमला सड़क चक्की मोड़ और पठानकोट-कांगड़ा हाईवे पर भूस्खलन के कारण यातायात बंद है। पूरे प्रदेश में 617 से ज्यादा सड़कें बंद है। हालात को देखकर शिमला, मंडी व कुल्लू जिलों के सात सब डिवीजन और पूरे सोलन जिले में सभी शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। बद्दी के मानपुरा के मानकपुर में ढेला पंचायत व दवनी औद्योगिक क्षेत्र को जोड़ने वाला पुल सुबह तेज बारिश से टूट गया। कुल्लू के निरमंड उपमंडल के उर्टू में नाले का जलस्तर बढ़ने और लैंडस्लाइड से पांच गाड़ियां दब गई।

एसआईआर पर संसद में हो बहस मांग को लेकर विपक्ष अड़ा

बिहार की मतदाता सूची में गड़बड़ी, लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद के चालू मानसून सत्र में बिहार की मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा लगातार जोर पकड़े हुए है। विपक्षी दलों ने सरकार पर लोकतंत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए संसद में इस विषय पर तुरंत चर्चा कराने की मांग की है। विपक्ष का कहना है कि मताधिकार से छेड़छाड़ किसी भी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है।
लोकसभा सांसद और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, कि लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब हर कोई अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। लेकिन जब यह अधिकार ही छीन लिया जाए, तो फिर हम अपनी आवाज कहां उठाएं? वहीं सीपीआई के राज्यसभा सांसद पी. संतोष कुमार ने दावा किया, कि भाजपा और उसके तथाकथित सहयोगियों को छोड़कर सभी राजनीतिक दल एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। यह बिहार चुनाव के लिए जारी मतदाता सूची में साफ झलकता है। हम मांग करते हैं कि सभी पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल किया जाए।
इस संबंध में कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने कहा, कि यह सिर्फ एक साधारण चर्चा की मांग है, लेकिन भाजपा हर दिन लोकतंत्र की हत्या कर रही है। मतदाता सूची में इतना बड़ा घोटाला हो रहा है, और सरकार चर्चा से बच रही है। इससे बड़ा लोकतंत्र पर हमला और क्या हो सकता है? कांग्रेस नेता कार्ति पी. चिदंबरम ने आरोप लगाया कि यह योजना तमिलनाडु जैसे राज्यों में प्रवासी श्रमिकों को जोड़ने की एक शैतानी साजिश है। वहीं, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा, कि अगर आयोग मनमाने तरीके से काम करेगा, तो लोकतंत्र की नींव ही हिल जाएगी।

क्या है एसआईआर विवाद?

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराया है। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया में गड़बड़ी कर बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और कुछ बाहरी लोगों को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है, लेकिन बहस कराने से बचती दिख रही है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
तेनुघाट बाँध प्रमंडल, तेनुघाट (बोकारो)

अति अत्यावश्यक आपातकालीन/अल्पकालीन ई0 निविदा आमंत्रण सूचना सं. 10/2025–26

01. विभाग का नाम : जल संसाधन विभाग, झारखण्ड, राँची
02. विज्ञापनदाता का पदनाम/ पता : कार्यपालक अभियंता, तेनुघाट बाँध प्रमंडल, तेनुघाट बोकारो) पिन कोड 829123।
03. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : 14.08.2025 को 11.00 AM बजे से।
04. अंतिम तिथि/बीड सर्मपित करने का समय : 20.08.2025 को अपराह्न 05.00 बजे तक।
05. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 22.08.2025 को अपराह्न 01.00 बजे ।
06. ई– प्रोक्यूरमेंट सेल का दूरभाष संख्या 06546–267462/8789848809
07. निविदा कार्यो की विवरणी :–

क0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 66.00 से 68.00 तक के बीच 200 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,776.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
2	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 90.00 से 91.00 तक के बीच 100 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,809.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
3	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 97.00 से 98.00 तक के बीच 100 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,853.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
4	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 116.00 से 117.00 तक के बीच 100 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,853.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
5	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 140.00 से 143.00 तक के बीच 300 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	11,86,863.00	23,800.00	2500.00	05 दिन।
6	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 159.00 से 159.50 तक के बीच 50.00 फीट बांया बांध एवं चेन संख्या 159.00 से 160.00 तक के बीच 100.00 फीट दांया बांध कुल 150.00 के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	5,98,754.00	12,000.00	1250.00	05 दिन।
7	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 165.00 से 167.00 तक के बीच 200 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,766.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
8	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 173.00 से 174.53 तक के बीच 153 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	6,10,959.00	12,300.00	1250.00	05 दिन।
9	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 170.50 से 171.50 तक के बीच 100 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,809.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
10	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 350.00 से 353.00 तक के बीच 300 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	11,86,869.00	23,800.00	2500.00	05 दिन।
11	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 397.00 से 399.00 तक के बीच 200 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,766.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
12	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 417.00 से 418.00 तक के बीच 100.00 फीट बांया बांध एवं चेन संख्या 417.00 से 418.00 तक के बीच 100.00 फीट दांया बांध कुल 200.00 फीट के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,776.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
13	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 440.00 से 442.00 तक के बीच 200 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,776.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
14	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 465.00 से 467.00 तक के बीच 200 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,776.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
15	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 478.00 से 481.00 तक के बीच 300 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	11,86,869.00	23,800.00	2500.00	05 दिन।
16	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 489.00 से 491.00 तक के बीच 200 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,776.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
17	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 577.00 से 578.00 तक के बीच 100 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,809.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
18	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 642.00 से 645.00 तक के बीच 300 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	11,86,869.00	23,800.00	2500.00	05 दिन।
19	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 699.00 से 700.00 तक के बीच 100 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,853.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
20	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 717.00 से 719.00 तक के बीच 200 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,776.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
21	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 771.00 से 773.00 तक के बीच 200 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,776.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
22	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 844.00 से 846.00 तक के बीच 200 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,776.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
23	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 830.00 से 832.00 तक के बीच 200 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,776.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
24	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 821.00 से 823.00 तक के बीच 200 फीट बांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	7,94,776.00	15,900.00	1250.00	05 दिन।
25	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 880.00 से 881.00 तक के बीच 100 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,853.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
26	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 899.00 से 901.00 तक के बीच 100 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,853.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
27	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 956.00 से 957.00 तक के बीच 100 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,853.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
28	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 980.00 से 981.00 तक के बीच 100 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,853.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
29	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 995.00 से 996.00 तक के बीच 100 फीट दांया बांध के अति अत्यावश्यक आर0 सी0 सी0 लाईनिंग का कार्य।	4,03,853.00	8,100.00	750.00	05 दिन।
30	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 132.00 से 134.50. के दांया तटबंध पर 250.00 फीट लम्बाई की गार्ड वाल का अत्यावश्यक निर्माण कार्य।	10,89,788.00	22,000.00	2500.00	30 दिन।
31	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 162.00 से 165.00. के दांया तटबंध पर 300.00 फीट लम्बाई की गार्ड वाल का अत्यावश्यक अत्यावश्यक निर्माण कार्य।	12,87,421.00	25,800.00	2500.00	30 दिन।
32	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 123.00 से 128.00. के दांया तटबंध पर 500.00 फीट लम्बाई की गार्ड वाल का अत्यावश्यक अत्यावश्यक निर्माण कार्य।	20,77,912.00	41,600.00	5000.00	45 दिन।
33	तेनु – बोकारो नहर के चेन संख्या 474.00 से 480.00. के दांया तटबंध पर 300.00 फीट लम्बाई की गार्ड वाल का अत्यावश्यक अत्यावश्यक निर्माण कार्य।	24,73,130.00	49,500.00	5000.00	45 दिन।

नोट :– 1. निविदा की राशि घट बढ सकती है।
2. केवल ई – निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
3. किसी भी विशेष जानकारी के लिए वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
तेनुघाट बाँध प्रमंडल, तेनुघाट

PR 358903 Water Resource (25-26)_D

संक्षिप्त ख़बरें

पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा ने शोक सभा आयोजित कर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

दुमका। पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा संताल परगना ने पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर एक शोक सभा का आयोजन केंद्रीय अध्यक्ष असीम कुमार मंडल की अध्यक्षता में किया गया।शोक सभा में पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा संताल परगना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। सभी ने 2 मिनट का मौन धारण कर दिशोम गुरु के आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना किया। असीम मंडल ने कहा कि शिबू सोरेन के झारखंड के विकास और आदिवासी समुदायों के अधिकारों के लिए किए गए कार्यों को हमेशा याद रखा जाएगा। शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की।पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा संथाल परगना के केंद्रीय प्रधान महासचिव डॉ अमरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड के एक महान नेता थे जिन्होंने झारखंड के विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका निधन हमारे लिए एक बड़ी क्षति है। मौके पर महासचिव रंजीत जयसवाल व दयामय माजी, कोषाध्यक्ष अजित कुमार मांझी, रमेश प्रसाद साह, सचिन कुशवाहा, गौतम कुमार दर्वे, नवनीत शेखर, सुधाकर मंडल, दिवाकर साह, मानिक चंद्र पंडित, जितेश कुमार दास, सुशील कुमार राय, गौतम कुमार, गणेश चंद्र महतो, जियाधर मंडल, नारायण बैध, जगबंधु मंडल, नीरज कुमार, विकास पंजियारा, मंतोष कुमार महतो सहित दर्जन लोग मौजूद थे।

एस पी कॉलेज में झारखंड निर्माता वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को अर्पित की गई भावभीनी श्रद्धांजलि

दुमका:सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के एस.पी. कॉलेज में झारखंड आंदोलन के महानायक, झारखंड निर्माता, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय कोयला मंत्री, पूर्व लोकसभा सांसद, राज्यसभा के सदस्य, दिशोम गुरु वीर शिबू सोरेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के परिसर में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एस पी कॉलेज की कार्यकारी प्राचार्य डॉ पूनम बिन्झा ने वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए किया। उन्होंने वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के

जीवन संघर्ष एवं झारखंड निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "दिशोम गुरु न केवल एक राजनेता थे, बल्कि झारखंड की आत्मा और जन-जन की आवाज थे। उनके संघर्षों के बिना झारखंड राज्य की कल्पना भी नहीं की जा सकती।"श्रद्धांजलि कार्यक्रम में इतिहास विभाग के डॉ. सत्यम कुमार ने दिशोम गुरुजी के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए उनके आंदोलन के दिनों की अविस्मरणीय कहानियों की संक्षिप्त चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापकों, कर्मचारियों ने झारखंड निर्माता वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन की याद में दो मिनट का मौन धारण कर उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी ने झारखंड आंदोलन में गुरुजी शिबू सोरेन के निर्णायक नेतृत्व, आदिवासी अधिकारों के लिए उनके संघर्ष और समाज के वंचित वर्गों के लिए उनके योगदान को याद करते हुए कोटि-कोटि नमन किया। इस अवसर पर डॉ वेद प्रकाश, डॉ के बी टोप्पो,डॉ बिनोद शर्मा, डॉ होलिका मरांडी, डॉ अमिता हेंब्रम, डॉ सैमुएल किस्कू, डॉ पुष्पा सोरेन, डॉ बिनीता रानी टोप्पो, डॉ चंद्रशेखर रजक, डॉ त्रिजा जेनिफर टोप्पो, डॉ सीमा कुमारी, डॉ सुनील बेसरा, डॉ अमन, डॉ विश्वनाथ यादव, डॉ किलिस मरांडी, डॉ यदुवंश, डॉ अविनाश हांसदा, डॉ कमल शिवकांत हरि, डॉ लीना, डॉ बसंती, डॉ अनीता राज हेंब्रम, श्रीमती मरियम, श्रीमती संगीता, मिली सेंट, गोपाल झा, मो.कुर्बान, नफीसा बेगम आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर कॉलेज की ओर से सरकार से यह मांग कि गई कि हर वर्ष इस दिन को 'झारखंड निर्माण स्मृति दिवस' के रूप में मनाई जाए, जिससे भावी पीढ़ी को दिशोम गुरु के संघर्षों से प्रेरणा मिलती रहे।

झारखण्ड के पूर्व सीएम शिबु सोरेन को ए एन कॉलेज में दी गई श्रद्धांजलि

दुमका : आदित्य नारायण महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मीयों के द्वारा गुरुजी को भावभीनी श्रद्धांजली दो मिनट मौन रखकर दी गई।इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा की गुरुजी का इस महाविद्यालय को आशिर्वाद मिलता रहा है, उनके प्रयास से माहाविद्यालय का बहुत विकास हुआ है, गुरुजी चाहते थे कि ए. एन. कॉलेज का बहुत विकास करे, ए.एन. कॉलेज में ग्रामीण और गरीब परिवार के बच्चें जो एस.पी. कॉलेज में नामांकन नहीं होने से बाहर जाना पङता था या पढ़ाई छोड़ना पङता था, लेकिन ए.एन. कॉलेज के खुलने के बाद उनसभी का शिक्षा सुलभ हुआ है। इसीलिए यह महाविद्यालय बहुत आगे बढ़े।

राजद ने शोक सभा आयोजित कर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

दुमका। राष्ट्रीय जनता दल जिला अध्यक्ष डॉ अमरेंद्र कुमार यादव की अध्यक्षता में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलनकारी दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शिबू सोरेन जी को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। मौके पर 2 मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के भगवान से प्रार्थना किया गया।राष्ट्रीय जनता दल जिला अध्यक्ष डॉ अमरेंद्र कुमार यादव ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। शिबू सोरेन जी के झारखंड के विकास और आदिवासी समुदायों के अधिकारों के लिए किए गए कार्यों को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा आज झारखंड की आत्मा रो रही है। हम सभी झारखंडवासियों के लिए यह क्षति अपूरणीय है।व्यक्तिगत रूप से उन्हें एक मार्गदर्शक, एक प्रेरणा और एक अभिभावक को खो दिए हैं। उनका आशीर्वाद और विचारधारा हमेशा हमारे पथ को आलोकित करती रहेगी।राजद अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बाबूराम हांसदा ने कहा की झारखंड आंदोलन के प्रणेता, आदिवासी अस्मिता के प्रतीक पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। गुरुजी सिर्फ आदिवासियों के नेता थे बल्कि वे शोषित पीड़ित वंचित समाज, पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए की कार्य किए हैं। मौके पर राजद नेता जितेश कुमार दास, सुशील कुमार राय उमेश ठाकुर, जयदेव गोराई, मानिक चंद्र पंडित, जुलकर अंसारी, दिनेश कुमार मिश्रा, वीरेंद्र यादव, सोनी मुर्मू, रतन चालक, लालू यादव, राजू चालक, गौरी देवी, जमुना देवी, आर्यन कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

दुमका:झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड आंदोलन के प्रणेता स्वर्गीय शिबू सोरेन के निधन पर सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर के नेतृत्व में यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। 4 अगस्त को शिबू सोरेन के निधन की सूचना से शोकाकुल विश्वविद्यालय परिवार ने दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम की शुरुआत दो मिनट के मौन से की गई, जिसके उपरांत दिवंगत शिबू सोरेन की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने स्वर्गीय 'दिसोम गुरु' को नम आंखों से याद किया।कार्यक्रम में उर्दू विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शम्स तबरेज खान ने शिबू सोरेन के जीवन संघर्षों को विस्तार से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि झारखंड को एक अलग राज्य का दर्जा दिलाने में स्वर्गीय शिबू सोरेन की भूमिका अविस्मरणीय रही है। उन्होंने साहूकारों, दलितों, पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए लड़े गए उनके संघर्षों पर विशेष प्रकाश डाला। डॉ. खान ने बताया कि उन्होंने स्वयं उन आंदोलनों में हिस्सा लिया था, जब शिबू सोरेन के नेतृत्व में झारखंड के लिए आंदोलन करते हुए कई बार जेल भी जाना पड़ा था।सभा में कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर ने शिबू सोरेन को एक जननेता, आदिवासी समाज के मसीहा और झारखंड की आत्मा बताया। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन न केवल एक राजनेता थे, बल्कि एक विचार थे, जिन्होंने सदैव वंचितों की आवाज को बुलंद किया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेन्द्र यादव, वित्त सलाहकार ब्रिज नंदन ठाकुर, प्रॉक्टर डॉ. राजीव कुमार, कुलसचिव डॉ. राजीव रंजन सिन्हा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जयकुमार शाह सहित अन्य अधिकारियों ने अपने विचार रखे और स्वर्गीय शिबू सोरेन को नमन किया। वक्ताओं ने झारखंड आंदोलन के ऐतिहासिक क्षणों को साझा किया और कहा कि शिबू सोरेन का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा।श्रद्धांजलि सभा में विश्वविद्यालय के तमाम पदाधिकारी, विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभा का समापन शांति और एकजुटता के संकल्प के साथ किया गया। इसकी जानकारी विवि के जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉ दीपक दास ने दिया।

दिसोम गुरु स्व शिबू सोरेन एक महान विभूति एवं जनजन के नेता थे : महेन्द्र राजहंस

दुमका:गरीबों के मसीहा दिसोम गुरु स्व शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका में एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ दिलीप कुमार झा के नेतृत्व में एनसीसी कैडेटों द्वारा बुधवार को एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा मे स्व शिबू सोरेन के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने कहा कि दिसोम गुरु स्व शिबू सोरेन एक महान विभूति एवं जनजन के नेता थे। श्री राजहंस ने कहा कि उनके आकस्मिक निधन से पूरा राज्य मर्माहत है। कहा कि दिसोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन से झारखण्ड के एक अभिभावक एवं राजनीति के एक महान पुरोधा एवं अधार स्तंभ का अंत हो गया है।एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ दिलीप कुमार झा ने दिसोम गुरु स्व शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दिसोम गुरु स्व शिबू सोरेन झारखण्ड वासियों के लिए एक मसीहा थे। डॉ झा ने कहा कि झारखण्ड के गठन एवं उसके नवनिर्माण में दिसोम गुरु स्व शिबू सोरेन की महत्वपूर्ण योगदान रहा है, उनके योगदान को झारखण्डवासी भूल नही सकते। डॉ झा ने कहा कि गुरु जी शिबू नही आंधी थे और झारखंड के गाँधी थे। कहा कि गुरु जी हमारे बीच नही है लेकिन वे अमर रहकर हर झारखण्ड वासियों के दील में रहेंगे। डॉ झा ने कहा कि भारत सरकार को दिसोम गुरु को भारत रत्न से सम्मानित करना चाहिए।श्रद्धांजलि सभा मे उपस्थित विद्यालय के शिक्षक संजय कुमार सिन्हा, प्रकाश कुमार घोष एवं पवन कुमार,भारत स्काउट एवं गाइड के अपरेश कुमार एवं अनुराग नन्दन के अलावे सभी एनसीसी कैडेटों ने दिसोम गुरु के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनको नमन किया।

आराध्या झा ने नृत्य में किया शानदार प्रदर्शन

दुमका : सिदो कान्हू हाई स्कूल की कक्षा यूकेजी की आराध्या झा को 3 अगस्त को आसनसोल में नटराज फाउंडेशन द्वारा आयोजित नृत्य प्रतिभा सम्मेलन, रवींद्र भवन ऑडिटोरियम आसनसोल (पश्चिम बंगाल) में उनके एकल नृत्य प्रदर्शन और समूह नृत्य प्रदर्शन के लिए मोमेंटो और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम के लिए विभिन्न स्थानों से विभिन्न प्रतिभागियों ने भाग लिया। आराध्या झा के प्रदर्शन को दर्शकों ने बहुत सराहा और सराहा। दुमका, आसनसोल, बर्नपुर आदि कार्यक्रमों के लिए 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। यह कार्यक्रम विभिन्न नृत्य कक्षाओं द्वारा आयोजित किया गया था और यह उत्साह से भरा था। आराध्या झा के पिता अमित झा और माता प्रियांशु केशरी आसनसोल में पूरे कार्यक्रम के लिए मौजूद थे।

तिरंगा हमारे राष्ट्रीय गौरव और एकता का प्रतीक हैः बालमुकुंद सहाय

दुमका:भारतीय जनता पार्टी दुमका जिला इकाई द्वारा हर घर तिरंगा – तिरंगा यात्रा 2025 अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण जिला कार्यशाला का आयोजन अग्रसेन भवन, दुमका में जिलाध्यक्ष गौरवकांत के अध्यक्षता में संपन्न हुआ।इस कार्यशाला में बतौर प्रभारी भाजपा झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि "तिरंगा हमारे राष्ट्रीय गौरव और एकता का प्रतीक है, हर घर तिरंगा अभियान सिर्फ झंडा लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनजागरण और राष्ट्रभक्ति का पर्व है। हमें इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाना है। सहाय ने कार्यकर्ताओं को तिरंगा यात्रा के विभिन्न आयामों और क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जिला, मंडल और बूथ स्तर पर जिम्मेदारियों का निर्धारण करते हुए सभी कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गौरवकांत ने भी कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाया जा रहा यह अभियान आने वाली पीढ़ियों में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करेगा।कार्यशाला में जिला प्रभारी संजीव जजवाडे प्रदेश कार्य समिति सदस्य निवास मंडल, परितोष सोरेन,सुरेश मुर्मू,अमिता रक्षित, कार्यक्रम के जिला संयोजक मनोज पांडे,ममता शाह,रूपेश मंडल जिले के सभी प्रदेश पदाधिकारी,जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी, बूथ प्रमुख, मोर्चा के अध्यक्ष,पदाधिकारी,सोशल मीडिया एवं आई.टी. टीम के सदस्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

अधिकारियों के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले 29 शिक्षक लापरवाह शिक्षकों को जारी किया गया नोटिस

संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर काटा जाएगा वेतन

बालाघाट (ईएमएस). कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा जिले की शालाओं में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए अन्य विभागों के अधिकारियों को शालाओ का आवंटन कर उनका निरीक्षण करने के निर्देश दिये गए है। अधिकारियों द्वारा किये गए निरीक्षण के दौरान 29 शिक्षक अनुपस्थित पाये गए है। इन शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है कि क्यों न उनका अनुपस्थित अवधि का वेतन काटने की कार्यवाही की जाए। इन शिक्षकों को 3 दिनों के भीतर अपना स्पष्टिकरण शाला के प्रधान पाठक या प्राचार्य के माध्यम से प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर एक पक्षीय कार्यवाही कर इन शिक्षकों का अनुपस्थित अवधि का वेतन काटने की कार्यवाही की जाएगी।डीईओ उपाध्याय ने बताया कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा 21 से 31 जुलाई तक 1549 शालाओं का निरीक्षण किया गया है और निरीक्षण के उपरांत गुगल सीट में विद्यालय में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन, पेयजल, शौचालय, पाठ्य पुस्तक वितरण की जानकारी, जियो टैग फोटोग्राफ के माध्यम से भरी जा रही है। गुगल सीट में दी गई जानकारी के अनुसार अनुपस्थित पाये गए 29 शिक्षकों को एक दिन का वेतन काटने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इन विद्यालयों के शिक्षक मिले अनुपस्थित

अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान लालबर्रा विकासखंड के अंतर्गत माध्यमिक शाला कटंगा के प्राथमिक शिक्षक रामसिंह उइके, किरनापुर विकासखंड के अंतर्गत ईजीएस शाला मोहगांव कला के प्राथमिक शिक्षक जीवनलाल ठाकरे, प्राथमिक शाला बटरमारा के शिक्षक शिवराम मेश्राम, प्राथमिक शाला तेंदुटोला के शिक्षक उस्मान बेग मिर्जा, प्राथमिक शाला कोठियाटोला कसंगी के शिक्षक योगराज फासे, राधेश्याम सोनकुसरे, प्राथमिक शाला गुलवा की शिक्षक सरस्वती ग्वालवंशी, प्राथमिक शाला कसंगी के शिक्षक अकल सिंह सरोते, प्राथमिक शाला कन्हारटोला की शिक्षक आनंदा रंगारे, प्राथमिक शाला लालाटोला भालवा के शिक्षक उत्तम उके एवं विकासखंड बालाघाट के अंतर्गत एकीकृत शाला घुसीटोला के शिक्षक लखनलाल भलावी, दिप्ती कोल्हे, प्राथमिक शाला तिवड़ीकला के शिक्षक बसंतराव वासनिक अनुपस्थित पाये गए है। इसी प्रकार लांजी विकासखंड के अंतर्गत प्राथमिक शाला संदूका के शिक्षक संतोष मरावी, प्राथमिक शाला सायर के शिक्षक अखिलेश घोरमारे, प्राथमिक शाला आवासटोली दहेगांव के शिक्षक मोरीराम मलगाम, प्राथमिक शाला गोंडीटोला पाथरगांव के शिक्षक निलेश्वर एड़े, प्राथमिक शाला कंसुली की शिक्षक नीतू तोमर, विकासखंड वारासिवनी के अंतर्गत प्राथमिक शाला नदीटोला बुदबुदा के शिक्षक प्रेमचंद राहंगडाले, माध्यमिक शाला बोटेझरी की शिक्षक पवित्रा उके, प्राथमिक शाला आमगांव के शिक्षक भेजनलाल कावरे, प्राथमिक शाला बिठली के शिक्षक शिवचरण बिसेन, विकासखंड खैरलांजी के अंतर्गत प्राथमिक शाला टेमनी के शिक्षक श्यामराव टेकाम, प्राथमिक शाला मरारीटोला के शिक्षक सुरेश बारेवार, माध्यमिक शाला पांजरा के शिक्षक भीमप्रकाश लांजेवार, माध्यमिक शाला साकडी की शिक्षक नियती संभरकर एवं विकासखंड कटंगी के अंतर्गत माध्यमिक शाला आगरी की शिक्षक अनिता दूबे, प्राथमिक शाला आदिवासी टोला बम्हनी के शिक्षक कोमलचंद गभने, प्राथमिक शाला सिंगोड़ी के शिक्षक नंदकिशोर ठाकरे निरीक्षण में अनुपस्थित पाये गए है।

झारखण्ड सरकार
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गिरिडीह।
ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
(प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना)

ई–निविदा प्रसंग सं० :– **RCD/GIRIDIH/870/ 2025-26**
दिनांक :– **06.08.2025**

1.	कार्य का नाम	गिरिडीह–जमुआ (**SH-13**) पथ के कि0मी 7.0 से 35.0 तक साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2025–26
2.	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	रू0 1,00,00,000.00 (एक करोड़ रूपये) मात्र
3.	कार्य समाप्ति की अवधि	03 (तीन) माह
4.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	28. 08. 2025 12:00 बजे दिन तक
5.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि एवं समय	07. 08 . 2025 10:30 बजे पूर्वाह्न
6.	निविदा आमंत्रित करने वाले का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता , पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गिरिडीह।
7.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क नं०	06532– 227054
8.	ई–प्रोक्योरमेट सेल का हेल्प लाईन नं०	0651 – 2401010

नोट :– प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।
अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाईट पर देखें
:– **http://jharkhandtenders.gov.in**

PR 358970
Road(25-26)D
कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल,गिरिडीह।

पूर्व मध्य रेल
ई–नीलामी सूचना
धनबाद मंडल दिनांक 04.08.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक), पूर्व मध्य रेल धनबाद, अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट www.IREPS.gov.in के माध्यम से IREPS पोर्टल पर ओपन ई–नीलामी आमंत्रित करते हैं। विवरण निम्नानुसार हैः– **i. क्र.सं.:** 1 **ii. ई–नीलामी सूचीः** हाइब्रिड एनएफआर **iii. ई–नीलामी सूची सं.:** एनएफआर–डीएचएन–2–25 **iv. ई– नीलामी प्रारंभ होने का निर्धारित दिन और समय का विवरणः** 18.08.2025 13:00 बजे से। **v. कार्य का विवरण एवं स्टेशन का नामः** (क) राजधानी, शताब्दी, वंदे भारत, दुरंतो और इसी तरह की विशेष ट्रेनों को छोड़कर सभी यात्री ट्रेनों (अर्थात सुपरफास्ट, मेल एक्सप्रेस, साधारण और मेमू) में विभिन्न विविध वस्तुओं (खाद्य और पैकेज्ड पेयजल (पीडीडब्ल्यू) आइटम को छोड़कर) की बिक्री के लिए धनबाद डिवीजन के बरकाकाना–सिंगरौली सेक्शन के बीच तीन साल की अवधि के लिए निविदा। (ख) राजधानी, शताब्दी, वंदे भारत, दुरंतो और इसी तरह की विशेष ट्रेनों को छोड़कर सभी यात्री ट्रेनों (अर्थात सुपरफास्ट, मेल एक्सप्रेस, साधारण और मेमू) में विभिन्न विविध वस्तुओं (खाद्य और पैकेज्ड पेयजल (पीडीडब्ल्यू) आइटम को छोड़कर) की बिक्री के लिए धनबाद डिवीजन के धनबाद–गया सेक्शन (गया स्टेशन को छोड़कर) के बीच तीन साल की अवधि के लिए निविदा। (ग) राजधानी, शताब्दी, वंदे भारत, दुरंतो और इसी तरह की विशेष ट्रेनों को छोड़कर सभी यात्री ट्रेनों (अर्थात सुपरफास्ट, मेल एक्सप्रेस, साधारण और मेमू) में विभिन्न विविध वस्तुओं (खाद्य और पैकेज्ड पेयजल (पीडीडब्ल्यू) आइटम को छोड़कर) की बिक्री के लिए धनबाद डिवीजन के धनबाद–चन्द्रपुरा–बरकाकाना/गोमो–चन्द्रपुरा–बरकाकाना सेक्शन (न्यू गिरिडीह–हजारीबाग टाउन–बरकाकाना–मेसरा–राँची (राँची स्टेशन को छोड़कर) भी शामिल है) के बीच तीन साल की अवधि के लिए निविदा। सभी संभावित बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे पूर्ण विवरण के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें और उपर्युक्त ई. नीलामी में कॉलम संख्या iv में दिए गए कार्यक्रम के अनुसार भाग लें। रेल प्रशासन के पास किसी / समस्त प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
स०वा०प्र०
कृते मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
पूर्व मध्य रेल/धनबाद
पीआर/0727/डीएचएन/वाणि./ई–एयूसी/25–26/56

उर्वरक के नमूने जांच में पाए गए अमानक, अमानक लॉट वाले उर्वरक के क्रय, विक्रय व भंडारण पर लगाया प्रतिबंध

बालाघाट (ईएमएस) . उपसंचालक कृषि एवं अधिसूचित प्राधिकारी फूलसिंह मालवीय ने मॉ अम्बे कृषि केंद्र रजेगांव से लिये गए सरदार एग्रो फर्टीलाईजर कंपनी गुजरात के सिंगल सुपर फास्फेट के नमूने एवं आदिमजाति सेवा सहकारी समिति बिठली से कृष्णा फोस्केम लिमिटेड मेघनगर झाबुआ द्वारा निर्मित 20:20:00:13 उर्वरक के नमूने प्रयोगशाला जांच में अमानक पाए गए है। जिसके कारण उसके अमानक लॉट वाले उर्वरक के क्रय-विक्रय व भंडारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही उर्वरक निर्माता कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।मॉ अम्बे कृषि सेवा केंद्र रजेगांव से 10 जुलाई को सरदार एग्रो फर्टीलाईजर कंपनी गुजरात के बेच क्रमांक जेड-005 के सिंगल सुपर फास्फेट के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए थे। प्रयोगशाला जांच में यह नमूने अमानक पाए गए है।

कचरा पेटी लगाने के नाम पर जनपद पंचायत में किया गया भ्रष्टाचार

बालाघाट (ईएमएस). जिला मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में मोहन डोंगरवार ने कचरा पेटी लगाने के नाम पर जनपद पंचायत कटंगी द्वारा भ्रष्टाचार किए जाने की शिकायत की है। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारी-कर्मचारी पर कार्यवाही की मांग की है।ग्रामीण मोहन डोंगरवार ने बताया कि वर्ष 2021-22 में जनपद पंचायत कटंगी द्वारा 15वॉ वित्त की राशि से सामुदायिक कचरा पेटी लगाने के लिए ग्राम पंचायत तिरोड़ी को 7 लाख रुपये, खमरिया को 7 लाख 10 हजार रुपये, बनेरा को 6 लाख 50 हजार रुपये एवं ग्राम पंचायत कटेदरा को 6 लाख रुपये की राशि देने का प्रस्ताव पारित किया गया था। लेकिन ग्राम पंचायत खमरिया एवं तिरोड़ी में 3 साल बाद भी सामुदायिक कचरा पेटी स्थापित नही की गई है। ग्राम पंचायत खमरिया एवं तिरोड़ी में 14 लाख 10 हजार रुपये की कचरा पेटी रखे-रखे खराब होने की स्थिति में आ गई है। ग्राम पंचायत तिरोड़ी का कहना है कि इस कार्य के लिए उसे कोई राशि आवंटित नही की गई है। वह कचरा पेटी स्थापित करने में सक्षम नहीं है। जनपद पंचायत द्वारा ग्राम पंचायतों को यह राशि आवंटित करना था लेकिन तत्कालीन जनपद सीईओ ने नियम विरूद्ध अपने कार्यालय से ही निविदा बुलाकर कचरा पेटी 7628 रुपये प्रति नग की।

मौसम की चुनौतियों के बीच ग्राउंड जीरो पर पहुंचे मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रेस्क्यू अभियान की ले रहे नियमित अपडेट

देहरादून (ईएमएस)। मौसम की तमाम चुनौतियों तथा विषम परिस्थितियों की परवाह न करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को धराली में ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर, हर संभव सहायता का भरोसा दिलाते हुए, राहत कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे कर्मियों से भी भेंट की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राहत सामग्री समयबद्ध तरीके से प्रभावितों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों को गति देने के उद्देश्य से दो हेलीकॉप्टरों के माध्यम से आवश्यक खाद्य और राहत सामग्री धराली क्षेत्र में पहुंचाई गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक राहत पहुंचाते हुए, सामान्य स्थिति बहाल करना है। आपदा ग्रस्त धराली (उत्तरकाशी) में राहत एवं बचाव अभियान में केंद्र के साथ ही राज्य की एजेंसियां भी युद्धस्तर पर जुटी हुई हैं। माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मौसम की चुनौतियों के बावजूद, आपदा ग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की है। बुधवार को हेलीकॉप्टर की 07 सार्टी हुईं। सबसे पहली सार्टी में माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। घटना के बाद बुधवार को ग्राउंड जीरो पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे। माननीय मुख्यमंत्री के ग्राउंड जीरो पर पहुंचते ही प्रभावितों का दर्द और आंसू छलक उठे। कई लोग माननीय मुख्यमंत्री से लिपटकर रोने लगे। माननीय मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं और राज्य सरकार के स्तर पर राहत व बचाव कार्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में पूरी राज्य सरकार धराली के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य संचालित किए जा रहे हैं। सभी महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारियों को 24ग7 मोड पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में शासन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा राहत और बचाव कार्यों की निगरानी की जा रही है। हर एक व्यक्ति की जान कीमती है और इस दिशा में राज्य सरकार द्वारा कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बुधवार प्रातः मा0 मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बातचीत कर धराली क्षेत्र में हुई प्राकृतिक आपदा और इसके बाद चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। माननीय मुख्यमंत्री ने मा0 प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य सरकार राहत और बचाव कार्यों में पूरी तत्परता के साथ जुटी हुई है। लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण कुछ क्षेत्रों में कठिनाइयां आ रही हैं, लेकिन सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं ताकि प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता मिल सके। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।देहरादून। इस पूरे रेस्क्यू अभियान में यूकाडा के हेलीकॉप्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मौसम की चुनौतियों के बीच बुधवार को यूकाडा के हेलीकॉप्टरों की कुल 07 सार्टी हुईं।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद
मोबाईल नं0 : 7061981397
Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांकः–628 धनबाद/दिनांक–06.08.2025

कार्यालय आदेश

इस कार्यालय के पत्रांक 581 दिनांक 17.07.2025 के द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना सं0– 13/2025-26/RDSD/EE/Dhanbad/2nd Call का शुद्धि पत्र जिसका PR No. 357598 Rural Development (25-26)_D में प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणवशं अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है।

PR 359014 Rural Development(25-26)#D
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, धनबाद
मोबाईल नं0 : 7061981397
Email : rdsd.dhanbad@rediffmail.com

पत्रांकः–627 धनबाद/दिनांक–06.08.2025

कार्यालय आदेश

इस कार्यालय के पत्रांक 583 दिनांक 17.07.2025 के द्वारा आमंत्रित अति अल्पकालीन निविदा सूचना सं0– 14/2025-26/RDSD/EE/Dhanbad/3rd Call जिसका PR No. 357593 (Rural Development) 25-26 (D) में प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणवशं अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद

PR 359010 Rural Development(25-26).D

संक्षिप्त ख़बरें

08 अगस्त से 20 नवंबर तक आनंद विहार और पटना के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर, (ईएमएस)। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर आनंद विहार और पटना के मध्य प्रयागराज-वाराणसी-गाजीपुर सिटी-छपरा-पाटलिपुत्र के रास्ते एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन 04090/04089 स्पेशल के 105 फेरे चलाए जाएंगे। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार विवरण निम्नानुसार है गाड़ी सं. 04090 आनंद विहार-पटना स्पेशल दिनांक 08 अगस्त से 20 नवंबर तक प्रतिदिन आनंद विहार से 14.25 बजे खुलकर 21.30 बजे कानपुर सेंट्रल, अगले दिन 00.20 बजे प्रयागराज, 03.10 बजे वाराणसी, 04.55 बजे गाजीपुर सिटी, 05.55 बजे बलिया, 06.20 बजे सहतवार, 06.45 बजे सुरेमनपुर, 08.05 बजे छपरा एवं 10.10 बजे पाटलिपुत्र रूकते हुए 11.00 बजे पटना जं. पहुंचेगी।गाड़ी सं. 04089 पटना-आनंद विहार स्पेशल दिनांक 09 अगस्त से 21 नवंबर तक प्रतिदिन पटना जं से 18.20 बजे खुलकर 18.50 बजे पाटलिपुत्र, 21.05 बजे छपरा, 21.45 बजे सुरेमनपुर, 22.11 बजे सहतवार, 22.35 बजे बलिया, 23.35 बजे गाजीपुर सिटी, अगले दिन 01.45 बजे वाराणसी, 04.35 बजे प्रयागराज, 07.50 बजे कानपुर सेंट्रल रूकते हुए 14.50 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।इस स्पेशल में द्वितीय सह तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 02 कोच, शयनयान श्रेणी के 12 कोच तथा साधारण श्रेणी के 04 कोच एवं एसएलआर के 02 कोच सहित कुल 22 कोच होंगे।

चुनाव आयोग के मंशा पर सवाल, आखिर मांगा गया ब्योरा देने में चुनाव आयोग को क्या है परेशानी : राजद

पटना, (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने चुनाव आयोग के मंशा पर सवाल उठाते हुए जानना चाहा है कि वह कौन सा कारण है जिसकी वजह से बार-बार आग्रह करने के बाद भी मतदाता प्रारुप से हटाए गए मतदाताओं की सूची श्रेणीवार (कैटगरी वाइज) नहीं दिया जा रहा है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि 1 अगस्त 2025 को प्रकाशित प्रारुप निर्वाचक सूची में जब लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं और श्रेणीवार उनकी संख्या भी बताई है तो श्रेणीवार मतदाता केन्द्र सहित उनका नाम चुनाव आयोग क्यों नहीं बता रही है ? यह उपलब्ध हो जाने पर प्रमाणिक रूप से उसका सत्यापन हो पाएगा। चुनाव आयोग जिस सूची के बारे में राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराने की बात कह रही है वह तो भेग है जिसमें नाम विलोपित करने का कारण हीं नहीं बताया गया है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि 1 अगस्त 2025 को इंडिया गठबंधन की ओर से बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को दिए गए ज्ञापन में भी यह मांग की गई थी। पूर्व में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने भी बिहार के सीईओ से मिलकर यह मांग रखी थी, प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भी तेजस्वी जी ने यह मांग की थी। कल 5 अगस्त को राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल द्वारा भी सीईओ को पत्र (पत्रांक 170- 15.8.25) लिखकर इस मांग को दोहराया था कि चुनाव आयोग श्रेणीवार यह बताए कि किनका नाम मृत के आधार पर, किनका नाम विस्थापित के आधार पर , किनका नाम डबलिंग के नाम पर और किन नामों का कोई अता-पता नहीं है के आधार पर विलोपित किया गया है। इस पत्र के संदर्भ में चुनाव आयोग द्वारा आज भेजे गए पत्र (B1-3-45/2025-2886 दिनांक 6.8.25) में भी इसका जवाब न देकर केवल पुरानी बातों को हीं दोहराया गया है।राजद प्रवक्ता ने कहा कि चुनाव आयोग से यह भी मांग की गई थी कि जिन मतदाताओं के नाम प्रारुप में शामिल हैं उनमें कितनों ने वांछित दस्तावेज जमा किए हैं। साथ हीं चुनाव आयोग जो प्रतिदिन बुलेटिन जारी करती है उसमें भी इसका उल्लेख होना चाहिए कि कितने लोगों ने दस्तावेज जमा करवाए। राजद प्रवक्ता ने कहा कि चुनाव आयोग का जो रवैया है उससे तो यही लगता है कि 65 लाख के अलावा अभी डेढ़ से दो करोड़ मतदाताओं के नाम दस्तावेज नहीं जमा करवा पाने के कारण प्रकाशित प्रारुप मतदाता सूची से विलोपित कर दिए जाएंगे और ऊपर से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम जोड़े भी जाएंगे।

वेस्ट टू वंडर थीम और गौरव पार्क का सीएम नीतीश ने किया शिलान्यास

पार्क में ठोस अपशिष्ट पदार्थों से कलात्मक स्मारकों का किया जाएगा निर्माण

पटना,(ईएमएस)। पटना के बांस घाट में बुधवार को सीएम नीतीश कुमार ने वेस्ट टू वंडर थीम पार्क और राजेंद्र प्रसाद बिहार गौरव पार्क का शिलान्यास किया। दोनों प्रोजेक्ट का उद्देश्य राज्य के पर्यटन और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देना है। वेस्ट टू वंडर थीम पार्क को 10 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा। इसकी अनुमानित लागत 15 करोड़ रुपए बताई जा रही है।जानकारी के मुताबिक पार्क में ठोस अपशिष्ट पदार्थों से कलात्मक स्मारकों का निर्माण किया जाएगा। यहां बिहार की समृद्ध कला, संस्कृति, इतिहास, और राज्य की महान विभूतियों को प्रदर्शित करने वाली मूर्तियां और संरचनाएं स्थापित की जाएंगी। इस पार्क की खासियत है कि यहां दुनिया के सात अजूबे एफिल टावर, ताजमहल, स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी जैसे आकृतियां बनाई जाएंगी। यह प्रोजेक्ट पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा देगा।सीएम नीतीश कुमार ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद बिहार गौरव पार्क की आधारशिला रखी। यह पार्क भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की स्मृति को समर्पित है और यहां उनकी 65 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा भी लगाई जाएगी। पार्क में उनकी जीवन यात्रा, स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका और उनके द्वारा किए गए राष्ट्रनिर्माण कार्यों को भव्य रूप में पेश किया जाएगा। इसके साथ ही बिहार के अन्य महान विभूतियों को भी इस पार्क में स्थान दिया जाएगा।बांस घाट क्षेत्र में यह पहल पटना को एक नए पहचान दिलाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। राज्य सरकार की कोशिशें संकेत दे रही हैं कि बिहार अब आधुनिकता और विरासत दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहता है। शिलान्यास के दौरान सीएम नीतीश, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा भी मौजूद थे।

पुलिस की पिस्टल छीनकर भागने वाले बदमाश रोशन का हॉफ एनकाउंटर

पटना,(ईएमएस)। पटना के फुलवारी शरीफ में हत्या के आरोपी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने मंगलवार रात जहानाबाद के कुख्यात अपराधी रोशन शर्मा को गिरफ्तार कर थाने ला रही थी। इस दौरान बदमाश पुलिस की पिस्टल छीनकर भागने लगा। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना तो पुलिस ने उस पर गोली चला दी। घायल रोशन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।पुलिस ने बदमाश रोशन शर्मा की निशानदेही पर 4 देसी कट्टे, एक पिस्टल, करीब 100 कारतूस और 1.67 लाख रुपए बरामद किए। पुलिस उसे लेकर उसके साथी हरेंद्र उर्फ कक्कू की तलाश में कुरकुरी गांव जा रही थी। इस दौरान वह पुलिस कस्टडी से भागने लगा। पटना एसएसपी ने बताया कि रोशन के खिलाफ हत्या समेत डेढ़ दर्ज से ज्यादा मामले दर्ज है। इसमें हत्या, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट के मामले हैं। रोशन शर्मा पटना के रामकृष्ण नगर स्थित बस स्टैंड में एक हत्या मामले में भी आरोपी है।

जमुई में एक दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन उल्लू मिला, कीमत लाखों में

जमुई,(ईएमएस)। जमुई में एक दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन उल्लू मिला है, जिसकी कीमत लाखों में आंकी गई है। यह घटना लक्ष्मीपुर प्रखंड के सोनदीपी गांव में हुई, जहाँ एक परिवार को रात में अपने घर में यह उल्लू मिला। करीब दो बजे विकास कुमार यादव अपने घर के बरामदे में सो रहे थे, जब उन्हें खाट के नीचे से डरावनी आवाज और फड़फड़ाहट सुनाई दी। उन्होंने परिवार के सदस्यों को जगाकर रोशनी करके देखा, खाट के नीचे एक ब्राउन रंग का उल्लू मिला। परिवार ने सावधानीपूर्वक उल्लू को पकड़ा और एक कमरे में बंद कर दिया ताकि वह सुरक्षित रहे। पूरी रात परिवार के लोग जागकर उसकी निगरानी करते रहे। सुबह यह खबर पूरे गांव में फैल गई और लोग उल्लू को देखने के लिए इकट्ठा हो गए। विकास ने उल्लू को सुरक्षित रखने के लिए उसके एक पैर में रस्सी बांधी और वन विभाग को सूचना दी। मंगलवार दोपहर को वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उल्लू को अपने कब्जे में लिया। वन आरक्षी नीलू पासवान ने बताया कि यह उल्लू दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन आउल है, जो भारत में कम ही पाया जाता है। यह उल्लू अभी बच्चा है और इसका वजन लगभग 700 ग्राम है। अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में इसकी कीमत लाखों रुपये तक हो सकती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल मां जानकी की पुण्य जन्मस्थली पुनौरा धाम पहुंचे, की पूजा अर्चना

भव्य और दिव्य माता जानकी मंदिर की आठ अगस्त को रखी जाएगी आधारशिला

भूमि पूजन कार्यक्रम में भाग लेंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, (ईएमएस)। बिहार के सीतामढ़ी जिले की पावन और पौराणिक धरा पुनौरा धाम में भव्य और दिव्य माता जानकी मंदिर निर्माण की आठ अगस्त को आधारशिला रखी जाएगी। मां जानकी की पुण्य जन्मस्थली पुनौरा धाम में भव्य मंदिर निर्माण के भूमि पूजन कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी भाग लेंगे। आगामी 8 अगस्त को आयोजित होने वाले माता सीता जी के भव्य, दिव्य एवं सांस्कृतिक रूप से ऐतिहासिक मंदिर के शिलान्यास एवं भूमि पूजन कार्यक्रम की तैयारी को लेकर आज पुनौरा धाम मंदिर के प्रांगण में आज एनडीए कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने भी शिरकत की और पूरी तैयारियों की जानकारी प्राप्त की।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को इस धार्मिक एवं गौरवपूर्ण आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु आमंत्रित किया। इस मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को अक्षत कलश वितरण कर आम जनमानस को इस पावन अवसर का सहभागी बनने का आह्वान किया। इससे पहले उन्होंने मां जानकी की पुण्य जन्मस्थली के दर्शन कर पूजा अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि जनकनन्दिनी की पावन धरा में उपस्थित होकर आत्मा एक विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित हो उठी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को लेकर सीतामढ़ी और आसपास के क्षेत्रों में धार्मिक उत्साह चरम पर है। भाजपा कार्यकर्ता 'जय-जय सीताराम चलो पुनौरा धाम' के जयघोष के साथ घर-घर जाकर अक्षत वितरण कर रहे हैं और लोगों को शिलान्यास समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी ऐतिहासिक साबित होने की उम्मीद है।भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि इस ऐतिहासिक आयोजन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा बिहार के नीतीश कुमार, केंद्रीय और राज्य मंत्रियों, साधु-संतों और हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति होगी। उन्होंने कहा कि पुनौरा धाम में बनने वाला मां जानकी मंदिर न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का धार्मिक तीर्थस्थल होगा। मंदिर परिसर में धर्मशालाएं, धार्मिक संग्रहालय, यात्री सुविधाएं और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाले संसाधन भी विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भव्य और दिव्य भगवान श्रीराम मंदिर के तर्ज पर माँ जानकी का मंदिर निर्माण किया जाएगा। इससे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल सीतामढ़ी पहुंचने पर सांसद देवेश चंद्र ठाकुर के आवास पर पहुंचे, जहां उनका कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

ससुर ने मारी दामाद को गोली, दरभंगा मेडिकल कॉलेज में घुसकर नर्सिंग छात्र की हत्या

दरभंगा, (ईएमएस)। बिहार के दरभंगा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल (डीएमसीएच) में एक छात्र की हॉस्टल के मुख्य गेट पर हत्या कर दी गई है। बताया जा रहा है कि मृतक छात्र को उसके ही ससुर प्रेमशंकर झा ने गोली मारकर हत्या की है। आरोपी ससुर बेटी से लव मैरिज (अंतरजातीय विवाह) करने पर नाराज था। उधर मौके पर मौजूद नर्सिंग के छात्रों ने आरोपी ससुर को पकड़कर बेरहमी से पिटाई कर दी। प्राप्त खबर के अनुसार मृतक छात्र का नाम राहुल कुमार है और वह मधेपुरा जिला का निवासी था। राहुल कुमार दरभंगा मेडिकल कॉलेज में बीएससी नर्सिंग के सेकेंड सेमेस्टर का छात्र था। इसी बीच राहुल कुमार का कॉलेज में फर्स्ट सेमेस्टर में पढ़ने वाली एक छात्रा के साथ प्रेम प्रसंग चलने लगा। कुछ दिन पहले राहुल कुमार और उक्त लड़की ने अंतरजातीय विवाह कर लिया था। अंतरजातीय विवाह से लड़की के पिता नाराज थे। मंगलवार को कॉलेज के गेट पर नाराज लड़की का पिता प्रेमशंकर झा दोपहर 2 बजे से इंतजार कर रहा था। जब छुट्टी हुई तो राहुल कुमार और उसकी पत्नी दोनों साथ बाहर निकले, तभी लड़की के पिता ने राहुल की गोली मारकर हत्या कर दी। कॉलेज से निकल रहें छात्रों ने गोली की आवाज सुनते ही गोली मारकर भाग रहे आरोपी ससुर को पकड़कर जमकर पिटाई की।

नीतीश सरकार के जन-कल्याणकारी फैसलों से समाज के हर वर्ग को मिलेगा सीधा लाभ : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, (ईएमएस)। बिहार जनता दल (यू0) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा लिए गए हालिया फैसलों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ये निर्णय सुशासन की प्रतिबद्धता और जनहित के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि इन फैसलों से गरीब, किसान, युवा, महिला, श्रमिक और कर्मचारी सहित हर वर्ग के जीवन में नया भरोसा, राहत और स्थायित्व आएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्णय के अनुसार 1 अगस्त 2025 से राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह 125 यूनिट बिजली निःशुल्क प्रदान की जा रही है, जिससे लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को सीधी आर्थिक राहत मिलेगी। वहीं, 2025 से 2030 तक एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी एवं स्वरोजगार से जोड़ने का संकल्प राज्य के युवाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। इसके अतिरिक्त, युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने हेतु "जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय" की स्थापना की जाएगी, जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और व्यापक रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। साथ ही, शिक्षकों की बहाली में डोमिसाइल नीति का निर्णय राज्य के युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोलेगा। श्री कुशवाहा ने यह भी कहा कि नीतीश सरकार द्वारा लिए गए अन्य निर्णयों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत वृद्धजन, दिव्यांगजन और विधवा महिलाओं को मिलने वाली राशि 400 रूपये से बढ़ाकर 1100 रूपये, आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय 1000 रूपये से बढ़ाकर 3000 रूपये, ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव प्रोत्साहन राशि 300 रूपये से बढ़ाकर 600 रूपये, मध्याह्न भोजन योजना की रसोइयों का मानदेय 1650 रूपये से बढ़ाकर 3300 रूपये, रात्रि प्रहरियों का मानदेय 5000 रूपये से बढ़ाकर 10000 रूपये तथा शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशकों का मानदेय 8000 रूपये से बढ़ाकर 16000 रूपये कर दिया गया है। साथ ही, पत्रकारों की पेंशन राशि 6000 रूपये से बढ़ाकर 15000 रूपये तथा उनके आश्रितों को 10000 रूपये प्रतिमाह देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने समाज के उस वर्ग को हमेशा प्राथमिकता दी है, जो वर्षों से हाशिए पर रहा है। सफाईकर्मियों के अधिकार, सुरक्षा और पुनर्वास हेतु "बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग" का गठन कर एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। आगे उन्होंने कहा कि ये सभी फैसले नीतीश कुमार की संवेदनशीलता और दूरदर्शी नेतृत्व का परिचायक हैं।

JHARIA REHABILITATION AND DEVELOPMENT AUTHORITY, DHANBAD

e-Procurement Notice

Tender Reference No: JRDA/CIVIL/25-26/12/516

Date: 24.07.2025

1.	Name of Work	Cleaning of Drain, Septic tank and Area Cleaning for Phase-II and Phase- III at Belgaria Township, Dhanbad
2.	Estimated Cost	Rs. 29,18,668.00
3.	EMD	Rs. 58,400.00
4.	Tender Document Cost	Rs. 5000.00
5.	Time of Completion	02 months
6.	Date/Time from which bid is available for online bidding	01.08.2025 at 03:00 PM
7.	Last Date/Time for on-line submission of bids	15.08.2025 at 5:00 PM
8.	Date and Time of Bid Opening	18.08.2025 at 11:30 AM
9.	Name and Address of Officer inviting tender	Head of Department (Civil), JRDA, Dhanbad HatiaMore,Golf GroundRoad,Hirapur, Dhanbad -826001 Jharkhand, India Email: infojrda.dhn@gmail.com

Note : 1. Only e-tenders will be accepted.
2. Further details can be seen on website – https://jharkhandtenders.gov.in

PR 358925 Rural Development(25-26).D

Head of Department (Civil), JRDA, Dhanbad

पुनौराधाम के ऐतिहासिक विकास का संकल्प, नीतीश सरकार की समावेशी कार्य संस्कृति का प्रतीक : जदयू

पटना, (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने राज्य की धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक और ऐतिहासिक पहल की है। यह बात जद (यू0) प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा एवं पार्टी मीडिया पैनलिस्ट किशोर कुणाल ने एक संयुक्त प्रेस बयान जारी करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि माता सीता की जन्मस्थली पुनौराधाम, सीतामढ़ी के समग्र विकास की महत्वाकांक्षी योजना न केवल करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान है, बल्कि यह सांस्कृतिक चेतना और धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाई देने का माध्यम भी बनेगी।पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि पुनौराधाम मंदिर परिसर के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा 50 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिसके लिए 165 करोड़ 57 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह अधिग्रहण कार्य परियोजना की आधारशिला है, जिसके माध्यम से क्षेत्र का सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित किया जाएगा।इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पुनौराधाम के लिए 882 करोड़ 87 लाख रुपये की एक वृहद योजना को भी स्वीकृति दी गई है। इस योजना के अंतर्गत मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक सुविधाएं, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाली आधारभूत संरचना का निर्माण और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने जैसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।यह योजना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शिता, दृढ़ संकल्प और जनभावनाओं के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह विकास कार्य केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि बिहार के सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक चेतना के पुनरुत्थान की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार केवल वादे करने वाली सरकार नहीं, बल्कि वादों को धरातल पर उतारने वाली सरकार रही है। पुनौराधाम विकास योजना इसका जीवंत उदाहरण है, जो यह दर्शाता है कि बिहार सरकार राज्य की ऐतिहासिक धरोहरों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिष्ठित करने के लिए कृत संकल्पित है। पुनौराधाम का यह कायाकल्प आने वाली पीढ़ियों के लिए बिहार की संस्कृति, श्रद्धा और विरासत को समझने एवं अनुभव करने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। यह योजना न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास और सांस्कृतिक पर्यटन के लिहाज़ से भी बिहार के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

कार्यालय गिरिडीह नगर निगम।

Email id(giridihmunicipalcorporation@gmail.com)

शुद्धि पत्र

कार्यालय के ज्ञापांक 438/यो0 दिनांक 09.07.2025 PR NO 356912 के द्वारा प्रकाशित निविदा में अपरिहार्य कारणवश निविदा की तिथि में आंशिक संशोधन किया जाता है जो निम्नवत् है –

पूर्व में प्रकाशित विवरण	आंशिक शुद्धि विवरण
वेबसाईट पर निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि – 11.08.2025 (अपराह्न 03:00 बजे तक)	वेबसाईट पर निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि – 19.08.2025 (अपराह्न 03:00 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि – 13.08.2025 (अपराह्न 04:00 बजे)	निविदा खोलने की तिथि – 20.08.2025 (अपराह्न 04:00 बजे)

अन्य यथावत् रहेंगी।

प्रशासक,
गिरिडीह नगर निगम।

PR 358920 (Urban Development) 25-26 (D)

विपक्षी गठबंधन निजी स्वार्थों की बुनियाद पर आधारित : मंत्री श्रवण कुमार

आगामी विधानसभा चुनाव में 225 से अधिक सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित : मंत्री जयंत राज

शिक्षक भर्ती में डोमिसाइल नीति का निर्णय बिहार के अभ्यर्थियों के हित में ऐतिहासिक कदम : मंत्री सुनील कुमार

पटना, (ईएमएस)। बुधवार को जद (यू0) प्रदेश कार्यालय, पटना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज और शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे आमजनों की समस्याओं से रूबरू हुए एवं उनके त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उक्त मौके पर विधानपरिषद में सत्तारूढ दल के मुख्यसचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ 'गांधी जी', विधायक अशोक कुमार एवं पूर्व विधानपार्षद वाल्मीकि सिंह उपस्थिति रहे। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि विपक्षी गठबंधन व्यक्तिगत स्वार्थों पर टिका हुआ है, जिन्हें प्रदेश की आम जनता से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्ता की लालसा में बिहार को नीचा दिखाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। लेकिन अब बिहार की जनता सब कुछ समझ चुकी है और आगामी विधानसभा चुनाव में ऐसे अवसरवादी दलों को करारा जवाब देगी। श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहारवासियों की बेहतरी हेतु निरंतर कार्य कर रहे हैं, जबकि विपक्ष के नेता केवल बड़बोलेपन के शिकार हैं। उनके पास न कोई विज़न है और न ही जनता के प्रति कोई सकारात्मक सोच। मंत्री जयंत राज ने कहा कि जनता का हित नीतीश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है, जबकि विपक्ष केवल निजी स्वार्थों की राजनीति करता रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वर्ष 2005 से लगातार बिहार के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। हाल ही में संपन्न 'प्रगति यात्रा' के दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों में जाकर विकास कार्यों की समीक्षा की और साथ ही नई योजनाओं एवं विकास की सौगातें भी दीं। जयंत राज ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व और एनडीए की जनकल्याणकारी नीतियों के बल पर आगामी विधानसभा चुनाव में हमारा गठबंधन 225 से अधिक सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगा।मंत्री सुनील कुमार ने शिक्षक बहाली में डोमिसाइल नीति लागू किए जाने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक फैसले से 90 फीसदी से अधिक बिहार के अभ्यर्थियों को लाभ होगा।

JHARIA REHABILITATION AND DEVELOPMENT AUTHORITY, DHANBAD

e-Procurement Notice

Tender Reference No: JRDA/CIVIL/25-26/11/515

Date: 24.07.2025

1.	Name of Work	Cleaning of Drain, Septic tank and Area Cleaning for Phase- I at Belgaria Township, Dhanbad
2.	Estimated Cost	Rs. 33,64,600.00
3.	EMD	Rs. 67,300.00
4.	Tender Document Cost	Rs. 5000.00
5.	Time of Completion	02 months
6.	Date/Time from which bid is available for online bidding	01.08.2025 at 03:00 PM
7.	Last Date/Time for on-line submission of bids	15.08.2025 at 5:00 PM
8.	Date and Time of Bid Opening	18.08.2025 at 11:30 AM
9.	Name and Address of Officer inviting tender	Head of Department (Civil), JRDA, Dhanbad Hatia More, Golf Ground Road, Hirapur, Dhanbad -826001 Jharkhand, India Email: infojrda.dhn@gmail.com

Note : 1. Only e-tenders will be accepted.
2. Further details can be seen on website – https://jharkhandtenders.gov.in

Head of Department (Civil), JRDA, Dhanbad

PR 358921 (Rural Development)25-26*D

एक साल में गुजरात ने 290 करोड़ रुपए से अधिक के हैंडलूम प्रोडक्ट्स की बिक्री की

अहमदाबाद (ईएमएस)| मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात के हथकरघा बुनकरों की कारीगरी तथा उनकी समृद्ध विरासत को संबल-सहयोग देकर उनका आर्थिक उत्थान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ लागू की गई हैं। हैंडलूम सोसाइटियों के उत्थान के निरंतर प्रयासों के हिस्से के रूप में गुजरात सरकार के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा पैकेज स्कीम क्रियान्वित है। यह पहल सहकारिता अधिनियम अंतर्गत पंजीकृत औद्योगिक सहकारी मंडलियों को संबल-सहयोग देती है। इसके अंतर्गत हैंडलूम प्रोडक्ट्स यानी हथकरघा उत्पादों की बिक्री पर मुआवजा सहायता दी जाती है। वर्ष 2024-25 की बात करें, तो इस योजना अंतर्गत राज्य की 246 से अधिक हैंडलूम को-ऑपरेटिव सोसाइटियों (हथकरघा सहकारी मंडलियों) ने लाभ प्राप्त किया है। इसके फलस्वरूप 290 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के हैंडलूम प्रोडक्ट्स की बिक्री हुई है। यह दर्शाता है कि गुजरात में हैंडलूम सेक्टर का निरंतर विकास हो रहा है। उल्लेखनीय है कि हथकरघा बुनकरों का सम्मान करने तथा भारत में हथकरघा उद्योग को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2015 से 7 अगस्त को 'नेशनल हैंडलूम डे' यानी 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' के रूप में घोषित किया है। यह दिवस हथकरघा के सांस्कृतिक, परंपरागत एवं आर्थिक महत्व को उजागर करता है। प्रधानमंत्री ने कहा है, "सरकार उसके बुनकरों को विश्व का सबसे बड़ा बाजार प्रदान करने के लिए स्पष्ट रणनीति के साथ कार्य कर रही है।"

पैकेज स्कीम अंतर्गत हैंडलूम सोसाइटियों को हैंडलूम उत्पादों की बिक्री पर मिलती है मुआवजा सहायता

त्योहारों के दौरान हथकरघा पर उत्पादित होने वाली वस्तुओं की बिक्री बढ़ाने तथा उन्हें बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए गुजरात सरकार द्वारा रिबेट (पैकेज) स्कीम लागू की गई है। हथकरघा उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक एवं सुलभता बढ़ाने के लिए इस योजना अंतर्गत गुजरात सरकार हथकरघा सहकारी मंडलियों द्वारा की जाने वाली बिक्री पर मुआवजा सहायता देती है।

हथकरघा सहकारी मंडलियों को हथकरघा के उत्पादों की बिक्री पर 5 प्रतिशत मुआवजा सहायता मिलती है, जबकि महिला सहकारी मंडलियों को बिक्री पर 15 प्रतिशत मुआवजा सहायता मिलती है। इसके अतिरिक्त; महिला सहकारी मंडलियों के लिए वार्षिक 120 दिन की समयावधि के लिए बिक्री पर 15 प्रतिशत व 20 प्रतिशत की विशेष मुआवजा सहायता दी जाती है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के इन प्रयासों के फलस्वरूप वर्ष 2024-25 में 246 से अधिक हथकरघा सहकारी मंडलियों ने 290 करोड़ रुपए से अधिक के हथकरघा उत्पादों की बिक्री की है। इस बिक्री पर राज्य सरकार द्वारा इन सहकारी मंडलियों को 73.82 करोड़ रुपए की मुआवजा सहायता दी गई है, जो हथकरघा बुनकरों के उत्थान की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाता है।

हथकरघा बुनकरों को संबल-सहयोग देने के लिए गुजरात सरकार की परिवर्तनकारी योजनाएँ

गुजरात सरकार ने हथकरघा बुनकरों को संबल-सहयोग देने, गुणवत्तायुक्त उत्पादन सुनिश्चित करने, बाजार प्रतिस्पर्धात्मकता सुधारने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए परिवर्तनकारी योजनाएँ लागू की हैं। इन योजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :

हथकरघा की शीर्षस्थ संस्थाओं को विज्ञापन एवं प्रचार के लिए सहायता :

इस योजना अंतर्गत राज्य की शीर्षस्थ हथकरघा संस्थाओं तथा गुजरात राज्य हथकरघा एवं हस्तकला विकास निगम को गुजरात राज्य एवं राज्य से बाहर प्रदर्शनियों में भाग लेने और विज्ञापनों एवं प्रचार-प्रसार करने के लिए सहायता दी जाती है। शीर्षस्थ संस्थाओं को राज्य में प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए 70,000 रुपए तक तथा राज्य से बाहर प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए 1,50,000 रुपए तक की सहायता दी जाती है। इसके अतिरिक्त; उन्हें विज्ञापनों के लिए वार्षिक 1,00,000 रुपए तथा मेलों व प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए 25,000 रुपए की अतिरिक्त सहायता मिलती है। यह योजना हथकरघा उत्पादों प्रोत्साहन देती है और बुनकरों के रोजगार को गति देती है।

मिल गेट प्राइस स्कीम :-

यह योजना सुनिश्चित करती है कि बुनकर उच्च गुणवत्तायुक्त प्रोडक्ट्स का उत्पादन करें, बाजार मूल्य में वृद्धि करें तथा बुनकरों के लिए अधिक रोजगार का सृजन हो। इस योजना अंतर्गत राज्य के मान्यता प्राप्त डिपो के माध्यम से खरीदे गए गुणवत्तायुक्त यार्न (सूत) पर 15 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है।

बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण

राज्य सरकार के गुजरात राज्य हथकरघा एवं हस्तकला विकास निगम द्वारा बुनकरों के कौशल विकास के लिए बुनकरों को अल्पकालिक व दीर्घकालिक प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें प्रति प्रशिक्षु 4500 रुपए मासिक स्टाइपेंड भी दिया जाता है। मूल्यवर्धित उत्पाद, डिजाइन तथा प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए निगम द्वारा वीवर्स सर्विस सेंटर, एनआईडी तथा एनआईएफटी (निफ्ट) के साथ सहयोग किया जाता है, जिससे हथकरघा उत्पाद मिलों एवं पावरलूम्स के उत्पादों के समक्ष बाजार की प्रतिस्पर्धा में टिके रहें। इसके अतिरिक्त; हथकरघा उत्पादों की दृश्यता बढ़ाने के लिए व्यापक विपणन (मार्केटिंग) प्रयास भी किए जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

निर्माणाधीन मकान की छत से गिरकर 5 साल की मासूम की मौत

भोपाल(ईएमएस)। भोपाल के बिलखिरिया थाना इलाके में स्थित कोकता क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान की छत से गिरकर 5 साल की मासूम बच्ची की मौत हो जाने की दर्दनाक घटना समाने आई है। बताया गया है की जानलेवा हादसा सोमवार शाम के समय का है। घटना के समय मासूम के पिता ठेकेदार से बातचीत कर रहे थे, वहीं मां घरेलू काम में व्यस्त थी। इसी दौरान मासूम खेलते हुए पहली मंजिल पर चली गई, यहां बिना मुंडेर की छत से नीचे गिरकर गंभीर रुप से घायल हो गई। दो दिन चले इलाज के बाद तीसरे दिन सुबह के समय इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। थाना पुलिस ने बताया की मूल रूप से दमोह के रहने वाले श्रवण बंसल मिस्त्री का काम करते हैं। इन दिनों वह काम के चलते परिवार सहित राजधानी परिसर कोकता में स्थित निर्माणाधीन मकान में रह रहे थे। परिवार में पत्नि सहित एक बेटा और दो बेटियां है, सबसे छोटी बेटी कामनी बंसल (5) थी। रक्षाबंधन को उन्हें परिवार सहित वापस दमोह जाना था, इसी कारण छुट्टी के लिए श्रवण बंसल सोमवार की शाम को घर आए ठेकेदार से बातचीत करने लगे इस दौरान उनकी पत्नि बर्तन धो रही थी।

शासकीय महिला कर्मचारी ने प्लॉट बेचने के नाम पर की धोखाधड़ी

40 लाख एंडवांस लेकर अन्य को बेच दिया प्लॉट

भोपाल(ईएमएस)। शहर के हबीबगंज थाना इलाके में सरकारी नौकरी करने वाली महिला द्वारा दवा कंपनी के संचालक के साथ सोसायटी का प्लॉट जिसको बेचने के नाम पर लाखो का चूना लगा दिया। आरोप है कि महिला ने प्लॉट बेचने का एग्रीमेंट करने के बाद फरियादी को न देकर किसी अन्य को बेच दिया। थाना पुलिस के अनुसार 71 वर्षीय राजेंद्र तारे पिता रामचंद्र तारे ने लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया की वह इंदौर जिले में स्थित तिलक नगर में रहते हैं। उनकी फार्मास्युटिकल कंपनी हैं। उन्होंने अपनी एक परिचित महिला मीनाक्षी कटारिया से मणप्पुरम सोसायटी में प्लॉट लेने के लिए 2011 में एग्रीमेंट किया था। मीनाक्षी कटारिया फिलहाल हैदराबाद में सरकारी नौकरी करती है। अनुबंध के समय फरियादी ने 40 लाख रुपए भी दिये थे, बाकी रकम सोसायटी से एनओसी और रजिस्ट्री कराने पर देने की बात तय हुई थी। लेकिन काफी कहने पर भी महिला ने 2019 तक प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं कराई। परेशान राजेंद्र तारे ने भोपाल कोर्ट में संपत्ति संबंधित कब्जे का प्रकरण दायर कर दिया। हालांकि इस प्रकरण में कोर्ट ने अभी कोई फैसला नहीं दिया है। इसी बीच राजेंद्र तारे को जानकारी लगी की मीनाक्षी कटारिया ने मणप्पुरम का प्लॉट किसी व्यक्ति को एक करोड़, 20 लाख रुपए में बेच दिया है। इसके बाद वह थाने जा पहुंचे, आवेदन की जांच के बाद पुलिस ने जालसाजी, गबन समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आगे की जॉच शुरु कर दी है।

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन यात्रा अंतर्गत उज्जैन से रामदेवरा की तीर्थयात्रा के सम्बन्ध में महापौर द्वारा मा. मुख्यमंत्री जी को लिखा पत्र

उज्जैन (ईएमएस)। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थयात्रा अवसर प्राप्त हो रहा है। इस सम्बन्ध में महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा मा. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित बाबा श्री रामदेवरा हेतु भी शीघ्र ही तीर्थयात्रा का कार्यक्रम जारी करने का कष्ट करें। भादौ के महीने में बाबा रामदेव जी की जयंती (भाद्रपद शुक्ल पक्ष की द्वितीया) के अवसर पर रामदेवरा में भव्य मेले का आयोजन होता है जो कि एकादशी तक आयोजित होता है। इस मेले में समूचे मध्यप्रदेश एवं अन्य प्रदेशों से भी भारी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित होते हैं। उज्जैन से भी काफी संख्या में भक्तगण इस मेले हेतु प्रस्थान करते हैं। इस वर्ष यह मेला 25 अगस्त 2025 से 3 सितम्बर 2025 तक आयोजित होगा। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनांतर्गत मध्यप्रदेश शासन धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग की तीर्थ स्थानों की सूची में रामदेवरा का नाम भी सम्मिलित है। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा मुख्यमंत्री जी से सादर अनुरोध किया है कि बाबा रामदेव जी की जयंती के अवसर पर रामदेवरा (जैसलमेर, राजस्थान) में आयोजित रामदेवरा मेले के अवसर पर मध्यप्रदेश के भक्तगणो हेतु निःशुल्क तीर्थदर्शन यात्रा का कार्यक्रम शीघ्र जारी करने का कष्ट करें।

अस्पताल से घर आने के बाद बिगड़ी तबीयत और हो गई मौत

भोपाल(ईएमएस)। टीला जमालपुरा थाना इलाके में रहने वाले एक अधेड़ की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। बताया गया है की तबीयत खराब होने पर परिजनों ने दो दिन पहले उसे अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां से डिस्चार्ज होकर वह घर आ गया था। घर आने के कुछ घंटों बाद ही उसकी तबीयत फिर खराब होने के बाद उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस के अनुसार इंद्रा नगर में रहने वाला चिंतामन सिंह पिता प्रेम सिंह (55) कोतवाली इलाके में खिलौनों का ठेला लगाता था। उसकी तबीयत खराब होने पर परिवार वालो ने उसे इलाज के लिये 3 अगस्त को अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां इलाज के बाद उसने आराम होने की बात कही जिसके बाद परिवार वाले उसे एक दिन बाद ही डिस्चार्ज कराकर वापस घर ले आए। घर आने के बाद मंगलवार अलसुबह करीब चार बजे चिंतामन की अचानक तबीयत खराब हो गई। उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, वहां कुछ घंटे चले इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुॅची पुलिस की शुरुआती जॉच में सामने आया की मृतक को शराब पीने की लत थी, और काफी अधिक शराब पीता था। जिस कारण लीवर खराब होने से उसे परेशानी रहती थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया है। जॉच टीम का कहना है की पीमए रिर्पोट आने पर ही मौत का कारण साफ हो सकेगा जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

विश्व आदिवासी दिवस पर भोपाल में ऐतिहासिक रैली का आयोजन

भोपाल(ईएमएस)। आदिवासी समाज की गौरवशाली संस्कृति, संघर्ष और अधिकारों के प्रतीक विश्व आदिवासी दिवस पर इस बार 9 अगस्त 2025 को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में एक भव्य रैली और जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश स्तरीय यह भव्य आयोजन भिलाल जनजातीय संगठन मध्य प्रदेश की और से किया जा रहा है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तोमर ने आयोजन के संबध में जानकारी देते हुए बताया की कार्यक्रम में रामेश्वर शर्मा, विधायक, हुजूर विधानसभा और भगवानदास सबनानी, विधायक, दक्षिण-पश्चिम विधानसभा मुख्य अतिथि के रुप में शामिल रहेंगे। 9 अगस्त को सुबह के समय अटल पथ पर भोपाल, रायसेन, सीहोर जिलो के आदिवासी समाज द्वारा विशाल जनसभा, सांस्क्रतिक कार्यक्रम सहित विशाल रैली का आयोजन प्रस्तावित है। इसके बाद रोशनपूरा चौराहा तक भव्य रैली निकाली जाएगी, रैली का समापन वापस अटल पथ पर किया जाएगा। सभा के अंत में भोपाल कलेक्टर के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को आदिवासी समाज से संबधित प्रमुख मांगों एवं समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। देवेंद्र तोमर ने बताया की आदिवासी समाज की मुख्य मांगो में वनभूमि अधिकार पत्र (पट्टा) शीघ्र प्रदान करने, धर्मांतरित परिवारों को आदिवासी आरक्षण और सुविधाओं से वंचित नहीं किये जाने, आदिवासी महापुरुषों की गाथाओं को एनसीईआरटी पुस्तकों में शामिल करने और ग्राम सभा को संवैधानिक रूप से मजबूत करने की मांगे शामिल है।

हमीरपुर डिवीजन को अब तक 211 करोड़ का नुकसान, ऊना सबसे ज्यादा प्रभावित

हमीरपुर (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान हो रही भारी बारिश से जनजीवन पर गहरा असर पड़ा है। राज्य के निचले क्षेत्रों में बारिश के कारण नुकसान का सिलसिला जारी है। खासतौर पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के हमीरपुर डिवीजन को अब तक 211 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ है। यह जानकारी विभाग के मुख्य अभियंता विजय चौधरी ने दी। मुख्य अभियंता चौधरी ने बताया कि हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना जिलों में सड़कों और पुलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। सबसे ज्यादा नुकसान ऊना जिले को हुआ है, जहां बारिश और भूस्खलन के कारण 70 करोड़ रुपए से अधिक की क्षति का आकलन हुआ है।

निगम अपर आयुक्त राजेन्द्र गुप्ता को उनके निगम में दी सेवाओ के लिए किया सम्मानित

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के चतुर्थ तल निगम सामान्य सभा सभागार में आयोजन रखकर रायपुर नगर निगम के अपर आयुक्त राजेन्द्र गुप्ता के छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मुंगेली जिला अपर कलेक्टर पदस्थ किये जाने पर उनके द्वारा नगर निगम को 27 फरवरी 2024 से आज तक दी गई सेवाओं को सराहते हुए नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड, आयुक्त विश्वदीप ने अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल, विनोद पाण्डेय, श्रीमती कृष्णा खटीक, मुख्य अभियंता यूके घलेन्द्र सहित अधीक्षण अभियंता संजय बागडे, कार्यपालन अभियंताओं, जोन कमिश्नरो, निगम अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में नगर निगम रायपुर के सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से श्रीफल शॉल स्मृति चिन्ह प्रदत्त कर सम्मानित किया। वहीं नगर निगम रायपुर में परिचालक के पद पर निरंतर सेवाएं देकर सेवानिवृत्त कर्मचारी वृंदावन पटेल निगम को दी सेवाओं हेतु श्रीफल शॉल स्मृति चिन्ह प्रदत्त कर महापौर, सभापति, आयुक्त द्वारा मंच पर सम्मानित किये गये। इस अवसर पर अपर आयुक्त एवं मुंगेली जिला के नवपदस्थ अपर कलेक्टर राजेन्द्र गुप्ता ने रायपुर नगर निगम सहित अपनी प्रशासनिक सेवाओं के सस्मरण सुनाएं। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन शाखा के अविकारियों, कर्मचारियों की टीम और नगर निगम राजस्व विभाग की टीम के कार्यों व मेहनत की सराहना की। महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड, आयुक्त विश्वदीप ने अपर आयुक्त पद पर राजेन्द्र गुप्ता द्वारा रायपुर नगर निगम में दी गई सेवाओं की सराहना की साथ ही परिचालक वृंदावन पटेल के कार्यों को सराहा।

बदमाश ने तलवार-छुरी लेकर युवकों पर किया हमला

भोपाल। राजधानी के कोलार थाना इलाके में हथियार लहराते बदमाशो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें करीब आधा दर्जन से अधिक बदमाश हाथों में धारदार हथियार लेकर कुछ युवकों पर हमला कर रहे हैं। हालांकि इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीते दिन ही अड़ीबाजी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार दामखेड़ा ए-सेक्टर कोलार निवासी दुर्गेश उर्फ भैयू (22) मजदूरी करता है। रविवार रात वह अपने घर के पास खड़ा था। तभी उसका सामना भरत दामौड, गोविंद मालवीय, शुभम सरदार, गजनी और अन्य लोगों से हो गया। दुर्गेश और भरत व उनके साथियों के बीच पुराना विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर भरत व उसके साथियों ने दुर्गेश से शराब पीने के लिए पैसों की मांग करते हुए उसपर अड़ीबाजी की। जब उसने विरोध करते हुए रकम देने से मना किया तब आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। यह देख आसपास मौजूद दुर्गेश के साथी शिवा, हरमीत सिंह, यज्ञरूप उसे बचाने पहुंचे।

तभी आरोपी भरत दामौड, गोविंद मालवीय, शुभम सरदार, गजनी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दुर्गेश और उसके दोस्तों पर तलवार-छुरी से हमला कर दिया।

प्रयागराज में गंगा और यमुना उफान पर

करीब 2500 गाँव बाढ़ से घिरे, 200 गाँवों में बिजली आपूर्ति ठप

प्रयागराज (ईएमएस)। प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे शहर और आसपास के इलाकों में भीषण बाढ़ आ गई है। प्रशासन के अनुसार, करीब 2500 गाँव बाढ़ से घिरे हुए हैं और करीब 15 लाख लोगों को नावों का सहारा लेना पड़ रहा है। गंगापार और यमुनापार के 2500 गाँव और शहर के 10 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। बिजली उपकेंद्रों में पानी भरने से 200 गाँवों में बिजली आपूर्ति ठप है। बाढ़ की वजह से करीब 3 लाख प्रतियोगी छात्र पलायन कर गए हैं।

भारत में टीबी मरीजों पर हुए अध्ययन की विश्व स्वास्थ्य संगठन ने की सराहना

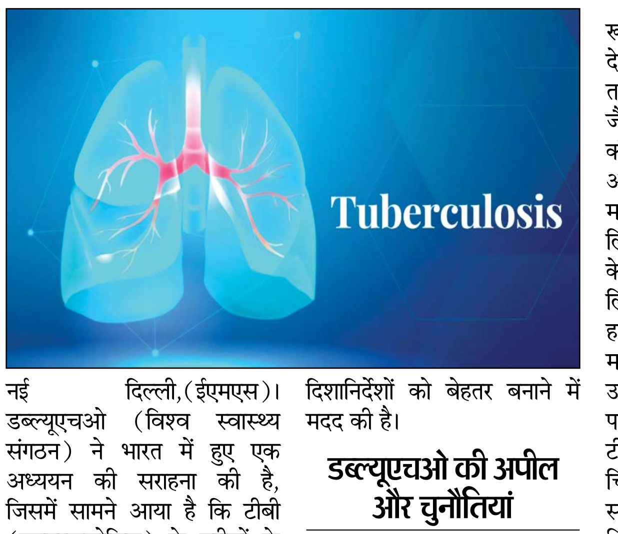

नई दिल्ली,(ईएमएस)। डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) ने भारत में हुए एक अध्ययन की सराहना की है, जिसमें सामने आया है कि टीबी (ट्यूबरकुलोसिस) के मरीजों के इलाज में पोषण बहुत महत्वपूर्ण है। भारत में किए गए अध्ययन से पता चला कि सही पोषण देने से टीबी के मामलों और इससे होने वाली मौतों को कम किया जा सकता है। इस रिसर्च ने साबित किया कि बेहतर पोषण देने से टीबी के इलाज पर अच्छा असर पड़ता है। अतिरिक्त पोषण टीबी के मामलों और इससे होने वाली मृत्यु दर को कम करने में असरदार है। डब्ल्यूएचओ ने इस भारतीय रिसर्च के निष्कर्षों की तारीफ करते हुए कहा कि इसने टीबी से लड़ने के लिए वैश्विक दिशानिर्देशों को बेहतर बनाने में मदद की है।

डब्ल्यूएचओ की अपील और चुनौतियां

डब्ल्यूएचओ ने दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र, जहाँ टीबी के सबसे ज़्यादा मामले और मौतें होती हैं, से टीबी को खत्म करने के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने की अपील की है। डॉ. कैथरीना बोहमे ने कहा कि साल 2023 में इस क्षेत्र में लगभग 50 लाख लोग टीबी से प्रभावित हुए और करीब 6 लाख लोगों की मृत्यु हुई। उन्होंने बताया कि इस समस्या से लड़ने के लिए नई तकनीकों और दवाओं का इस्तेमाल ज़रूरी है, और यह भी ज़रूरी है कि वे सभी तक समान रूप से पहुँचें। दक्षिण-पूर्व एशिया के देश अब टीबी से लड़ने के लिए नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जैसे कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से मरीजों का पता लगाना और कंप्यूटर-एडेड डायग्नोसिस की मदद से बीमारी की पहचान करने के लिए मदद होगा। डिजिटल उपकरण के द्वारा इलाज को आसान बनाने के लिए मददगार होगी।

हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने यह भी माना है कि रिसर्च के परिणामों का उपयोग हर जगह एक समान नहीं हो पा रहा है। साथ ही, दवा-प्रतिरोधी टीबी के बढ़ते मामले एक बड़ी चिंता का विषय हैं। डब्ल्यूएचओ ने सभी से टीबी को खत्म करने के लिए मिलकर काम करने की अपील की है, ताकि कोई भी इस बीमारी से प्रभावित न हो।

लेकिन, जानकारी की कमी और सहयोग के लिए सीमित प्लेटफॉर्म्स की वजह से शोध के परिणामों का उपयोग हर जगह एकसमान नहीं हो पा रहा। डॉ. बोहमे ने कहा, हमारी प्रगति एकसमान नहीं है। क्षेत्र में रिसर्च और इनोवेशन की क्षमता अलग-अलग है। कई बार शोध के परिणाम अलग-थलग रहते हैं और दूसरों के साथ साझा नहीं हो पाते। दवा-प्रतिरोधी टीबी के बढ़ते मामले बहुत चिंता की बात हैं।

झारखण्ड सरकार

अधीक्षक का कार्यालय, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, धनबाद

दूरभाष : 0326-2230352(O), 9431120164(M) Email: superintendentsnmmch@gmail.com

पत्रांक :– 1219/SNMMCH दिनांक :– 06.08.2025

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए मानक स्तर के निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत एवं अनुभवी वितरक से केमिकल की आपूर्ति हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system) के अन्तर्गत ONLINE निविदा आमंत्रित किया जाता है। ई–निविदा को www.jharkhandtenders.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि– 18.08.2025 को संध्या 5.00 बजे तक होगी।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

PR 358995 Health Med Edu and Family Welfare (25-26)_D

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद

व्यवहार न्यायालय, धनबाद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि माननीय नालसा, नई दिल्ली एवं माननीय झालसा, राँची के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा, प्राणिकरण, धनबाद द्वारा दिनांक 30 अगस्त 2025 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा जिसका प्री सिटिंग विशेष लोक अदालत का आयोजन 04.08.2025 से 29.08.2025 तक संबंधित न्यायालयों में प्रातः 10:30 बजे से किया जाएगा।

जिसमें निम्नलिखित वादों का निपटारा आपसी सुलह–समझौता के आधार पर किया जायेगा :–

1. एन0आई0 एक्ट से संबंधित मामलें	3. भूमि अधिग्रहण एवं मुआवज़ा से संबंधित मामलें
2. मोटरयान दुर्घटना से संबंधित मामलें	4. वैवाहिक विवाद से संबंधित मामलें

अतः आप सभी पक्षकारों से निवेदन है कि व्यवहार न्यायालय धनबाद में उपस्थित होकर संबंधित वादों का निष्पादन करवाकर विशेष लोक अदालत का लाभ उठाएँ।

नोट– विशेष जानकारी के लिए टोलफ्री नम्बर–15100 तथा दुरभाष संख्या–0326 2396048 पर संपर्क करें।

श्री प्रभात कुमार
वरीय पुलिस अधीक्षक सह सदस्य,
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,
धनबाद

श्री आदित्य रंजन
उपायुक्त सह उपाध्यक्ष,
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,
धनबाद

श्री वीरेन्द्र कुमार तिवारी
प्रधान जिला एवं सत्र–न्यायाधीश सह अध्यक्ष,
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद

निवेदक
श्री मंयक तुषार टोपनो
सचिव
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धनबाद

PR 359008 Law (25-26)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल गिरिडीह

निविदा आमंत्रण सूचना सं0 07/2025-26

01. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गिरिडीह।
02. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :– 28/08/2025 को 01.00 बजे अपराह्न तक।
03. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 29/08/2025 को 03.00 बजे अपराह्न तक।
04. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 29/08/2025 को 03.30 बजे अपराह्न में।
05. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (I) मुख्य अभियंता(या0), पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड, रॉची। (II) अधीक्षण अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ अंचल, हजारीबाग। (III) कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गिरिडीह।
06. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– क्रमांक 5 में वर्णित सभी स्थानों पर।
07. कार्यो की विवरणी :–

क्रम सं.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	बेंगाबाद–चतरो पथ के कि0मी0 16, 18, 20, 23, 25, 26, 27, 28(अंश) (कुल लम्बाई – 2.00 कि0मी0) में साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2025–26	30,00,000.00	60,000.00	5,000.00	03 (तीन) माह
2	डाबरसैनी से जोड़ासांख पथ के कि0मी0 0.0 से 19.56 तक साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2025–26	40,00,000.00	80,000.00	5,000.00	03 (तीन) माह
3	CRPF कैम्प (गिरिडीह बस स्टैण्ड के नजदिक)–आफिसर्स कॉलोनी–एस0पी0 कोठी (NH-114A पर) पथ में साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2025–26	5,00,000.00	10,000.00	750.00	02 (दो) माह
4	पचम्बा–जमुआ पथ के 19वें कि0मी0 में उच्च स्तरीय पुल का वियरिंग कोट (6 X 18 मीटर आकार) का साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2025–26	18,00,000.00	36,000.00	5,000.00	03 (तीन) माह
5	बेंगबाद–चतरो पथ के कि0मी0 9वें में आर0सी0सी0 नाली (4.450 X 0.750 मीटर आकार) का रेजिंग कार्य वर्ष 2025–26	10,00,000.00	20,000.00	1,250.00	03 (तीन) माह
6	तिसरी–थानसिंहडीह–कौआकोल भाया कोदाईबॉक लिंक पथ के कि0मी0 6 में आर0सी0सी0 नाली निर्माण कार्य वर्ष 2025–26	20,00,000.00	40,000.00	5,000.00	03 (तीन) माह
7	द्वारपहरी से करमाटांड़ पथ (कुल लम्बाई – 17.10 कि0मी0) में 10वें एवं 14वें कि0मी0 में अवस्थित उच्च स्तरीय पुल का साधारण मरम्मति कार्य वर्ष 2025–26	10,00,000.00	20,000.00	1,250.00	02 (दो) माह
8	कार्यपालक अभियंता अवासिया परिसर में Care Taker, Boundary Wall & Campus Development कार्य वर्ष 2025–26	20,00,000.00	40,000.00	5,000.00	03 (तीन) माह

नोट :– प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है।

निविदा की अन्य शर्ते :– निविदा की शर्तें प्रमण्डल कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

ह०/–
कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गिरिडीह

PR 358968 Road(25-26)#D

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

गोदी मीडिया ने बिगाड़े भारत और ईरान के संबंध

भारत सरकार की चुप्पी से ईरान की पाकिस्तान से दोस्ती

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि, भरोसे की कूटनीति, कई देशों से गहरे रिश्तों की बुनियाद रही है। हालिया वर्षों में देश की तथाकथित गोदी मीडिया ने जिस गैर-जिम्मेदाराना और भड़काऊ पत्रकारिता को अपनाया है। दूसरे देशों के नेताओं और दूसरे देशों के बारे में जिस तरह से अपमानजनक शब्दों का उपयोग किया जा रहा है, उसने न केवल भारत के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया है बल्कि विदेशों में भी भारत की साख को बडा नुकसान पहुंचाया है। ईरान और भारत के पारंपरिक रूप से घनिष्ठ रिश्ते कई दशकों से हैं। 1971 के युद्ध में ईरान भारत के साथ खड़ा रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों के दौरान भी ईरान ने हमेशा भारत का साथ दिया है। पिछले एक दशक में भी ईरान में चाहे चाबहार पोर्ट हो या गाज़ा जैसे संवेदनशील मुद्दे पर ईरान के साथ भारत के रिश्ते बेहतर रहे हैं। इन रिश्तों में जब कथित भारतीय गोदी मीडिया ने ईरान के सर्वोच्च नेता को ड्रग्स एडिक्ट बताने जैसी खबरें चलाई, जो न केवल ईरान के सर्वोच्च नेता का अपमान है, बल्कि ईरान का भी अपमान है। ईरानी दूतावास द्वारा भारत सरकार के संज्ञान में यह बात ले जाने के बाद भी भारत सरकार की चुप्पी ने भारत और ईरान के संबंध एक तरह से खत्म होने की कगार पर हैं। वर्तमान स्थिति में भारत सरकार की संजीदगी और कूटनीति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पिजिशिया का पाकिस्तान दौरा, वहां की सरकार से गर्मजोशी से मुलाकातों से स्पष्ट है, भारत अब ईरान की प्राथमिकताओं में नहीं रहा। इसका मुख्य कारण भारत के नेशनल चैनल और कुछ समाचार पत्रों में ईरान के सर्वोच्च नेता के खिलाफ जो मुहिम चलाई गई उसमे भारत सरकार की चुप्पी और भारतीय मीडिया की गैर-जिम्मेदार रिपोर्टिंग है। भारतीय मीडिया का एक धड़ा विदेश नीति को हिन्दू-मुस्लिम के चश्मे से देख रहा है। सरकार यदि चुप है, तो यही माना जाता है, मीडिया को सरकार का संरक्षण है। मीडिया जो कर रही है, उसका असर अब अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ने लगा है। जिसका खामियाजा अब पूरे देश को भुगतना पड़ सकता है। देश का मीडिया विदेशी नेताओं के खिलाफ अफवाहें फैलाएगा। अपमानजनक भाषा का प्रयोग करेगा। कूटनीतिक संवेदनशीलता को ताक पर रखेगा। इसका सीधा असर भारत की विदेश नीति पर पड़ेगा, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मीडिया की पत्रकारिता राष्ट्र हित में हो, पत्रकारिता जनहित में हो। मीडिया सरकार का अनुवांशिक अंग नहीं है, जो सरकार के हितों के संवर्धन के लिए काम करे। मीडिया की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी वाली भूमिका है। गोदी मीडिया की जहरीली पत्रकारिता ने आज भारत को उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है जहां पुराने मित्र देश दूरी बनाकर दुश्मन देश के साथ खड़े हो रहे हैं। यह स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत के सामरिक एवं आर्थिक हितों के लिए खतरनाक संकेत हैं। समय रहते इस प्रवृत्ति पर लगाम नही लगी, तो भारत का अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग पड़ना तय है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के पक्ष में कोई भी देश खड़ा नहीं हुआ, किसी भी देश ने पाकिस्तान की आलोचना नहीं की। चीन जिसके साथ हम सबसे बड़ा व्यापार कर रहे हैं उसने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद करके यह बता दिया है कि भारत की विदेश नीति एवं व्यापार नीति कूटनीति के संबंध बेमानी है। केंद्र सरकार को इस दिशा में अब सजग रहने की जरूरत है। वास्तविक रूप से हमें अपने मित्र देश और दुश्मन देश की पहचान करनी पड़ेगी। सामरिक और आर्थिक लेन-देन में स्थिरता लानी होगी। दीर्घकालिक संबंधों की तरफ ध्यान देना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो आगे चलकर भारत अलग-थलग पड़ जाएगा। पड़ोसी देशों के साथ हमारे संबंध अच्छे नहीं रह गए हैं। भारत के पड़ोसी देशों के साथ चीन के संबंध बहुत मधुर हो गए हैं। जो पड़ोसी देश अभी हमारी सीमाओं की रक्षा मे खड़े रहते थे यदि वही विरोध में आ गए तो हम कैसे सुरक्षित रह पाएंगे, यह सोचने की जरूरत है। भारत की विदेश नीति कब और कैसे बदल गई। इसका पता ही नहीं चला। भारत के ऊपर कोई भी देश विश्वास क्यों नहीं कर रहा है। इसकी समीक्षा की जानी चाहिए। ईरान जैसा देश यदि पाकिस्तान को अपना दोस्त बना ले तो यह भारत के लिए खतरे की घंटी है।

मन जब मोबाइल की गिरफ्त में तब ध्यान, धैर्य और मानसिक शांति कहाँ?

तमन्ना रिज़वी

तकनीक को साधन बनाएँ साध्य नहीं

हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहाँ तकनीक प्रत्येक पल और हर कदम पर हमारे साथ है। स्मार्टफोन, जो कभी सुविधा का प्रतीक हुआ करता था, आज हमारी दिनचर्या का केंद्र बन चुका है। यह उपकरण जो कभी केवल कॉल, मैसेज और अलार्म तक सीमित था, अब हमारे संवाद, मनोरंजन, सूचनाओं और यहां तक कि भावनाओं तक का माध्यम बन गया है। पर क्या कभी हमने यह सोचने की ज़हमत उठाई है कि जिस फोन को हम अपनी सबसे बड़ी ताकत समझते हैं, वह कहीं हमारी मानसिक शांति और एकाग्रता को खत्म करने का माध्यम तो नहीं बन गया? आज अधिकांश लोग सुबह की शुरुआत मोबाइल के अलार्म से नहीं, बल्कि इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप या मेल चेक करने से करते है। दिन भर काम के बीच में भी हर कुछ मिनट पर फोन की स्क्रीन अनायास देखी जाती है—कोई नया नोटिफिकेशन आया क्या? कोई नई पोस्ट, नया वीडियो, या कोई अपडेट तो नहीं? यह सब इतना सामान्य हो चुका है कि हमें अब इसमें असामान्यता का कोई संकेत नहीं दिखता। लेकिन यहीं से शुरू होता है असली नुकसान—धीरे-धीरे और गहराई से। एक तरफ मोबाइल ने हमें दुनिया से जोड़ दिया, वहीं इसने हमारी खुद से दूरी बढ़ा दी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि मोबाइल पर अत्यधिक निर्भरता न केवल मानसिक एकाग्रता को प्रभावित करती है, बल्कि यह हमारी सोचने-समझने की क्षमता, हमारी रचनात्मकता और रिश्तों की गहराई को भी प्रभावित करती है। डोपामिन, जो हमारे मस्तिष्क को खुशी का अनुभव कराता है, वह हर एक 'लाइक', 'कमेंट', और 'नोटिफिकेशन' से उत्तेजित होता है। यह तात्कालिक आनंद तो देता है, पर दीर्घकालीन दृष्टि से यह हमें थका देता है, बेचैन करता है और चिड़चिड़ापन पैदा करता है। हमारे जीवन से वह शांति और स्थिरता धीरे-धीरे खोती जा रही है जो कभी एकांत में बैठने, किताबें पढ़ने या प्रकृति से जुड़ने से मिलती थी। आजकल हम बस में सफर करते समय, कैफ़े में बैठे हुए या परिवार के बीच में होते हुए भी अपने फोन की स्क्रीन में डूबे रहते हैं। अब खाली वक्त को सहने की आदत नहीं रही। हर विराम, हर शून्यता को तुरंत भरने के लिए स्क्रीन मौजूद रहती है। और सबसे खतरनाक बात यह है कि यह लत अब बच्चों में भी साफ़ देखी जा सकती है। 5 साल का बच्चा भी खाना तभी खाता है जब उसके सामने मोबाइल चल रहा हो। किशोर अब अपने मन की बात दोस्तों से नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पोस्ट्स से ज़ाहिर करते हैं। रिश्ते धीरे-धीरे भावनाओं से नहीं, रील्स और रिएक्शन से जुड़ने लगे हैं। इस परिस्थिति से निकलने का पहला कदम है *डिजिटल अवेयरनेस*—यानि यह समझना कि मोबाइल का अत्यधिक उपयोग कब नुकसानदायक बन रहा है। उसके बाद आता है *डिजिटल डिटॉक्स*—कुछ घंटे, कुछ दिन या कुछ समय के लिए फोन से दूरी बनाना। शुरुआत आसान नहीं होगी, लेकिन धीरे-धीरे जब हम देखेंगे कि हमारे भीतर फिर से ध्यान टिकने लगा है, रिश्ते गहराने लगे हैं और मन हल्का महसूस करता है—तब हम समझेंगे कि असली सुख कहां छिपा था। हमें मोबाइल को साधन की तरह उपयोग करना होगा, साध्य की तरह नहीं। तकनीक हमारे जीवन को आसान बनाने के लिए है, उसे जीने का आधार नहीं बनाना चाहिए। कोई भी टेक्नोलॉजी तब तक वरदान है, जब तक वह हमारी स्वतंत्रता में बाधा न बने। अब समय है कि हम स्क्रीन से नजर हटाकर अपने भीतर झाँकें। आत्म-निरीक्षण करें कि क्या वाकई हम समय को जी रहे हैं, या बस सोशल मीडिया की रफ्तार में बह रहे हैं। शायद वही खोई हुई मानसिक शांति, वही पुरानी स्थिरता और वो गहराई हमें फिर से महसूस हो—बस हमें थोड़ा ठहरना होगा।

बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनता मध्यप्रदेश

निलय श्रीवास्तव

मध्यप्रदेश में आपका स्वागत है। कभी आप इसे बीमारु राज्य के रुप में जानते रहे होंगे लेकिन आज यह विकास का रोल मॉडल बना हुआ है। बुनियादी सुविधाओं से लबरेज मध्यप्रदेश के विकास की यह कहानी दो दशक पहले आरम्भ हुयी थी। प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव हैं जो अपने प्रदेश से अत्याधिक लगाव रखते हैं। उनके नेतृत्व में यह प्रदेश विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर है। सड़क, पानी, स्कूल, स्वास्थ्य के साथ ही घटाघोप अंधेरे में रहने वाले मध्यप्रदेश के सैकड़ों गांव अब रोशन हो चुकें हैं। मोहन यादव सरकार बिजली की उपलब्धता को दिनोंदिन बढ़ाने के लिये सारे जतन कर रही है। शहर ही नहीं बल्कि गांवों को भी प्राथमिकता के आधार पर भरपूर रोशन किया जा रहा है। याद करें वह दिन, जब बिजली कटौती होती थी तो पूरा प्रदेश अंधेरें के साये में डूब जाता था। लेकिन यह सरकार बिजली उत्पादन के क्षेत्र में अन्य राज्यों के लिये नजीर बन गयी है। एक तरफ जहाँ विध्यालयों को पढ़ने के लिए भरपूर बिजली मिल रही है वहीं किसानों के खेतों में पानी पहुँचाने के लिए बिजली की कोई कमी नहीं है। प्रसंगवश बता दें कि अटल ज्योति अभियान ने मध्यप्रदेश को सरप्लस बिजली वाला प्रदेश बना दिया है। वर्तमान में जब बिजली की कमी को पूरा करते हुए जिन परियोजनाओं पर काम चल रहा है उससे यह कहने में संकोच नहीं है, सन 2028 के आते आते इतनी अधिक मात्रा में आवश्यकता के अनुरूप बिजली उत्पन्न होने लगेगी कि राज्य स्थायी रूप से बिजली संकट से मुक्त हो जायेगा।

देश में छह बड़े राज्य ऐसे हैं जो सर्वाधिक बिजली उत्पादन कर रहें हैं, संतोष की बात है कि उन राज्यों की श्रेणी में मध्यप्रदेश भी शुमार हो चुका है। कुल मिलाकर मध्यप्रदेश सरप्लस पॉवर स्टेट बन चुका है। यहां शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अब बिजली नहीं जाती। इसे मध्यप्रदेश सरकार की बड़ी उपलब्धि माना जायेगा, इसमें कोई संशय नहीं है। हालांकि कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली अपेक्षानुरूप नहीं पहुँच पाती है इसकी जानकारी अक्सर प्रशासन तक पहुँचती है लेकिन उन क्षेत्रों में बिजली उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने हर तरह के प्रयास शुरू किये हैं। मध्यप्रदेश में आई टी के माध्यम से जहां एक ओर बड़े बड़े पूँजी निवेशकों को आकर्षित करने में सरकार सफल रही है वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों को बड़े शहरों से जोड़ने में उसे सफलता मिल रही है। कहना गलत न होगा कि प्रदेश की अन्य बुनियादी समस्याओं के साथ - साथ बिजली संकट से जूझना चुनौतीपूर्ण काम होता है लेकिन प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने अपनी सूझबूझ और तर्कसंगत फैसलों के कारण बिजली संकट को अपने शब्दकोश से ही हटा दिया है। गरीब और मध्यम वर्ग को सस्ती तथा निम्न दर पर बिजली उपलब्ध करवाकर कीर्तिमान रचने वाले मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के शब्दों में श्श्अंधेरे का युग वर्षो पहले समाप्त हो चुका है। मध्यप्रदेश अब ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया है। किसान भाईयों, शहरी नागरिकों और औधोगिक इकाईयों को भरपूर बिजली दी जा रही है।श्श् यहाँ बता दें कि प्रदेश में बिजली उपयुक्त और कम दरों पर मिलने से सबसे ज्यादा किसान खुश हैं। अत्यधिक वर्षा तथा सूखे की विपदाओं से गुजरने वाला किसान कम से कम बिजली की चिंता से मुक्त हो चुका है।

मध्यप्रदेश बिजली बोर्ड का गठन 1 दिसम्बर 1950 को हुआ और 1952 में इसने काम करना शुरू किया था। इसके बाद प्रदेश का विभाजन हुआ और बिजली के कुशल प्रबंधन के लिये राज्य विद्युत बोर्ड को सन् 2002 में पुर्नगठित कर दिया गया। जुलाई 2002 में बिजली उत्पादन एवं वितरण के लिये तीन विधुत कम्पनियों की स्थापना की गयी। मध्यप्रदेश में कई विधुत संयंत्र स्थापित किये गये जिनमें थर्मल पावर प्लांट, जल विधुत संयंत्र और परमाणु ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं। कुछ प्रमुख विधुत संयंत्रों में अमरकंटक, संजय गांधी, सतपुड़ा और सिंगाजी थर्मल पावर प्लांट शामिल हैं। मध्यप्रदेश में बिजली से संबंधित कई योजनायें चल रही हैं, जिनमें अटल गृह ज्योति योजना और पी एम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शामिल है। अटल गृह ज्योति योजना का उददेश्य कम ऊर्जा खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिलों में सब्सिडी देना है। जबकि पी एम सूर्य घर योजना का लक्ष्य घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना है। मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के बिरसिहंपुर में संजय गांधी थर्मल पॉवर स्टेशन 1340 मेगावाट की क्षमता वाला एक कोयला आधारित बिजली संयंत्र है। जबकि सतपुड़ा थर्मल पावर स्टेशन बैतूल जिले के सारनी में स्थित है, यह प्रदेश का तीसरा बड़ा बिजली संयंत्र है। मध्यप्रदेश में पवन ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा वर्ष 2011 में पवन ऊर्जा परियोजना नीति की शुरूआत हुयी थी। प्रदेश के इंदौर, मंदसौर, देवास, रतलाम, राजगढ, और आगर मालवा जिलों में पवन चक्कियाँ स्थापित की गयीं हैं। इसके साथ ही प्रदेश में अपारम्परिक ऊर्जा स्त्रोंतों से भी विद्युत उत्पादन की परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने के लिये युद्व स्तर पर प्रयास किये जा रहें हैं। अमरकंटक, बिरसिंहपुर और सीधी में विद्युत उत्पादन को बढ़ाने के लिये आवश्यक संसाधन जुटायें जा रहें हैं। बिजली उत्पादन और उसकी क्षमता बढ़ाने के लिये मध्यप्रदेश में काम जिस तेज गति से चल रहा है उससे संकेत मिलते हैं कि आगामी पाँच से सात वर्षो के दौरान मध्यप्रदेश पूर्ण रूप से बिजली की कमी से मुक्त होगा।

देश में हरित क्रांति के जनक वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ

संजय गोस्वामी

जन्म तिथि पर विशेष

वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ का पूरा नाम मनकोम्बु संबाशिवन स्वामीनाथ था। उनका जन्म 7 अगस्त 1925 को हुआ था। वह कृषि वैज्ञानिक के साथ ही पादप आनुवंशिकीविद (Plant Geneticist) भी थे। उनको 1972 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) का महानिदेशक बनाया गया और भारत सरकार के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। देश में हरित क्रांति की शुरुआत करने वाले महान कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन (MS Swaminathan) को केंद्र सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया गया वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ ने देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ा काम किया था। स्वामीनाथन ने गेहूं और चावल की ऐसी वेरायटी तैयार की थी जिससे न केवल पैदावार में इजाफा हुआ, बल्कि उनके प्रयासों से देश को सूखे से बचाने में भी मदद मिली। उनका विवाह मीना स्वामीनाथन से हुआ था, जिनसे उनकी मुलाकात 1951 में हुई थी जब वे दोनों कैम्ब्रिज में पढ़ रहे थे। वे चेन्नई, तमिलनाडु में रहते थे। उनकी तीन बेटियाँ सौम्या स्वामीनाथन (एक बाल रोग विशेषज्ञ), मधुरा स्वामीनाथन (एक अर्थशास्त्री), और नित्या स्वामीनाथन (लिंग और ग्रामीण विकास) हैं।गांधी और रमण महर्षि ने उनके जीवन को प्रभावित किया।अपने परिवार के स्वामित्व वाली 2000 एकड़ जमीन में से, उन्होंने एक तिहाई विनोबा भावे के कारण दान कर दी। 1960 के दशक में भारत समेत पड़ोसी देशों को अकाल की स्थिति से बचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया था।बाद में 1979 में वह प्रधान सचिव बनाए गए थे। वह योजना आयोग में भी रहे। देश को सूखे से बचाने पर उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया था।अपने करियर की शुरुआत सिविल सेवा से की, लेकिन उनकी रुचि कृषि में थी। इस वजह से उन्होंने इस क्षेत्र में रिसर्च करना शुरू कर दिया। यूरोप और अमेरिका के कई बड़े संस्थानों में उन्होंने अपने रिसर्च से महत्वपूर्ण खोजे कीं और उपलब्धियां हासिल कीं। 1954 में उन्होंने सेंट्रल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट (Central Rice Research Institute) कटक में जैपोनिका किस्मों से इंडिका किस्मों में फर्टिलाइजर रिस्पांस के लिए जीन ट्रांसफार्मर करने पर बड़ा काम किया।उन्होंने इसे "उच्च उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने का पहला प्रयास बताया जो अच्छी मिट्टी की उर्वरता और अच्छे जल प्रबंधन का जवाब दे सकती हैं।"इसकी आवश्यकता इसलिए थी क्योंकि आज़ादी के बाद भारतीय कृषि बहुत अधिक उत्पादक नहीं थी। वर्षों के औपनिवेशिक शासन ने इसके विकास को प्रभावित किया और देश के पास इस क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए संसाधनों की कमी थी। हालत यह थी कि भोजन के लिए जरूरी फसलों को भी अमेरिका जैसे देशों से आयात करना पड़ता था। कृषि वैज्ञानिक मनकोम्बु सम्बाशिवन स्वामीनाथन, जिन्हें भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है, ने 1960 के दशक के मध्य में कृषि उत्पादन में वृद्धि का काम किया। मेक्सिको में एमएपी की सफलता से प्रेरित होकर, उन्होंने बोरलॉग के साथ मिलकर नई मैक्सिकन गेहूं की किस्में विकसित कीं। नए बीजों से लैस, स्वामीनाथन ने कठोर परीक्षणों के माध्यम से उनकी क्षमता का प्रदर्शन करके किसानों और भारत सरकार को उन्हें अपनाने के लिए राजी करने के मिशन की शुरुआत की। 1966 में भारत ने 18,000 टन नए मैक्सिकन गेहूँ के बीज आयात किए, जिससे भारत में, विशेष रूप से उत्तर-पश्चिमी राज्यों पंजाब और हरियाणा में, गेहूँ के उत्पादन में आमूल-चूल परिवर्तन आया।

भारत में गेहूँ का उत्पादन 1965 के 1.2 करोड़ टन से बढ़कर 1970 में 2 करोड़ टन हो गया। उच्च उपज वाले चावल के बीजों की किस्मों के विकास के साथ भारत में चावल का उत्पादन भी बढ़ा। 1971 में भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया, और 1970 के दशक के अंत तक भारत दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में से एक बन गया। प्रभाव मेक्सिको में एक प्रयोग के रूप में शुरू हुई इस क्रांति ने अंततः दुनिया भर में, विशेष रूप से ब्राज़ील, चीन, पाकिस्तान और फिलीपींस जैसे विकासशील देशों में, कृषि में क्रांति ला दी। हरित क्रांति ने कृषि का औद्योगिकीकरण किया। रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और सिंचाई की विशेषता वाली आधुनिक खेती ने खेती के पारंपरिक तरीकों का स्थान ले लिया। हालाँकि यह प्रगति अभूतपूर्व थी, लेकिन इसके परिणाम भी हुए। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण प्रदूषण, मृदा क्षरण और जैव विविधता में कमी आई।

बड़े पैमाने पर सिंचाई परियोजनाओं के परिणामस्वरूप भूजल स्तर में कमी आई है। गरीब किसान अक्सर उच्च उपज वाले बीज, उर्वरक और सिंचाई प्रणाली जैसे आधुनिक कृषि सामग्री नहीं खरीद पाते हैं, जिससे उनकी उपज कम हो जाती थी, हरित क्रांति सही दिशा में एक बदलाव है, लेकिन इसने दुनिया को स्वप्नलोक में नहीं बदल दिया है। इसकी सीमाओं के बारे में उन लोगों से ज़्यादा कोई नहीं जानता जिन्होंने इसे शुरू किया और इसकी सफलता के लिए संघर्ष किया। यह देखते हुए कि हरित क्रांति ने भूख और अभाव के खिलाफ मनुष्य के युद्ध में एक अस्थायी सफलता हासिल की है, सरकारों और अन्य हितधारकों को न केवल कृषि अनुसंधान में बल्कि शिक्षा, रोजगार, आवास और स्वास्थ्य सेवा में भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। स्वामीनाथन का 28 सितंबर 2023 को चेन्नई स्थित उनके घर पर 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जिन्हें आज भी भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है।

पीएम व केंद्रीय गृहमंत्री अचानक राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की- राजनीतिक गलियारों में सियासी अटकलें चरम पर पहुंची!

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की नजरें भारत की हर गतिविधियों पर लगी रहती है वैसे भी अभी 21 जुलाई से 21 अगस्त तक मानसून सत्र चल रहा है तो निगाहें और भी पैनी हो जाती है कि, संसद किस तरह के बड़े फैसले लेता है,या फिर ऑपरेशन सिंदूर पर 32 घंटों की बहस के बाद अब फ़िर एसआई आर पर संसद में हंगामें केकारण कामकाज ठप्प पड़ा है,ऊपर से उपराष्ट्रपति का चुनाव 9 सितंबर 2025 को होने की घोषणा हो चुकी है सांसद में बड़े-बड़े बिल पेंडिंग है, इस बीच भारत सरकार व पार्टी के दो मुख्य पावरफुल सर्वोच्च दिग्गजों का अचानक रविवार 3 अगस्त 2025 को राष्ट्रपति भवन में जाकर राष्ट्रपति से मुलाकात करने की गतिविधि ने भारत ही नहीं पूरे विश्व का ध्यान खींचा है,इसीलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि जरूर कोई अति खास महत्वपूर्ण मुद्दा होगा जो दोनों दिग्गज अलग-अलग रूप से राष्ट्रपति भवन में जाकर उनसे मुलाकात की है,जिसका खुलासा कुछ दिनों में हो जाएगा, परंतु राजनीतिक हल्कों में सियासी अटकलों का बाजार गर्म हो गया है, विपक्ष अलर्ट हो गया है कि कहीं कोई बड़ा फैसला तो नहीं लिया जा रहा है, या फिर मानसून सत्र में कोई बड़ा बिल तो पेश नहीं किया जाएगा और हंगामें के बीच ध्वनिमत से पारित कर लिया जाएगा या फिर जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की भी तैयारी या फिर उपराष्ट्रपति के नाम पर मोहर लग चुकी है इसके कयास लगाए जा रहे हैं। चूँकि सरकार के दो मुख्य स्तंभों का मानसून सत्र में राष्ट्रपति से मिलना कोई बड़ा फैसला, बड़ा बिल, जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा या फिर उपराष्ट्रपति के चुनाव का मामला हो सकता है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पीएम गृहमंत्री नें अचानक राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की, राजनीतिक गतिविधियों में सियासी अटकलें चरम सीमा पर पहुंची। साथियों बात अगर हम रविवार 3 अगस्त 2025 को भारत में सियासी हलचल तेज होने की करें तो,रविवार को पीएम ने और केंद्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। दोनों नेताओं के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है।हालांकि अभी तक यह सामने नहीं आया है कि पीएम और गृहमंत्री के राष्ट्रपति से मिलने के पीछे क्या कारण है। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात क़ी सियासी दरअसल, दोनों नेताओं की राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद अलग-अलग तरह के कयास लगाए जा रहे है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार या तो कोई बड़ा फैसला लेने पर विचार कर रही है या फिर सदन में कोई बड़ा बिल लाना चाहती है। इसलिए दोनों नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात की है। बता दें कि संसद का मानसून सत्र चल रहा है। मानसून सत्र के पहले दिन से ही विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर और बिहार में एसआईआर को लेकर चर्चा की मांग कर रहा है। इन दोनों मांगों को लेकर विपक्ष ने लगातार प्रदर्शन किया। विपक्ष की मांग के बाद संसद के दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो गई है,लेकिन एसआई आर पर अभी तक चर्चा नहीं हुई है। विपक्ष इस मुद्दे पर सदन में चर्चा चाहता है लेकिन सरकार अभी तक इसपर बिल्कुल ही तैयार नहीं है। साथियों बात अगर हम इस मुलाकात के माइनें 9 सितंबर 2025 को होने वाले चुनाव से जोड़कर देखें तो, चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा कर दी है। 9 सितंबर को मतदान होगा। वर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके कारण नए उपराष्ट्रपति का चुनाव हो रहा है। 7 अगस्त को चुनाव आयोग की तरफ से अधिसूचना जारी की जाएगी।

बता दें कि 21 जुलाई को पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया। ऐसे में फिर से उपराष्ट्रपति पद पर चुनाव होना है। यहां समझें दोनों सदनों का नंबर गेम, संसद की दोनों सदनों में सांसदों की कुल संख्या 782 है। उपराष्ट्रपति पद पर जीत दर्ज करने के लिए उम्मीदवार को 391 मतों की आवश्यकता होती है। लोकसभा में 542 सदस्यों में, एनडीए के 293 सांसद हैं। वहीं, राज्यसभा में 240 सदस्यों में से 129 सदस्य एनडीए के हैं। कुल मिलाकर एनडीए को 422 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। ऐसे में एनडीए का उम्मीदवार ही उपराष्ट्रपति पद का दावेदार हो सकता है। फिलहाल की तरफ से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की गई है। यहां रेखांकित करने वाली बात यह है कि पार्टी के पास इस समय उपराष्ट्रपति चुनाव में धनखड़ और नायडू जैसी स्थिति नहीं है अभी तीन पहियों पर सरकार सवार है इसलिए बाकी दो पहियों से उम्मीदवार के नाम पर सहमति लेना जरूरी हो गया है,नहीं तो नंबर गेम में बड़ा खेला होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता नंबर गेम के हिसाब से और दो पहिए अगर क्रॉस वोटिंग कर गए गए तो हो सकता है उपराष्ट्रपति विपक्ष का हो जाए पर इसकी संभावना बहुत कम है। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता शशि थरूर के बयान की करें तो, जब कांग्रेस सांसद शशि थरूर से पूछा गया कि देश का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि केवल सत्तारूढ़ पार्टी का उम्मीदवार इस पद पर बैठ सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यह मालूम नहीं है कि वह किसे उपराष्ट्रपति बनाएगी। थरूर ने कहा कि हम बस इतना जानते है कि वह जिसे उम्मीदवार बनाएगी, वह व्यक्ति ही अगला उपराष्ट्रपति होगा। यह संसद के दोनों सदनों का चुनाव है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में राज्य की विधानसभाएं भी चुनाव करती हैं, लेकिन उपराष्ट्रपति के लिए केवल लोकसभा और राज्यसभा ही मतदान करते हैं। इसलिए हम बहुमत पहले से ही जानते हैं। आगे कहा कि इतना समझ लीजिये कि अगला उपराष्ट्रपति सत्तारूढ़ दल द्वारा नामित व्यक्ति होगाउन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि केंद्र अगले उपराष्ट्रपति को चुनने के लिए विपक्ष की भी सलाह लेगा, लेकिन कौन जाने?

साथियों बात अगर हम उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया व योग्यता की करें तो, उपराष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया और योग्यता (1) भारत का नागरिक होना चाहिए(2) कम से कम 35 वर्ष की आयु होनी चाहिए (3) राज्यसभा का सदस्य चुने जाने की योग्यता होनी चाहिए (4) उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया होती है (5) उम्मीदवार को 15,000 रूपए की जमानत राशि जमा करनी होती है (6) 1/6 वोट न मिलने पर जमानत राशि जब्त हो जाती है (7) नामांकन पत्रों की जांच के बाद वैध उम्मीदवारों की सूची तैयार की जाती है (8) मतदान प्रक्रिया में, मतदाता अपनी पसंद के अनुसार उम्मीदवारों को प्राथमिकता देते हैं (9) उदाहरण के लिए, यदि तीन उम्मीदवार A, B, और C हैं, तो मतदाता प्राथमिकता दर्शा सकता है (10) हर सांसद एक वोट देता है (11) प्राथमिकता के आधार पर उम्मीदवारों को 1, 2, 3...के क्रम में दर्शाता है (12) मतों की गिनती के बाद, उम्मीदवारों को उनकी प्राथमिकता के अनुसार मतों का आवंटन किया जाता है (13) सबसे ज्यादा मत पाने वाले उम्मीदवार को राष्ट्रपति चुनाव का विजेता घोषित किया जाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि पीएम व केंद्रीय गृहमंत्री अचानक राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की- राजनीतिक गलियारों में सियासी अटकलें चरम पर पहुंची !सरकार के दो मुख्य स्तंभों का मानसून सत्र में राष्ट्रपति से मिलना कोई बड़ा फैसला,बड़ा बिल,जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा या फिर उपराष्ट्रपति चुनाव का मामला?सरकार के दो सर्वोच्च दिग्गजों का राष्ट्रपति से एक ही दिन अलग-अलग मिलना, किसी बड़े महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर इशारा करता है।

श्रावण में शिव-राम भक्ति के श्रवण से जीवन का उद्धार

सरलता के सुगंध की वर्षा करने वाले शिव का प्रिय माह समापन की ओर अग्रसर है। भूत-भावन भोलेनाथ को राम नाम अत्यंत प्रिय है। वे माता पार्वती को भी राम नाम की कथा श्रवण के लिए प्रेरित करते है और माँ भी आतुर होकर जगतपति श्री राम की कथा श्रृद्धा पूर्वक श्रवण करती है। राम कथा की अमृत वर्षा में महेश और भवानी सदैव सराबोर होते है। भगवान होने के पश्चात् भी वे राम भक्ति में ही आनंद की अनुभूति करते है। शिव सदैव सरलता और त्याग से सुशोभित होते है और माँ भगवती जगदम्बा शिव के इसी स्वरुप का सदैव वरण करना चाहती है। श्रावण माह तो प्रभु की भक्ति के श्रवण का भी माह है, फिर भले ही वह राम कथा हो या शिवमहापुराण। रूद्र अवतार हनुमान भी तो राम कथा प्रेमी है। इसलिए जब भगवान राम ने अपनी लीला समाप्त की और हनुमान से चलने का आग्रह किया तो उन्होंने चलने से मना कर दिया, क्योंकि भगवान की कथा रूपी अमृत वर्षा तो केवल धरती पर ही होती है और वे सदैव इसी राम कथा के रसास्वादन में लीन रहते है। श्रावण माह हमें श्रवण अर्थात सुनने की ओर भी प्रेरित करता है। भगवान की कथा सुनने के पश्चात् हमें भक्ति करने में आनंद का अनुभव होता है और यह कथा श्रवण हमारी भक्ति को और भी दृढ़ता प्रदान करती है। कथाएँ हमें भगवान के स्वरुप को समझने में सहायक होती है और जीवन के संशय को समाप्त करती है। जीवन में श्रवण का महत्त्व सर्वाधिक है। राजा परीक्षित को कथा के द्वारा ही उद्धार प्राप्त हुआ था। हरि और हर की कथा श्रवण तो जीवन की उन्नति और उद्धार का मार्ग प्रशस्त करती है। जलधारा से प्रसन्न होने वाले शिव जल के अभाव में भी मात्र शिव मानस पूजा से प्रसन्न हो जाते है, अर्थात हम मन से भी विभिन्न शिव प्रिय द्रव्यावली अर्पित कर शिव कृपा प्राप्त कर सकते है। भगवत कथा श्रवण से हमारी मन की आँखें खुलती है। हम ह्रदय से कहाँ है यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी अपने ह्रदय में भगवान के स्वरुप को विराजमान कर सकते है। कथा हमें हमारे ह्रदय में ईश्वर के प्रति प्रेम और अनुराग को पल्लवित और पुष्पित करती है।शिव अजन्मे है, इसलिए उनकी लिङ्ग रूपों में सर्वत्र पूजा होती है। यह उनका निराकार स्वरुप है। लिङ्ग पूजा का विधान आकाश, पाताल एवं पृथ्वी लोक सभी जगह है। स्वयं श्री हरि नारायण, माता लक्ष्मी, ब्रह्मदेव, देवता-दानव, यक्ष, गन्धर्व इत्यादि अपने-अपने मनोरथ के अनुरूप विभिन्न प्रकार के शिवलिंग का पूजन एवं अर्चन करते है। शिव अपना साकार स्वरुप भक्त को दर्शन देते वक्त प्रत्यक्ष करते है। सत्यम शिवम् सुंदरम रूप ही शिव का सर्वश्रेष्ठ स्वरुप है। शिव के जीवन और शिव की वेशभूषा में भी गहराई निहित है। शिव की ध्यान मुद्रा अंतर्मुखी होने को प्राथमिकता देती है, अर्थात हमें सर्वप्रथम अपने भीतर की उथल-पुथल को शांत करना है। भीतर की एकाग्रता हमें बाहर के परिवेश से प्रभावित नहीं होने देगी और तभी हम शिव के आनंद स्वरुप को प्राप्त कर सकते है। शिव की वेशभूषा में सर्पो से श्रृंगार है। शिव के कुंडल भी विष के है। दुनिया हमें जहर रूपी विष प्रदान करेगी परन्तु हमें कथा के श्रवण से उस विष के प्रभाव को नष्ट कर देना है और जीवन में कुछ अच्छा ग्रहण एवं आत्मसात करना है। शिव के कंठ में विष और ह्रदय में राम है। इसलिए उन्होंने विष को कंठ में ही रोक दिया और नीलकंठ भगवान शिव ने अपने ह्रदय को अपने आराध्य श्री राम के लिए निर्मल एवं पवित्र रखा, इसीलिए सारी विषमताओं के बावजूद भी वे सदैव ध्यान में एकाग्र रहते है। शिव ने जटाधारी स्वरुप धारण किया है, वे अन्य देवताओं की तरह स्वर्ण एवं हीरे जड़ित मुकुट एवं आभूषण धारण नहीं करते है, क्योंकि यह सब माया का स्वरुप है और शिव योगी है। शिव ने अपनी जटाओं को बाँधकर यह सन्देश दिया है कि हमें जीवन के जंजालो एवं झंझटों को बांधना होगा। उनकों कभी सबके सामने प्रदर्शित न करें। उनको समेटने की कोशिश करें, क्योंकि यह जीवन का एक हिस्सा है। शिव के शीश से गंगा प्रवाहित होती है, इसका अर्थ है हमें भक्ति को जीवन में सर्वोच्च स्थान प्रदान करना चाहिए क्योंकि गंगा भक्ति का स्वरुप है। शिव के मस्तक पर चन्द्रमा सुशोभित है और यह चन्द्रमा शीतलता प्रदान करता है इसका तात्पर्य है हमें भी मस्तक पर शीतलता को धारण करना होगा अर्थात शांत चित्त रहना होगा तभी हम अपने जीवन को एक निश्चित ध्येय प्रदान कर सकते है। शिव परिवार की सबसे अनूठी विशेषता यह भी है की शिव परिवार का सदस्य पूजित है। माँ पार्वती, गणेश, कार्तिकेय, नंदी, रिद्धि सिद्धि, शुभ, लाभ यह सभी पूजित है। शिव परिवार में सांसारिक सुविधाओं की कमी है फिर भी आनंद और स्नेह की अविरल धारा कैलाश में प्रवाहित होती रहती है। यह शिव साक्षात् कल्याण का स्वरुप है, तो क्यों न श्रावण के अंतिम दिनों में शिव और शिव के आराध्य श्री राम की कथा श्रवण कर हम इस मनुष्ययोनि के उद्धार का मार्ग प्रशस्त करें।

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, त्रियोदशी, गुरुवासरे, पू.षा. नक्षत्रे, विवयोगे, तैतिल करणे, धनु की चंद्रमा, चतुर्दशी व्रत, रवियोग 21/26 वाहन क्रय विक्रय, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल..........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, शिक्षक-शिक्षविद्, शिक्षाशास्त्री, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्योगपति होगा।

मेष :- यात्रा से लाभ, कुसंग हानि, गृह कलह, मानसिक अशांति अवश्य ही बनेगी।

वृष :- आर्थिक व्यय, स्वजन कष्ट, विवाद, अस्थिरता व अशांति का वातावरण बना ही रहेगा।

मिथुन :- शुभ कार्य, भूमि हानि, कार्य सिद्धी, लॉटरी-सट्टा से हानि की सम्भावना बनी ही रहेगी।

कर्क :- धन हानि, रोगभय, नौकरी में चिन्ता, राजकार्य, गृहकार्य में व्यवस्था होती ही रहेगी।

सिंह :- कार्य में निराशा, खेती में लाभ तथा शत्रुभय बना ही रहेगा, उद्योग व्यापार से लाभ।

कन्या :- शरीर कष्ट, राजलाभ, व्ययभार बढ़ेगा, दाम्पत्य जीवन असमंजस सा बना रहेगा।

तुला :- चोट-अग्नि भय, धार्मिक कार्य, कष्ट व्यापार में उलझन की स्थिति बनी ही रहेगी।

वृश्चिक :- बाधा, धन लाभ, यात्रा, कष्ट, गृहकार्य, राजकार्य में रुकावट की स्थिति रहेगी।

धनु :- रोगभय, मुकदमें में जीत, मानसिक परेशानी, अपवाद तथा व्यर्थ उलझन बढ़ जायेगी।

मकर :- व्यापार में लाभ, शत्रुभय, धनसुख, कार्यों में सफलता का योग, रुके कार्य बनेंगे।

कुम्भ :- कलह, व्यर्थ खर्च, सफलता प्राप्त, सामाजिक कार्यों में रुकावट का अनुभव होगा।

मीन :- स्वजन सुख, पुत्र चिन्ता, धन हानि, राजकार्य में विलम्ब, परेशानी बढ़ सकती है।

इस प्रकार आप रहेंगे सेहतमंद

अगर आप हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप बहुत सी बीमारियों से दूर रहते हैं। एक सर्वेक्षण में कहा गया है अगर कोई आदमी 70 साल का है और वह हर रोज एक्सरसाइज करता है तो उसकी उम्र बढ़ जाती है और बीमारियों से भी दूर रहता है। यह स्वस्थ रहने के लिए यह सबसे बड़ा नुस्खा है।

पौष्टिक भोजन

स्वस्थ रहने के लिए अच्छा भोजन या कहें बैलेंस डाइट की बहुत जरूरत होती है क्योंकि आप जानते हैं ज्यादातर बीमारी गलत डाइट से होती है इसलिए बैलेंस डाइट को अपनाएं! आपके भोजन में उपयुक्त 3 से 5 लीटर पानी पिए हैं। फल और सब्जी खाएं, खाना को चबाकर खाएं, रात में कम खाना कम खाएं, किसी भी एक चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन ना करें। कोशिश करें प्रकृति ने जो कुछ आपको खाने के लिए दिया है वह सबकुछ का मजा लें।

स्वस्थ मस्तिष्क

यह आपके जिंदगी का यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है! लोग इस पर ध्यान कम देते हैं ! दुख देने वाले से दूर रहें, सोते समय ना सोचे, कमाई से अधिक खर्च ना करें, किसी से झूठा वादा ना करें, जिसको आप पूरा ना कर सके, बिना मतलब का कुछ ना सोचें हैं, अच्छे लोगों से मिले हैं और उसे दोस्त करें खूब हंसे और दूसरे को हंसाने की कोशिश करें। दिमाग का सीधा रिश्ता दिल से होता है अगर आप तनाव में रहते हैं तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ता है जिस से बहुत सारी बीमारियां होती हैं जैसे हार्ट अटैक आदि। अपने लाइफ स्टाइल को ठीक करें जल्दी सोए और जल्दी जगे। चिंता, क्रोध, शोक, शक और दूसरों से उम्मीद करना छोड़ें।

अच्छी नींद

वैज्ञानिक मानते हैं कि नींद सबसे बड़ी दवा है आप गौर कीजिए जब आप काम करके बहुत ज्यादा थक जाते हैं। अगर आप गहरी नींद से सोते हैं तो सुबह अपने आप को आप

तरोताजा पाते हैं। इसीलिए कहा जाता है अच्छी नींद का होना बहुत जरुरी है। कम नींद होना या ज्यादा नींद का होना इसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययन से पाया गया है कि 8 घंटा से ज्यादा और 6 घंटे से कम नहीं सोना चाहिए। सोते समय सोचना नहीं चाहिए जिससे आपकी नींद खराब होती है और आप सही सोच भी नहीं पाते हैं क्योंकि आप थके हुए होते हैं!

लोग अपनी बीमारियों को डालने की कोशिश करता है या फिर अपनी बीमारियों को झूठलाता है कि मुझे यह बीमारी नहीं है इसका चयन स्वयं करें। डॉक्टरी सलाह अवश्य लें समय रहते अगर आप डॉक्टर से मिलते हैं तो आप का इलाज कम खर्च में जल्दी हो जाता है।विश्व स्वास्थ संगठन अपने गाइडलाइंस में कई बार बता चुका है कि आप हर रोज पांच अलग कलर का फल खाएं! संडे हो या मंडे हर दिन एक अंडे कम से कम खाएं। साफ पानी तीन से 5 मीटर हर दिन पीने की कोशिश करें! दूध का इस्तेमाल करें चाय पीने में दूध का इस्तेमाल होना इसे दूध का सेवन नहीं माना जाता है दूध पिए हैं या धूप से बना हुआ खाना खाएं।

खुश रहने के बहाने खोजें

सिर्फ अपने आपको कामनाएं वयस्त रखना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है! आप कामभी करें साथ ही साथ खुश रहने के लिए अलग-अलग तरीकों को अपनाएं जैसे खेल कूद में भाग लेना, फिल्म देखना, अपने मनपसंद दोस्त से मिलना, घूमने जाना, मजाकिया आदत रखना, और मनपसंद खाना खाना आदि।स्वस्थ रहने के लिए हाइजीन का होना बहुत जरूरी है सिर्फ अपने आप को साफ करना बहुत बड़ी बात नहीं है! आप जो समान इस्तेमाल करते हैं उसका भी साफ होना उतना ही जरुरी है और जहां पर आपका खाना पकता है उसका भी साफ होना जरूरी है।

अचानक ब्लड प्रेशर हाई हो तो करें ये उपाय

आजकल तनाव और जीवनशैली के कारण ब्लड प्रेशर की बिमारी बढ़ती जरा रही है। आज के समय में ब्लड प्रेशर और डायबिटीज की समस्या कई लोगों में देखने को मिल रही है। यह बीमारियां अब आम समस्या के रूप में हमारे सामने है. इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे खाने पीने को लेकर की गई लापरवाही, बढ़ता हुआ तनाव. हाई ब्लड प्रेशर होना हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। हाई ब्लड प्रेशर हमारे हार्ट और ब्रेन को नुकसान पहुंचा सकता है और इसके वजह से हार्ट अटैक, स्ट्रोक हो सकता है। आज के समय में तनाव इतना ज्यादा बढ़ गया है कि ब्लड प्रेशर कई बार बढ़ जाता है। ऐस में इसे इस प्रकार से नियंत्रित करें।

हाई ब्लड प्रेशर सेहत के लिए हानिकारक है। ब्लड प्रेशर बढ़ने पर आपको गहरी सांस लेनी चाहिए। ऐसा करने से आप रिलैक्स फील करेंगे और मन शांत रहेगा। आप धीरे-धीरे सांस लें. ऐसा करने से आपको फायदा पहुंचेगा।

पानी का सेवन हमारे सेहत के लिए बहुत आवश्यक है। पानी की कमी के वजह से भी कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप का ब्लड प्रेशर हाई है तो तुरंत पानी पीना चाहिए। हाई ब्लड प्रेशर होने पर आपको आराम करना चाहिए। अगर ब्लड प्रेशर हाई होने के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो एक जगह लेट कर आराम करें।

तनाव के कारण ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। अगर आप अचानक तनाव में आ जाते हैं तो इस स्थिति में अपनी आंखें बंद करके सांस लें और अपना ध्यान दूसरी तरफ लगाने की कोशिश करें। आप वॉक पर भी जा सकते हैं. नेचर के बीच में समय बिताने से आपका मन शांत रहेगा।

तीन प्रकार की होती है हरड़

स्वस्थ रहने के लिए हरड़ का प्रयोग नियमित करना चाहिए। शास्त्र में इसकी सात जातियां बतायी गयी है। विजया, रोहिणी, पूतना, अमृता, अभया, जीवंती और चैतकी। व्यावहारिक दृष्टिकोण से तीन प्रकार की होती है। छोटी हर्रे, पीली हर्रे और बड़ी हर्रे। यह तीनों एक ही वृक्ष के फल है। यह कॉम्ब्रेटेसी परिवार का पौधा है। इसका उपयोगी भाग फल है।इसका वृक्ष विशाल लगभग 80-100 फीट ऊंचा होता है। फूल छोटा, सफेद या पीले रंग का होता है। फल एक से डेढ़ इंच लंबा अंडाकार, पृष्ठ भाग पर पांच रेखाओं से युक्त, कच्चा में हरा, पकने पर धूसर पीला रंग का हो जाता है। प्रत्येक फल में एक बीज होता है। पके हुए फलों का संग्रहण अप्रैल-मई माह में करना चाहिए।

यह कफ वात व पित जनित रोगों में उपयोगी है। पाचन शक्ति बढ़ती है। खांसी, सांस, कुष्ठ, बवासीर, पुराना ज्वर, मलेरिया, गैस, अपच, प्यास, त्वचा रोग, पेशाब की जलन, आंखों के रोग, दस्त, पीलिया आदि में लाभदायक है। खट्टेपन से वात रोगों को दूर करती है। चटपटेपन से पित रोग और कसैलेपन से कफ का नाश करती है। इसका सेवन बरसात में सेंधा नमक के साथ, जोड़ों में मिश्री के साथ, हेमंत ऋतु में सोंठ के साथ, बसंत ऋतु में शहद के साथ, गर्मी में गुड़ के साथ करना चाहिए।

खाना खाने से पहले इसे लेने से भूख बढ़ती है। बाद में खाने से खाना आसानी से पचता है छोटी हर्रे का चूर्ण लगभग चार से छह ग्राम रात में भोजन करने के एक से दो घंटे बाद पानी के साथ प्रयोग करने से कब्ज की समस्या दूर होती है।

इसका चूर्ण गुड़ व गिलोथ के काढ़े के साथ प्रयोग करने से गठिया में आराम मिलता है।

इसे तंबाकू की तरह चिलम में रखकर पीने से सांस की समस्या दूर होती है

मुख व गले के रोगों में इसका काढ़ा बना कर कुल्ला किया जाता है। इसका चूर्ण दो ग्राम गुड़ के साथ खाना चाहिए। छोटी हर्रे को सुपारी की तरह छोटा-छोटा टुकड़ा कर लें और दिन में खाना खाने के बाद लगभग एक टुकड़े को मुंह में डाल कर अच्छी तरह से चबाना चाहिए। इसके नियमित प्रयोग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

गर्म पानी के साथ गुड़ का सेवन है लाभदायक

गुड़ का सेवन सेहत के लिए लाभदायक होता है। अगर आपका पेट बाहर निकल रहा है और वजन भी बढ़ रहा है तो ऐसे हालात में आपको गुड़ के साथ गर्म पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। आपको दो टुकड़ा गुड़ ले लेना है और उसके बाद एक ग्लास गर्म पानी पी लेना है। गुड़ में मौजूद पोटैशियम, विटामिन बी1 और बी6 के साथ मैग्नीशियम भी पाया जाता है। इसके नियमित तौर पर इसका सेवन करते हैं तो इससे एक्स्ट्रा कैलरीज बर्न करने में मदद मिलती है.

नींद न आने की समस्या से राहत

अगर आप रात के समय ठीक से सो नहीं पाते हैं या फिर रात को सोते समय आपको बेचैनी महसूस होती है तो ऐसे में आपको गुड़ के साथ गर्म पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। गुड़ में आपको एंटी-डिप्रेसेंट प्रॉपर्टीज पाए जाते हैं जो स्ट्रेस लेवल्स को कम करते हैं और इसके साथ ही बेहतर नींद आने में आपकी मदद करते हैं.

पेट की कई समस्याओं से मुक्ति

अगर आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या है तो ऐसे में आपको हर रात सोने से पहले एक टुकड़े गुड़ के साथ एक ग्लास गर्म पानी पी लेना चाहिए। इसके नियमित सेवन से आपका पेट साफ होता है कब्ज की समस्या से छुटकारा मिल सकता है.

तनाव, अनिद्रा व नशे से होता है पेटदर्द

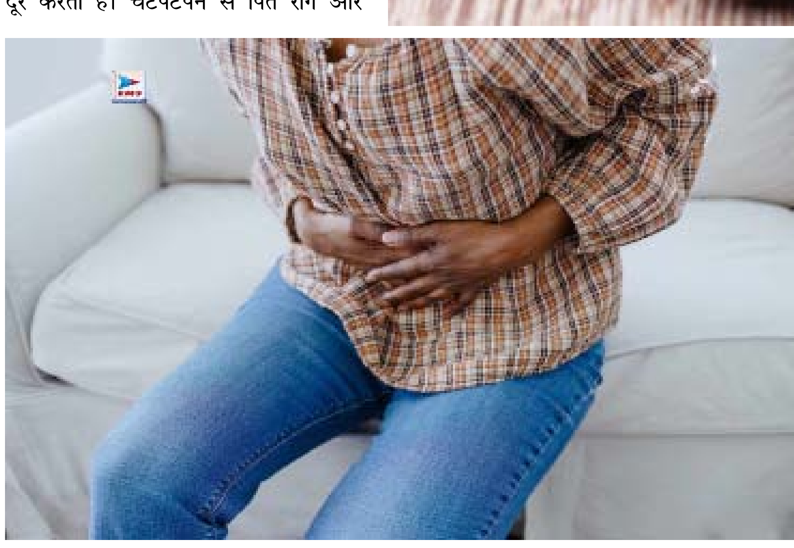

तनाव, अनिद्रा व नशे का प्रभाव पेट पर पड़ता है और इससे कब्ज के साथ ही पेटदर्द भी होता है। इसका कारण यह है कि जब दिमाग में नकारात्मक विचार आते हैं तो आंतों पर असर होता है जिससे पेटदर्द व कब्ज की शिकायत होती है।

आईबीएस यानी इरिटेबल बाउल सिंड्रोम पाचनतंत्र से जुड़ी आम समस्या है। इसकी एक बड़ी वजह तनाव या अन्य कारणों से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली प्रभावित होना है। जब दिमाग में नकारात्मक विचार आते हैं तो आंतों पर असर होता है जिससे पेटदर्द व कब्ज की शिकायत होती है। वहीं व्यक्ति जब नींद लेता है तो उसे इन लक्षणों का अहसास नहीं होता।

लक्षण

पेटदर्द, ऐंठन, आंतों का काम बंद होना, दस्त, तनाव, कब्ज, नींद की कमी व एसिडिटी आईबीएस के प्रमुख लक्षण हैं। पेट का ठीक से साफ न होना व खट्टी डकारें आना। जी मिचलाना और दिन में बार-बार मल त्याग की इच्छा होना। गंभीर स्थिति (60 प्रतिशत मामले) में बुखार आना और खून की कमी। शरीर में पानी की कमी और अपच। स्वस्थ व्यक्ति की आंतों का संतुलन अचानक बिगडऩे का कारण तनाव, अनिद्रा और नशा प्रमुख वजह हैं। जठराग्नि के गड़बड़ाने से भी व्यक्ति के दिमाग में वहम की स्थिति बनी रहती है और वह खुद को रोगी मानने लगता है। पुराने चावल, तुरई, लौकी, अनार, मूंग की दाल, ज्वार, सौंठ, कालीमिर्च, अदरक, लस्सी, धनिया, पुदीना, इलायची व जीरा विभिन्न तरह से प्रयोग में लें। कुछ मामलों में आईबीएस के कारण सिरदर्द, कमरदर्द, जोड़ों व सीने में दर्द होता है। अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा एसिडिटी के कारण भी हो सकता है। मक्के की रोटी, आलू, कद्दू, जिमिकंद, अनानास, लोबिया, राजमा, प्याज, बेसन आदि से बनी चीजों को कम या न के बराबर ही खाएं। आईबीएस का इलाज लक्षणों के आधार पर होता है। प्लेसिबो तकनीक से रोगी का इलाज करते हैं। इसमें मरीज को दिमागी कार्यप्रणाली सुचारू करने के लिए दवाएं दी जाती हैं। पेट में दर्द, ऐंठन, कब्ज या दस्त, बुखार आदि समस्याओं में दवाएं दी जाती हैं। साथ ही शरीर में पानी की कमी होने पर इंट्रावेनस फ्लूड बाहरी रूप से देते हैं। दिमाग को तंदुरुस्त रखने के लिए ओमेगा-३ फैटी एसिड युक्त चीजें खाने और मेडिटेशन आदि करने की सलाह देते हैं। तनाव से बचने के लिए नियमित योग और व्यायाम करें। कैफीन युक्त चीजें जैसे चाय, कॉफी या शीतल पेय न लें। खानपान पर विशेष ध्यान दें, रोजाना 8 -9 गिलास पानी पीएं। कब्ज के कारण वाले पदार्थ जैसे शराब-सिगरेट से दूर रहें। फाइबरयुक्त फूड जैसे केला, सेब, गाजर आदि खाएं। तलाभुना व मसालेदार भोजन न करें। फूलगोभी, पत्तागोभी और मिर्च न खाएं। मानसिक रूप से यदि कोई तनाव, अवसाद का रूप ले रहा है तो परिवार के सदस्यों और दोस्तों से बात साझा करें। आयुर्वेद में इस रोग को गृहणी दोष कहते हैं। इसमें रोगी को किसी प्रकार का गंभीर रोग होने की आशंका रहती है। कच्चे बील का चूर्ण, नमकीन छाछ (भुना जीरा, काला नमक व पुदीना मिली हुई), पीने से फायदा होता है। ब्राह्मी, शंखपुष्पी, अश्वगंधा का प्रयोग उपयोगी है। मेडिटेशन, शवासन व प्राणायाम करने से राहत मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

आधार में हेरफेर कर झूठे क्लेम से मोटी रकम निकाल रहे धोखेबाज

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत में बीमा क्षेत्र में आधार कार्ड का दुरुपयोग कर होने वाली धोखाधड़ी एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। शातिर धोखेबाज अब आधार से जुड़ी प्रक्रियाओं में हेरफेर करके फर्जी पहचान बनाते हैं और झूठे क्लेम से मोटी रकम निकाल रहे हैं। इसके लिए अपराधी जाली या बदले हुए आधार कार्ड का इस्तेमाल करके नकली पहचान बना लेते हैं। इस नकली पहचान का उपयोग करके वे जीवन, स्वास्थ्य और वाहन बीमा जैसी पॉलिसियां खरीदते हैं। आधार से जुड़े फोन नंबर और ईमेल आईडी अक्सर असली पॉलिसीधारक की जानकारी से मेल नहीं खाते हैं। कुछ गिरोह उन कमजोर लोगों को ढूंढते हैं, जो गरीबी या बीमारी से जूझ रहे हैं। वे उन्हें पैसे का लालच देकर उनकी आधार डिटेल्स लेते हैं। बीमा कंपनियों द्वारा ब्लैकलिस्ट किए गए पिन कोड से बचने के लिए धोखेबाज अपने पते बदल देते हैं। वे कम निगरानी वाले छोटे बैंकों में इन लोगों के नाम पर खाते खुलवाते हैं। फिर वे इन पॉलिसियों पर फर्जी क्लेम फाइल करते हैं, जो अक्सर 20 लाख या उससे ज़्यादा के होते हैं। यह धोखाधड़ी आमतौर पर तब तक सामने नहीं आती, जब तक कि कोई क्लेम फाइल न हो जाए या पैसा निकाल न लिया जाए। बीमा कंपनियां और पुलिस अब इन मामलों की गहराई से जांच कर रही हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस मामले में कई बीमा कंपनियों को नोटिस भेजा है और उनकी क्लेम टीमों और इसमें शामिल अधिकारियों की जानकारी मांगी है। बीमा कंपनियां धोखाधड़ी को नियंत्रित करने के लिए इंश्योरेंस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (आईआईबी) के साथ ज़्यादा से ज़्यादा डेटा साझा कर रही हैं। यह जानकारी उन्हें संदिग्ध गतिविधियों और फर्जी क्लेम का पता लगाने में मदद करती है।

भारत को टैरिफ की धमकी दे रहे डोनाल्ड....द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन कर रहा देश में बंपर कमाई

मुंबई,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार का भारत से गहरा कारोबारी रिश्ता है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप परिवार का संगठन, द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन, भारत को अमेरिका के बाहर अपने सबसे बड़े बाज़ार के रूप में देखता है। द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने बीते 10 सालों में भारत में कई बड़े रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं, जिसमें गुरुग्राम, पुणे, मुंबई और कोलकाता जैसे शहर शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स से संगठन ने 175 मिलियन (1450 करोड़ से ज़्यादा) से ज़्यादा की कमाई की है। 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत के बाद, उनके संगठन ने भारत में अपने कारोबार को और भी तेज़ी से बढ़ाया है। उन्होंने भारतीय पार्टनर ट्रिबेका डेवलपर्स के साथ मिलकर छह नए प्रोजेक्ट्स का ऐलान किया है, जिनकी कुल बिक्री 1.8 बिलियन डॉलर (15,000 करोड़) से ज़्यादा होने की उम्मीद है। ये प्रोजेक्ट्स पुणे, गुरुग्राम, हैदराबाद, मुंबई, नोएडा और बेंगलुरु जैसे शहरों में बनाए जा रहे हैं। बात दें कि द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन सीधे तौर पर निर्माण में पैसे नहीं लगाता। इसके बजाय, वह अपने ब्रांड का इस्तेमाल करने की अनुमति देता है, जिसके बदले में द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन को प्रोजेक्ट की बिक्री से 3 से 5 प्रतिशत तक का हिस्सा मिलता है। इस मॉडल के चलते, ट्रंप ब्रांड के लग्ज़री फ्लैट्स की कीमतें ज़्यादा होती हैं, जिससे संगठन को बड़ा मुनाफ़ा होता है। एक ओर जहां राष्ट्रपति ट्रंप अपनी राजनीतिक रैलियों में भारत को डेड इकोनॉमी बताते हैं और टैरिफ लगाने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उनके परिवार का भारत के साथ व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत हो रहा है। यह दिखाता है कि उनकी राजनीतिक बयानबाजी और उनके कारोबारी हित दोनों अलग-अलग हैं। इतना ही नहीं ट्रंप के बेटे एरिक और डोनाल्ड ट्रंप जूनियर भी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि भारत उनके संगठन के लिए सबसे बड़ा विस्तार वाला बाज़ार है। इस तरह, ट्रंप के राजनीतिक रुख के बावजूद, भारत उनके परिवार के लिए एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र बना हुआ है।

भारत में डीमैट खातों की संख्या 20 करोड़ के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड जैसे निवेश माध्यमों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से देश में डीमैट खातों की संख्या पहली बार 20 करोड़ के पार पहुंच गई है। सीडीएसएल और एनएसडीएल के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 31 जुलाई 2025 तक सीडीएसएल के पास 16.1 करोड़ डीमैट खाते थे, जबकि एनएसडीएल के पास 30 जून 2025 तक 4.05 करोड़ खाते दर्ज थे। इन आंकड़ों को मिलाकर कुल डीमैट खातों की संख्या 20.16 करोड़ तक पहुंच गई है, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि इस वृद्धि के पीछे मुख्य रूप से 30 वर्ष से कम उम्र के युवा निवेशकों की भागीदारी है। उनके अनुसार, उनके प्लेटफॉर्म पर लगभग 75 फीसदी नए खाते युवा निवेशकों द्वारा खोले गए हैं। यह दर्शाता है कि युवा वर्ग अब निवेश के प्रति ज्यादा जागरूक और सक्रिय हो रहा है। हालांकि, नए डीमैट खाते खुलने की गति 2025 में कुछ धीमी हुई है। जहां 2024 में प्रति माह औसतन 30 से 46 लाख नए खाते खुलते थे, वहीं इस वर्ष यह संख्या घटकर 20 से 28 लाख प्रति माह रह गई है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई । आज कारोबार के दौरान आईटी और फार्मा शेयरों में हुई भारी गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.26 अंक नीचे आकर 80,543.99 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.35 अंक फिसलकर 24,574.20 अंक पर आ गया। आज रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बनाये रखा जिससे भी कई क्षेत्रो में गिरावट दर्ज की गयी और बाजार लाल निशान पर बंद हुए।

आज के बाजार में सेंसेक्स कंपनियों में से इन्फोसिस, सन फार्मास्युटिकल्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे जबकि अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, बीईएल और भारतीय

स्टेट बैंक के शेयर उछले। इससे पहले आज सुबह आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति एमपीसी ने रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर बनाए रखने का ऐलान किया। इस घोषणा के बाद सेंसेक्स लगभग 116 अंक गिरकर 80,600 के स्तर पर पहुंच गया। जबकि एनएसई निफ्टी50 इंडेक्स 50 अंक की गिरावट के साथ 24,600 के स्तर पर आ गया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कोर महंगाई दर 4 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून और अन्य अनुकूल परिस्थितियां देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन देना जारी रखे हुए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा कि वह अगले 24 घंटों में टैरिफ में 'काफी भारी' बढ़ोतरी करेंगे क्योंकि भारत रूसी तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने आगे कहा कि भारत "एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं है। वहीं वॉल स्ट्रीट के साथ एशियाई शेयर बाजार में भी बुधवार को गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.61 फीसदी बढ़कर 8,824 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस बीच, जापान का निक्केई 225 0.12 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.64 फीसदीनीचे रहा। अमेरिका में मंगलवार को वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए।

भारत में पेरासिटामोल पर प्रतिबंध नहीं: अनुप्रिया पटेल

पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़ पर प्रतिबंध लगाया गया है

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संसद के मानसून सत्र के दौरान पेरासिटामोल दवा पर प्रतिबंध को लेकर उठे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने भारत में आमतौर पर उपयोग की जाने वाली पेरासिटामोल दवा पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। हालांकि, पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़, जो अन्य दवाओं के साथ संयोजन में आते हैं, उन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

अनुप्रिया पटेल ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में अफवाहों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि देश में पेरासिटामोल प्रतिबंधित नहीं है और यह दवा सामान्य रूप से उपलब्ध है। इसके साथ ही, राज्य मंत्री ने सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शुरू की गई मुफ्त दवा सेवा पहल की जानकारी दी। इस पहल का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों समेत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में

आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और मरीजों के जेब खर्च को कम करना है। इस योजना के तहत राज्यों को निःशुल्क दवाओं के प्रावधान के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। सरकार दवाओं की खरीद, गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ऑडिटिंग और शिकायत निवारण जैसी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए कड़ी व्यवस्था कर रही है। साथ ही औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली नामक सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म की मदद से आवश्यक दवाओं की खरीद और उपलब्धता की निगरानी की जा रही है। सरकारी अस्पतालों और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 697 दवा फॉर्मूलेशन के लिए सक्रिय दर अनुबंध भी बनाए गए हैं। इससे देशभर में आवश्यक दवाओं की गुणवत्तापूर्ण और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। रियल एस्टेट कंपनी श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का शेयर बुधवार को अपने आईपीओ निर्गम मूल्य 150 रुपये से 19 फीसदी से अधिक बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 179.10 रुपये पर खुला और बाद में 183.40 रुपये तक पहुंच गया, जो 22.27 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। एनएसई पर भी शेयर 178 रुपये पर खुला और 183.70 रुपये पर कारोबार करने लगा। कंपनी का एनएसई पर बाजार मूल्यांकन 8,971 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने 792 करोड़ रुपये के आईपीओ में पूरी तरह नए शेयर जारी किए, जिसमें कोई ऑफर फॉर सेल नहीं था। आईपीओ को 69.14 गुना अभिदान मिला था। इस सफलता से कंपनी के भविष्य और निवेशकों के भरोसे को मजबूती मिली है।

सरला एविएशन ने राजीव बंसल को सलाहकार नियुक्त किया

मुंबई (ईएमएस)। बेंगलुरु स्थित एयर टैक्सी स्टार्टअप सरला एविएशन ने बुधवार को पूर्व नागर विमानन सचिव राजीव बंसल को अपना सलाहकार नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी की ओर से जारी बयान में बताया गया कि बंसल अब नियामकीय सेवाओं और प्रमाणन से जुड़ी रणनीति के विकास में कंपनी का मार्गदर्शन करेंगे। राजीव बंसल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के तहत लगभग 35 वर्षों तक विभिन्न पदों पर कार्य किया है। वे अगस्त 2023 में सेवा से सेवानिवृत्त हुए और अपने कार्यकाल के दौरान एयर इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे हैं। उनके पास विमानन क्षेत्र का गहरा अनुभव और नीतिगत समझ है, जो अब सरला एविएशन के काम आएगी।

देश के नागरिकों का हित और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता: संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान कहा कि देश के नागरिकों का हित और कल्याण आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से समाज के निचले तबके के लोगों को ध्यान में रखते हुए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। मल्होत्रा ने बताया कि वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1 जुलाई से 30 सितंबर तक देशभर के पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

इन शिविरों में लोगों को नए बैंक खाते खोलने, केवाईसी दोबारा कराने और बीमा व पेंशन योजनाओं से जोड़ने का अवसर मिलेगा। साथ ही, ग्राहक शिकायतों का समाधान भी मौके पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जन-धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने के बाद बड़ी संख्या में खातों की केवाईसी प्रक्रिया दोबारा की जा रही है, जिससे कुछ खाते बंद हुए हैं।

एमएंडबी इंजीनियरिंग का शेयर बाजार में आठ प्रतिशत चढ़ा

लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयर में तेजी देखी गई

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक एमएंडबी इंजीनियरिंग लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत की। कंपनी का शेयर एनएसई पर अपने निर्गम मूल्य 385 पर सूचीबद्ध हुआ, जबकि बीएसई पर यह मामूली बढ़त के साथ 386 पर खुला। लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयर में तेजी देखी गई और यह एनएसई पर 415.60 तथा बीएसई पर 413.70 तक पहुंच गया, जो क्रमशः 7.74 फीसदी और 7.45 फीसदी की बढ़त को दर्शाता है। कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण बीएसई पर 2,379.94 करोड़ रहा। एमएंडबी इंजीनियरिंग के 650 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को

निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी और इसे अंतिम दिन तक 36.2 गुना अधिक अभिदान प्राप्त हुआ। यह आईपीओ 275 करोड़ के नए शेयर और 375 करोड़ की ओएफएस (ऑफर फॉर सेल) का संयोजन था। शेयर का मूल्य दायरा 366 से 385 प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी ने अपने आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से लगभग 292 करोड़ जुटाए थे। जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी द्वारा उपकरण व मशीनरी की खरीद, ऋण भुगतान, कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। तेजी से लिस्टिंग और भारी अभिदान से स्पष्ट है कि निवेशकों को कंपनी के भविष्य की वृद्धि क्षमता और इंजीनियरिंग सेक्टर में उसकी भूमिका पर पूरा भरोसा है।

ईडी की छापेमारी: 260 करोड़ की साइबर ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग का भंडाफोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उत्तराखंड में एक बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह के खिलाफ छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई, जिसमें दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून के कम से कम 11 ठिकानों को निशाना बनाया गया। सूत्रों के अनुसार, यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर का है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून जैसे शहरों में सक्रिय ठग भारतीय और विदेशी नागरिकों को पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर डराते थे और गिरफ्तारी के नाम पर उनसे पैसे ऐंठते थे। इसके अलावा, वे खुद को माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन की तकनीकी सहायता सेवाओं के एजेंट बताकर भी लोगों से ठगी करते थे। ईडी की जांच में पता चला है कि ठगों ने पीड़ितों की धनराशि को क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया था और इसे अपने पास ट्रांसफर कर लिया था। आरोपियों ने कई क्रिप्टो वॉलेट्स में लगभग 260 करोड़ की बिटकॉइन जुटाई थी, जिसे बाद में यूएसडीटी में बदलकर नकदी में तब्दील किया गया। यह लेन-देन कई हवाला ऑपरेटरों और यूएई में स्थित व्यक्तियों के माध्यम से किया गया।

ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड ला रही है आईपीओ

7-11 अगस्त तक पैसा लगाने का मौका

मुंबई (ईएमएस)। प्लास्टिक के घरेलू और किचन सामान बनाने वाली जानी-मानी कंपनी ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) ला रही है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 260 से 275 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ 7 अगस्त से 11 अगस्त तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशकों के लिए यह 6 अगस्त को ही खुल जाएगा। कंपनी इस इश्यू के ज़रिए बाजार से 400.60 करोड़ तक की राशि जुटाने की योजना बना रही है। इस रकम का उपयोग कंपनी विस्तार, ऋण चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए करेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया कोई बदलाव

रेपो रेट 5.5 फीसदी पर बरकरार, बेहतर इकॉनॉमिक की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार सुबह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगस्त बैठक के नतीजों का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया गया है। वैश्विक स्तर पर चुनौतियां एवं टैरिफ को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। गवर्नर ने कहा कि फरवरी से अब तक 100 बेसिस प्वाइंट रेट कट हो चुका है। पॉलिसी दरों में कटौती पर ट्रांसमिशन जारी सभी सदस्यों ने न्यूट्रल रुख बरकरार रखा है। अनिश्चितता से दरों में ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने का फैसला सरकार को बेहतर इकॉनमी की उम्मीद है। एक सर्वे में 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि समिति यथास्थिति बनाए रखेगी। वहीं कम से कम 10 उत्तरदाताओं ने 25 आधार अंकों (बीपी) की ब्याज दर में कटौती का

अनुमान जताया था। केंद्रीय बैंक इस साल फरवरी से अब तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस साल जून की मौद्रिक नीति की बैठक में रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती की गयी थी। वहीं फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25-0.25 प्रतिशत की कमी की गयी थी। बता दें कि यह वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मॉनेटरी पॉलिसी है। इसके साथ ही तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक समाप्त हो गई। यह सोमवार, 4 अगस्त से शुरू हुई थी।

ज्यादातर विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि आधार अंकों की कटौती के बाद रेपो दर को अपरिवर्तित रख सकती है। इस साल फरवरी और जून के बीच कुल 100 आधार अंकों की कटौती के साथ रेपो दर वर्तमान में 5.5 प्रतिशत है। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक कमर्शियल बैंकों को कर्ज देता है। यह दर सीधे ग्राहकों के कंज्यूमर को प्रभावित करती है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंक भी आमतौर पर अपने ऋणों की ब्याज दरें बढ़ा देते हैं। इससे होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई महंगी हो जाती है। वहीं, यदि रेपो रेट घटती है, तो लोन सस्ते हो सकते हैं, लेकिन इससे सेविंग्स अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिटपर मिलने वाला ब्याज भी कम हो सकता है। जून में रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती की गई थी, जबकि फरवरी और अप्रैल में 25-25 बेसिस पॉइंट की कटौती हुई थी। इससे पहले लगातार 11 बैठकों तक रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

गाजा पर कब्जा करने के नेतन्याहू के प्लान का इजराइली सेना कर रही विरोध

सेना चीफ ने दी चेतावनी-ऐसा हुआ तो इजराइल थकाऊ युद्ध में उलझ जाएगा

तेल अवीव,(ईएमएस)। गाजा युद्ध शुरू होने के करीब दो साल बाद इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अब पूरे गाजा पर कब्जा करने की योजना पर काम शुरू कर दिया है लेकिन, नेतन्याहू के इस प्लान पर इजराइली सेना उनसे सहमत नहीं है। इजराइली डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने योजना पर कड़ी आपत्ति जताई है। इससे इजराइली राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच तनाव बढ़ गया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जमीर ने चेतावनी दी है कि गाजा पर कब्जे की कोशिश से वहां बंधक इजराइली नागरिकों की जान को खतरा हो सकता है। इससे इजराइल गाजा में एक थकाऊ युद्ध में उलझ जाएगा। गाजा के करीब 75 फीसदी हिस्से पर इजराइली सेना का कब्जा है। अब नेतन्याहू संपूर्ण गाजा पर कब्जा करना चाहते हैं। नेतन्याहू के करीबी सहयोगियों ने आर्मी चीफ जमीर का इस्तीफा मांगा है। उनके एक करीबी अधिकारी ने कहा कि अब फैसला हो चुका है, हम गाजा पर पूर्ण कब्जे की ओर बढ़ रहे हैं। अगर चीफ ऑफ स्टाफ जमीर को यह मंजूर नहीं है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। गाजा युद्ध के दौरान इजराइली अधिकारियों ने पीएम नेतन्याहू के फैसलों पर सवाल उठाए हैं। आंतरिक खुफिया एजेंसी शिन बेट प्रमुख को हटाने की नेतन्याहू की योजना पर कोर्ट ने रोक लगा दी थी।बता दें आईडीएफ चीफ हर्शी हलेवी ने मार्च 2025 में इस्तीफा दे दिया था। नवंबर 2024 में तत्कालीन रक्षा मंत्री गैलेंट को नेतन्याहू ने 'विश्वास संकट' का हवाला देकर हटा दिया था। नेतन्याहू अपने करीबी मंत्रियों के साथ गाजा पट्टी पर पूर्ण कब्जा करने की योजना का खुलासा कर चुके हैं। उनके के दो कट्टरपंथी सहयोगियों वित्त मंत्री बेजालेल स्मोटरिच और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर गाजा पर सैन्य शासन के बाद उसके इजराइल में विलय की मांग कर रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट में यूनिसेफ की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइली बमबारी और मानवीय सहायता रोकने के चलते गाजा में हर दिन औसतन 28 फिलिस्तीनी बच्चों की मौत हो रही है। अक्टूबर 2023 से अब तक 18 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है। यूनिसेफ ने कहा कि बच्चों की मौतें बमबारी, कुपोषण और सहायता के अभाव से हो रही हैं। बीते 24 घंटे में ही एक बच्चे समेत 8 लोगों की भूख से मौत हुई है। अब तक 188 लोगों की भूख से मौत हुई, इनमें 94 बच्चे थे। गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद अभी तक 60,933 लोगों की मौत हुई है और घायलों की संख्या 1.5 लाख पार कर चुकी है।

बांग्लादेश अब लोकतंत्र का कब्रिस्तान बन गया, मताधिकार सब खतरे में

अवामी लीग के छात्र संगठन ने यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश की 'अवामी लीग' के छात्र संगठन 'बांग्लादेश छात्र लीग' ने मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने और देश को असफल व बिखरे हुए राष्ट्र की ओर ले जाने का आरोप लगाया है। छात्र लीग का कहना है कि बांग्लादेश अब एक लोकतंत्र का कब्रिस्तान बन गया है। छात्र संगठन ने कहा कि यूनुस की कमान में कट्टरपंथी और आतंकवादी समूह देश में हिंसा, आतंक और हत्या का सिलसिला चला रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छात्र संघ ने कहा कि लोकतांत्रिक मानदंड, कानून का शासन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मानवाधिकार और मताधिकार सब खतरे में है। देश में युवाओं की भावनाओं और न्याय की उम्मीदों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। निर्दोषों की हत्या, पुलिसकर्मियों पर हमले और आतंक का माहौल बनाकर देश को बंधक बना लिया है। छात्र लीग ने कहा कि 5 अगस्त 2024 को पीएम शेख हसीना की हत्या की कोशिश और हिंसा ने उस दिन को लोकतंत्र, छात्र, जनता और पुलिस की हत्या का 'काला दिन' बना दिया है।अंतरिम सरकार की आलोचना करते हुए छात्र संगठन ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में जंगल कानून स्थापित हो गया है। लोकतंत्र के हत्यारों को सत्ता सौंप दी गई है। जनता को बेबस, निराश और अपमानित कर दिया है। निराशा और घृणा का जहर मन और समुदायों में फैला दिया है। छात्र लीग ने इस हत्याकांड के पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की है और संकल्प लिया है कि वे इस अत्याचार और अंधेरे युग को समाप्त करेंगे। उनका कहना है कि बांग्लादेश के महान मुक्ति संग्राम के मूल्यों में निहित जन आकांक्षाओं की सामूहिक शक्ति के प्रति गहरे सम्मान के साथ, और इस सुनियोजित हत्याकांड के पीड़ितों और घायलों को न्याय दिलाने का संकल्प लेते हुए, हम इस उत्पीड़न और पिछड़ेपन को समाप्त करने का संकल्प लेते हैं। न्याय जरुर होगा।

संक्षिप्त ख़बरें

ट्रंप व्हाइट हाउस की खुली छत पर आए नजर, अजीबो-गरीब कर रहे थे इशारे

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चाहे टैरिफ वॉर हो या फिर युद्ध को लेकर उनकी अपनी पॉलिसी है। वह हर दिन सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं। इस समय उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें आमतौर पर सिक्योरिटी के साथ अपनी गाड़ियों और प्लेन में दिखने वाले ट्रंप इस बार व्हाइट हाउस की खुली छत पर नजर आ रहे हैं।वीडियो में वह अजीब से इशारे करते नजर आ रहे हैं। उनके साथ पूरा सिक्योरिटी दस्ता भी था और इसी बीच नीचे खड़े पत्रकारों की नजर उन पर पड़ी। उसके बाद उसने जो बातचीत हुई वह दिलचस्प है। जब पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा वह व्हाइट हाउस की छत पर क्या कर रहे थे, तो इसके जवाब में डोनाल्ड ट्रंप ने वहीं से चिल्लाकर कुछ कहा। बदले में कुछ पत्रकारों ने पूछा मिसाइल कहा आपने? फिर डोनाल्ड ट्रंप ने मजाकिया तरीके से हाथ से इशारे करके बताया कि वह मिसाइलें छोड़ने की तैयारी में हैं।ट्रंप वहां निर्माण योजनाओं का निरीक्षण कर रहे थे। छत पर ट्रंप के साथ शार्पशूटर और कुछ आर्किटेक्ट्स भी मौजूद थे। उन्होंने करीब 20 मिनट व्हाइट हाउस की छत पर बिताए। इस बीच नीचे खड़े पत्रकारों की ओर हाथ हिलाया और मुस्कुराते हुए एक मिसाइल दागने का इशारा किया। ये घटना ऐसे समय पर हुई है जब अमेरिका और रूस के बीच तनाव है। कुछ दिन पहले ट्रंप ने दो परमाणु पनडुब्बियों को रूस के पास तैनात किया था, जिसके जवाब में रूस ने परमाणु संधि से बाहर जाने का ऐलान कर दिया।रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के साथ उनकी जुबानी जंग भी हुई, जिसमें सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं ने एक-दूसरे की खूब बखिया उधेड़ी। हालांकि अब रूस में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ दोनों देशों के रिश्तों पर बात करने के लिए पहुंचने वाले हैं।

20 साल के जैक्सन ने 125 एकड़ के जंगल को स्वतंत्र घोषित कर बनाया नया देश

लंदन,(ईएमएस)। क्रोएशिया और सर्बिया के बीच सीमा विवाद की वजह से 125 एकड़ के जंगली इलाके पर किसी का दावा नहीं था। ये बात जब ब्रिटेन के 20 साल के डैनियल जैक्सन को पता चली तो उन्होंने इलाके को स्वतंत्र घोषित करके खुद को वहां का राष्ट्रपति घोषित कर दिया। इस देश का नाम फ्री रिपब्लिक ऑफ वर्डिस है। स्विट्जरलैंड इसे देश के रूप में मान्यता भी दे सकता है। इसके साथ ही यह वेटिकन सिटी के बाद दुनिया का दूसरा सबसे छोटा देश बन गया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्डिस तक पहुंचने का सिर्फ ही एक रास्ता है। क्रोएशियाई शहर ओसियेक से नाव के जरिए ही यहां पहुंचा जा सकता है। जैक्सन बताते हैं कि यूं तो वर्डिस के चारों तरफ जंगल है, लेकिन यहां रहना जादुई एहसास दिलाता है। इस देश का अपना कानून और सरकार है। 400 लोग वर्डिस की नागरिकता ले चुके हैं। वहीं, करीब 15 हजार लोगों ने सिटिजनशिप के लिए अप्लाई किया है।

निक्की हेली की ट्रंप को चेतावनी, भारत से संबंध खराब करना अमेरिका के लिए हानिकारक होगा

वाशिंगटन (ईएमएस)। पूर्व अमेरिकी राजदूत और ट्रंप की पार्टी की नेता निक्की हेली ने टैरिफ को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि भारत जैसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार के साथ संबंध खराब करना अमेरिका के लिए हानिकारक साबित होगा।हेली ने पोस्ट कर लिखा कि जब चीन जो अमेरिका का विरोधी है और रूस-ईरान से सबसे ज़्यादा तेल खरीदता है, 90 दिनों की टैरिफ छूट मिलती है, तब भारत पर टैरिफ लगाना सही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया, आप चीन को क्यों बचा रहे हैं?दरअसल ट्रंप ने इंटरव्यू में कहा था कि वे 24 घंटे के भीतर भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाएंगे। उनके आरोपों के मुख्य बिंदु ये थे। भारत अमेरिका के साथ कम व्यापार करता है, जबकि भारत के साथ अमेरिका का व्यापार बहुत ज़्यादा है। भारत रूस से भारी मात्रा में तेल खरीदकर खुले बाजार में मुनाफे पर बेच रहा है।इन आरोपों पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया। मंत्रालय ने कहा कि भारत अपने लोगों की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेल खरीद रहा है। भारत ने याद दिलाया कि पहले अमेरिका ने खुद उसे रूस से तेल खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया था ताकि वैश्विक बाज़ार में संतुलन बना रहे। भारत ने यह भी कहा कि सिर्फ़ उस पर आरोप लगाना तर्कहीन है, जबकि अमेरिका और यूरोपीय देश भी रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एक बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर भारत अपने राष्ट्रीय हित और आर्थिक सुरक्षा के लिए ज़रूरी सभी कदम उठाता रहेगा।

कोलंबिया और पेरू के बीच सीमा विवाद फिर से गहराया, जंग होने की आहट

वाशिंगटन,(ईएमएस)। रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास के बीच चल रहे संघर्षों के बीच, अब अमेरिका के पड़ोस में भी एक नए तनाव की आशंका बढ़ गई है। दक्षिण अमेरिकी देशों कोलंबिया और पेरू के बीच सीमा विवाद फिर से गहरा गया है। यह विवाद अमेज़ॅन नदी में स्थित एक छोटे से द्वीप, सांता रोजा को लेकर है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने आरोप लगाया है कि पेरू ने इस द्वीप पर एकतरफा कार्रवाई करते हुए जून में अपने लोरेटो प्रांत का एक जिला घोषित कर दिया है। कोलंबिया का कहना है कि इस द्वीप की कानूनी स्थिति अभी भी विवादित है। उनका तर्क है कि जब 1922 और 1929 में दोनों देशों के बीच सीमा समझौते हुए थे, तब यह द्वीप अस्तित्व में नहीं आया था। कोलंबिया का मानना है कि सीमा का निर्धारण नदी की सबसे गहरी धारा के अनुसार होना चाहिए, जो समय के साथ बदलती रहती है।वहीं पेरू का कहना है कि 1922 और 1929 के समझौतों के अनुसार सांता रोजा द्वीप और उसके आसपास के टापू उसके अधिकार क्षेत्र में हैं। कोलंबिया का मानना है कि पेरू की इस कार्रवाई से उसके शहर लेटिसिया की अमेज़ॅन नदी तक पहुँच अवरुद्ध हो सकती है, जिससे उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता को खतरा है। राष्ट्रपति पेत्रो ने कहा है कि कोलंबिया अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए कूटनीति का सहारा लेगा।पेरू की संसद ने सांता रोजा को जिला बनाने का कानून जून 2025 में पारित किया। इसका उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य और कर संग्रह के लिए अधिक फंड उपलब्ध कराना है। इस छोटे से द्वीप पर लगभग 1,000 लोग रहते हैं, और यहाँ की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से व्यापार और पर्यटन पर निर्भर है।

बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होंगे आम चुनाव, यूनुस ने किया ऐलान

अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की पार्टी लगाया बैन, नहीं लड़ सकेंगी चुनाव

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने ऐलान किया है कि अगला आम चुनाव फरवरी 2026 में रमजान माह से पहले कराया जाएगा। पहले अप्रैल में चुनाव कराने की बात कही गई थी, लेकिन अब सभी प्रमुख दलों से बातचीत के बाद तारीख बदली गई है। यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश ने नई दिशा में कदम रखा है और इस बदलाव को स्थायी बनाने के लिए जनता की भागीदारी जरूरी है।उन्होंने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण, पारदर्शी और लोकतांत्रिक होंगे। यूनुस का यह ऐलान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और खालिदा जिया जैसे नेताओं की मांगों के बाद सामने आया है, जो जल्द चुनाव चाहते थे। इस नई प्रक्रिया में बीएनपी, जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) जैसे राजनीतिक दल भी जुड़े हुए हैं। इन दलों को शेख हसीना सरकार के खिलाफ जनआंदोलन का चेहरा माना जाता है। अंतरिम सरकार ने 'जुलाई डिक्लेरेशन' नाम से एक 26 बिंदुओं वाला डॉक्यूमेंट जारी किया, इसमें सरकार, संविधान और राजनीति से जुड़े बड़े बदलावों का ब्लूप्रिंट पेश किया गया है।इस डिक्लेरेशन में बांग्लादेश के मौलिक संविधान को असफल बताते हुए कहा गया कि 1972 में बना संविधान जनता की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सका। इसमें शेख हसीना की आलोचना करते हुए कहा गया है कि उनकी सरकार ने बांग्लादेश को एक तानाशाही, माफिया और फेल स्टेट में तब्दील कर दिया था। इस घोषणा में मांग की गई कि 2024 के जनउभार को आधिकारिक मान्यता मिले और जुलाई डिक्लेरेशन को संविधान में शामिल किया जाए।देश की पूर्व पीएम शेख हसीना जो 15 साल तक सत्ता में रहीं, वह अगस्त 2024 में भारी जनप्रदर्शन के बाद भारत भाग गई थीं। अब उनकी पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और चुनाव आयोग ने उसका पंजीकरण भी रद्द कर दिया है यानी जब तक यह प्रतिबंध नहीं हटता, पार्टी चुनाव नहीं लड़ सकेगी। हसीना सरकार की विदाई की वर्षगांठ पर राजधानी ढाका के मानिक मिया एवेन्यू पर हजारों लोगों ने जश्न मनाया। सरकार ने इस दिन को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया है और पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी।हालांकि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स वॉच ने चेतावनी दी है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार मानवाधिकारों और न्यायिक सुधारों को लेकर धीमी है। एचआरडब्ल्यू की एशिया डायरेक्टर मीनाक्षी गांगुली ने कहा कि अंतरिम सरकार को कट्टरपंथी ताकतों और राजनीतिक दबावों के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण लग रहा है।

राष्ट्रपति लुइज की दो टूक, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को फोन नहीं करुंगा

साउट पाउलो,(ईएमएस)। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने कहा है कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं करने वाले है। उन्होंने दो टूक कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करुंगा। लूला का यह बयान अमेरिका द्वारा ब्राजील पर अतिरिक्त 40 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद आया है, जिससे कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने इस कदम को दोनों देशों के संबंधों में सबसे अफसोसजनक दिन बताया।लूला ने कहा कि ब्राजील अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) जैसे सभी उपलब्ध मंचों का उपयोग करेगा। राष्ट्रपति लुइज का यह बयान ट्रंप के उस प्रस्ताव के विपरीत है, जिसमें उन्होंने कहा था कि लूला कभी भी कॉल कर सकते हैं।व्यापार के अलावा, अमेरिका और ब्राजील के बीच राजनीतिक तनाव भी बढ़ा हुआ है।

कैलिफोर्निया के जंगल में फैली भीषण आग लोगों को घर खाली करने का आदेश

आग की चपेट में आने से 870 से ज्यादा इमारतें खतरे में, हेलीकॉप्टरों की ली मदद

लॉस एंजिल्स,(ईएमएस)। मध्य कैलिफोर्निया के जंगल में लगी आग ने अब तक 82,000 एकड़ से ज्यादा इलाके को अपनी चपेट में ले लिया है। यह आग अब भयानक रूप ले चुकी है और सैकड़ों इमारतों को इससे खतरा बना हुआ है। अग्नि सुरक्षा विभाग के मुताबिक 'गिफोर्ड फायर' नाम का यह जंगल में आग शुक्रवार दोपहर उस समय भड़क गई, जब कैलिफोर्निया हाईवे के पास चार अलग-अलग जगहों पर आग लग गई थी और उसने एक विकराल रूप ले लिया। यह आग अब सैन लुइस ओबिस्पो और सांता बारबरा काउंटी में सांता लूसिया रोड के पास फैल गई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि आग की चपेट में आने से 870 से ज्यादा इमारतें खतरे में हैं। मंगलवार सुबह तक इस आग पर सिर्फ 7 फीसदी ही काबू पाया जा सका था। आग की वजह से सांता बारबरा और सैन लुइस ओबिस्पो के लोगों को अपने घर खाली करने का आदेश दिया गया है। अमेरिकी वन सेवा के अधिकारियों ने चेतावनी दी कि आग के अनियमित फैलाव के कारण लोगों को अपने इलाके की बदलती स्थिति पर ध्यान रखना चाहिए।रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि इलाके में गर्मी और सूखा मौसम बुधवार से सप्ताह के अंत तक बना रह सकता है, इसलिए आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मी उत्तर और दक्षिण दिशा में लगातार प्रयास करते रहेंगे। आग बुझाने के लिए 1900 से ज्यादा दमकलकर्मी तैनात हैं। इसके अलावा 40 हैंड क्रू, 115 फायर इंजन, 23 बुलडोज़र और 30 पानी के टैंकर लगाए गए हैं। इन्हें हवाई टैंकरों और हेलीकॉप्टरों की मदद भी मिल रही है।सांता बारबरा काउंटी अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि आग ऊंची और खड़ी ढलानों पर फैल रही है और इससे बहुत ज्यादा धुआं उठ रहा है। उन्होंने कहा कि आग का ज्यादातर हिस्सा ऐसे दुर्गम इलाकों में है, जहां बुलडोज़र भी नहीं पहुंच सकते। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए अब विमानों की मदद ली जा रही है। राष्ट्रीय मौसम विभाग ने बताया कि जंगल की आग से उठने वाला धुआं स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है और इसके दक्षिण और पूर्व की ओर फैलने की आशंका है।

अमेरिका के एफ-15ई जेट का हवा में निकला पहिया, दो पायलटों ने बचाई जान

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका और भारत के बीच जिस एफ-35 को खरीदने की खींचतान चल रही है, उसी फाइटर जेट सीरीज के एक और विमान एफ-15ई की एमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। कुछ दिन पहले ही एफ-35 बिना युद्ध के ही क्रैश हो गया था और अब एफ-15ई का पहिया निकल गया, वो भी हवा में। ऐसे में अब सवाल उठ रहे हैं कि अमेरिका के फाइटर जेट्स कितने विश्वसनीय हैं, जिनकी खरीदारी के लिए वो भारत ही नहीं दुनिया के कई देशों पर दबाव डाल रहा है, जो ताजा मामला सामने आया है वह अमेरिका के 80 के दशक में बने फाइटर जेट एफ-15ई का है।हिंद महासागर में नेवल सपोर्ट फैसिलिटी डिएगो गार्सिया से उड़ान भरने वाले एक एफ-15ई स्ट्राइक ईगल का पहिया उड़ान के दौरान गायब हो गया। इसके बाद विमान की एमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ गई और वह रनवे पर सिर्फ दो पहियों के सहारे उतरा। गनीमत रही कि दोनों पायलटों ने अपनी जान बचा ली।बता दें अमेरिकी फाइटर जेट के साथ हुआ ये दूसरा हादसा है। ये हादसा हिंद महासागर में नेवल सपोर्ट फेसिलिटी डिएगो गार्सिया से उड़ान भरने वाले एफ-15ई के साथ हुआ। इस स्ट्राइक ईगल का पहिया उड़ान के sदौरान निकल गया और बाद में ये डिएगो गार्सिया के फ्लाइट लाइन पर मिला। हालांकि यह साफ नहीं है कि पहिया कैसे और क्यों अलग हुआ, न ही यह बताया गया कि रफ लैंडिंग के बाद एफ-15 की स्थिति कैसी है। अमेरिकी वायुसेना ने इस घटना पर कोई जानकारी नहीं दी और इसकी सुरक्षा जांच जारी है। एफ-15ई स्ट्राइक ईगल एडवांस, डबल इंजन वाला, मल्टी-रोल फाइटर जेट है, जिसे मैकडॉनेल डगलस ने विकसित किया है।बता दें यह पहली बार नहीं है जब अमेरिकी जेट्स की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। पांच दिन पहले ही एफ-35 के क्रैश होने की खबर आई थी, जिसमें पायलट ने सही समय पर अपनी जान बचा ली थी। इससे पहले यही एयरक्राफ्ट तकनीकी खराबी की वजह से भारत के केरल राज्य में उतरा था, जिसकी विदाई कई दिनों बाद हो पाई।

लंदन को गंदा कर रहे गुजराती और पंजाबी, कोर्ट में याचिका दायर

एक यूजर ने लिखा-भारत की छवि खराब करने के लिए दूसरे की जरूरत नहीं

लंदन (ईएमएस)। लंदन की सड़कों पर तंबाकू और पान खाकर पीक थूकने वाले दागों का वीडियो वायरल हो गया। ये दाग रेनर्स लेन से नॉर्थ हैरो तक के इलाकों में देखे गए। वीडियो में कूड़ेदान, फुटपाथ और सड़कों पर गहरे लाल निशान नजर आ रहे हैं। रेनर्स लेन के लोगों का कहना है कि पान और चबाने वाले तंबाकू की दुकानों के आसपास ये दाग ज्यादा दिखाई दे रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ हैरो में नई पान की दुकान के खिलाफ लोगों ने याचिका दायर की है। उन्हें चिंता है कि इससे पान चबाने और पीक थूकने की समस्या और बढ़ जाएगी। वीडियो वायरल होने के बाद कुछ लोगों ने गुस्से का इजहार किया। उन्होंने खासकर भारतीय लोगों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। एक शख्स ने टिप्पणी की, गुजराती और पंजाबी लोग यूके में परेशानी पैदा कर रहे हैं। एक अन्य ने लिखा कि भारत की छवि खराब करने के लिए दूसरे लोगों की जरूरत नहीं, हमारे लोग पूरी दुनिया में ये काम कर रहे हैं। इसलिए भारतीय पासपोर्ट की गरिमा कम हो रही है।एक और टिप्पणी में तंज कसते हुए कहा गया कि ब्रिटिश ने भारत पर कब्जा किया, अब भारतीय ब्रिटेन पर कब्जा कर रहे हैं। इससे पहले 2019 में लेस्टर सिटी पुलिस ने अंग्रेजी और गुजराती में चेतावनी बोर्ड लगाए थे। इन पर लिखा था पान थूकना गंदा और असामाजिक है। इसके लिए जुर्माना लगाया जा सकता है। नियमों का उल्लंघन करने पर 150 पाउंड का जुर्माना लगाया गया था। 2014 में ब्रेंट काउंसिल ने पान के दाग साफ करने के लिए 20,000 पाउंड यानी करीब 21 लाख रुपए खर्च किए थे। 2009 में वेम्बली के हाई रोड पर पान थूकने की समस्या बढ़ गई थी, जिसके बाद काउंसिल से कार्रवाई की मांग उठी। इसे देखते हुए समस्या पर रोक लगाने के लिए कुछ कदम उठाए गए थे।

न्यूक्लियर मिसाइल लगाने के लिए वाइट हाउस की छत पर चढ़े ट्रंप, वहीं से दिए जवाब

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कुछ भी कर सकते हैं। मंगलवार को वह एक और वजह से मीडिया की सुर्खियों में छाए रहे। उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब वाइट हाउस की छत पर टहलते हुए दिए। उनसे पूछा कि वह वाइट हाउस की छत पर क्या कर रहे हैं तो उन्होंने मजाक में पत्रकारों से कहा कि वह न्यूक्लियर मिसाइल तैनात करने के लिए जगह की तलाश कर रहे हैं। जब पत्रकारों ने उनसे फिर पूछा कि छत पर क्या बनाना चाहते हैं तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा न्यूक्लियर मिसाइलें... इसके बाद उन्होंने मिसाइल के उड़ान भरने जैसा अपना हाथ हिलाया।मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ट्रंप ने उन लोगों के साथ करीब 20 मिनट तक छत पर और फिर नीचे वाइट हाउस के लॉन में चहलकदमी की। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मौजूद समूह वाइट हाउस की छत पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था लेकिन ट्रंप बार-बार छत और मैदान की ओर इशारा कर रहे थे। बता दें कि न्यूक्लियर मिसाइल तैनात करने पर उनकी टिप्पणी रूस के पूर्व राष्ट्रपति दमित्री मेदवेदेव के साथ तीखी बहस के बीच आई है। कुछ दिनों पहले दोनों नेताओं के बीच एक ऑनलाइन इंटरव्यू में तीखी बहस हुई थी। जिस वक्त ट्रंप अपने आधिकारिक आवास की छत पर टहल रहे थे, उस वक्त उनके साथ दिग्गज और नामी आर्किटेक्ट जेम्स मैकक्रेरी और कुछ लोगों का एक ग्रुप भी था। जेम्स मैकक्रेरी ने हाल ही में 20 करोड़ डॉलर की निजी तौर पर वित्त पोषित ईस्ट विंग बॉलरूम परियोजना की घोषणा की थी, वह खुद इसके वास्तुकार हैं। पिछले सप्ताह ट्रंप प्रशासन ने घोषणा की थी कि वाइट हाउस में एक विशालकाय बॉलरूम का निर्माण सितंबर में शुरू कराया जाएगा। यह ट्रंप के कार्यकाल पूरा होने से पहले पूरा हो जाएगा।

एशिया कप में बदलावों के साथ उतर सकती है भारतीय टीम

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेटर टीम अब अगले माह 10 सितंबर से सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में एशिया कप में खेलती दिखेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम में कई बदलाव भी दिखेंगे। टी20 प्रारुप में होने वाले एशिया कप में जहां विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की वापसी हो सकती है। वहीं हर्षित राणा सहित कुछ खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने पिछली टी20 सीरीज इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ जनवरी-फरवरी में खेली थी। तब टीम में शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह नहीं थे। वहीं अब एशिया कप में इनके खेलने की उम्मीद है। ऐसे में अगर इन खिलाड़ियों को एशिया कप के लिए शामिल किया गया तो टीम काफी बेहतर हो जाएगी।

भारतीय टीम ने जब पिछली बार टी20 सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी तब टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल थे। टीम की कप्तानी सूर्यकुमार जबकि उपकप्तानी अक्षर पटेल के पास थी। वहीं अब अनुमान है कि इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज टी20 टीम में वापसी करेंगे। इसके अलावा अगर जसप्रीत बुमराह फिट होते हैं तो उनका भी खेलना तय है। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल और कुलदीप यादव को भी टीम में जगह मिल सकता है। अगर सिराज और बुमराह टीम में लौटते हैं तो हर्षित राणा और मोहम्मद शमी को बाहर होना पड़ेगा। वहीं कुलदीप यादव को रवि बिश्नोई की जगह मिल सकती है।

संभावित भारतीय टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल (उप कप्तान) वॉशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, ध्रुव जुरेल/जीतेश शर्मा।

कनाडा में जापान की नाओमी ओसाका डब्ल्यूटीए नेशनल बैंक ओपन टेनिस में फोरहैंड शॉट लगाती हुई।

शुभमन सहित तीन खिलाड़ी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में शामिल

दुबई (ईएमएस)। भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल सहित तीन खिलाड़ियों को जुलाई माह के आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। इस पुरस्कार की दौड़ में शुभमन के अलावा इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर भी शामिल हैं। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 75.40 की औसत के साथ 754 रन बनाए। बर्मिंघम में खेले गए मैच में उन्होंने 269 और 161 रन की पारी खेली थी। शुभमन गिल ने इस टेस्ट सीरीज 147, 8, 269, 161, 16, 6, 12, 103, 21 और 11 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान के रूप में अपनी पहली सीरीज खेलते हुए शुभमन ने जबरदस्त खेल दिखाया। उनकी कप्तानी में भारत ने पांच मुकाबलों की सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की। वहीं, स्टोक्स ने चार मुकाबलों की सात पारियों में 43.43 की औसत के साथ 304 रन बनाए। इसमें शतकीय पारी भी शामिल है। इसके साथ ही स्टोक्स ने पूरी सीरीज में 17 विकेट भी हासिल किए। बेन स्टोक्स ने लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। लॉर्ड्स में उनके ऑलराउंड प्रदर्शन ने इंग्लैंड को 22 रनों से रोमांचक जीत दिलाई।

वहीं मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 265.5 की औसत से 531 रन बनाए। उन्होंने पहले टेस्ट की दूसरी इनिंग में 147 रनों की शानदार पारी खेली। मुल्डर ने बुलावायो में अपने करियर की सबसे बड़ी नाबाद 367 रनों की पारी खेली। यह दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट इतिहास में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। मुल्डर ने गेंदबाजी में भी 15.28 की औसत से सात विकेट लिए।

आने वाले समय में बुमराह को एक ही प्रारुप में उतार सकता है बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आने वाले समय में केवल सीमित ओवरों में ही खेलते दिख सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुमराह को फिट बनाये रखने के लिए ही उन्हें इंग्लैंड दौरे में तीन टेस्ट मैचों में ही उतारा था। वहीं कई दिग्गजों का मानना है कि बुमराह के महत्व हो देखते हुए प्रबंधन और बोर्ड को तय करना होगा कि उनका बेहतर उपयोग किया प्रकार किया जाये। जिस प्रकार से इंग्लैंड दौरे में मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने अच्छा प्रदर्शन किया उससे तय है कि अब ये बुमराह के बिना भी भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं, ऐसे में अब एशिया कप, टी-20 और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए बुमराह को तैयार रखने की जरुरत है। आने वाले समय में भारतीय टीम को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलनी है पर इसमें बुमराह की अधिक जरुरत नहीं है। ऐसे में उन्हें बड़े मुकाबलों के लिए बचाकर रखा जाएगा।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'ऐसे में ये संभव है कि बुमराह को अब आने वाले समय में सफेद गेंद प्रारुप ही ही अधिक ध्यान देने कहा जाये। अगले दो साल में उनके खेलने के लिए पर्याप्त टी-20 और एकदिवसीय मैचों के साथ ही आईपीएल भी है। ऐसे में सभी प्रारूपों में कुछ मैच खेलने की जगह उन्हें एक ही प्रारुप में सभी मैच खेलन देना चाहिये जिससे वह तरोताजा बने रहेंगे जिसका लाभ टीम को मिलेगा।'

चीन में स्वीडन की विल्मा जोनसन थाईलैंड के साथ हुए फ्लोरबाल मुकाबले में स्कोर करती हुई।

बुमराह के बिना भी जीत सकती है भारतीय टीम : हैडिन

सिराज का प्रदर्शन शानदार रहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रेड हैडिन ने भारतीय युवा टीम विशेषकर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जमकर प्रशंसा की है। हैडिन ने कहा कि सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में काफी अच्छी गेंदबाजी की है। हैडिन के अनुसार भारतीय युवा टीम ने साबित कर दिया है कि वह मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना भी वह जीत सकती है। हैडिन ने कहा कि बुमराह एक भी टेस्ट नहीं जिता पाए। साथ ही कहा कि सिराज ने इस सीरीज में गेंदबाजी गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालते हुए दिखाया है कि उनमें नेतृत्व क्षमता भी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-2 से वापसी कर साबित किया है कि वह बुमराह के बिना भी खेल सकती है। साथ ही कहा कि भारत में कई प्रतिभाशाली क्रिकेटर है। सिराज की प्रशंसा करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि सिराज आक्रामक भूमिका निभा सकते हैं। वह उन खिलाड़ियों में हैं जो बड़े मैचों में गेंदबाजी की जिम्मेदारी लेना चाहते हैं। उन्होंने गलतियां भी कीं पर वह अवसरों का फायदा उठाने में पीछे नहीं रहते। साथ ही कहा कि अगर आपके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो गलती करने से नहीं डरते, जो गेम में बने रहने के लिए विरोधी टीम को दबाव में ला सकते हैं तो आप वैसे खिलाड़ियों को जरूर चाहेंगे।' सिराज को लेकर उन्होंने कहा, वह खेल के अंतिम घंटे में गेंद अपने हाथ में चाहता था। वह हर ओवर मैच जीतने के लिए गेंद फेंक रहा था। उसने कैच छोड़ा। वह खराब था। अगर वह उस कैच को पकड़ लेता तो भारतीय टीम को आसान जीत मिल जाती। वहीं बुमराह ने वर्कलोड मैनेजमेंट की वजह से 5 टेस्ट में सिर्फ 3 मैच ही खेले जिसमें उन्होंने 14 विकेट लिए। वहीं दूसरी ओर सिराज ने सभी 5 मैच खेले। उन्होंने सीरीज में कुल 23 विकेट झटके जो दोनों टीमों के गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है। बुमराह दूसरा और आखिरी टेस्ट नहीं खेले और इन दोनो ही मैचों में भारतीय टीम जीती।

अब अपने अनुसार मैचों का चयन नहीं कर सकेंगे स्टार खिलाड़ी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब आने वाली सीरीज में खिलाड़ियों को अपने अनुसार मैचों का चयन करने का अवसर नहीं देगा। अभी स्टार खिलाड़ी किसी भी सीरीज के पूरे मैच नहीं खेलते हैं। वह अपने अनुसार तय करते हैं कि कौन सा मैच खेलना है और कौन सा नहीं। वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर इस प्रकार की स्टार संस्कृति को पसंद नहीं करते हैं। ऐसे में इंग्लैंड से सीरीज 2–2 से ड्रॉ कराने के बाद गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर अब चाहेंगे कि टीम ऐसी बने जिसमें सभी को बराबरी का महत्व मिले। ये भी अटकलें हैं कि चयन समिति, गंभीर और बोर्ड अधिकारी कार्यभार प्रबंधन के नाम पर खिलाड़ियों के मर्जी से मैच और सीरीज खेलने के चलन पर रोक लगाने को लेकर सहमत हैं। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा ,'इस पर बात हुई है और केंद्रीय अनुबंध प्राप्त खिलाड़ियों को बता दिया गया है, उनको जो सभी प्रारूपों में नियमित खेलते हैं कि भविष्य में अपनी मर्जी से मैच चयन का कल्चर नहीं चलेगा।'

इस अधिकारी ने कहा ,'इसका ये अर्थ नहीं हैं कि कार्यभार प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। तेज गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन जरूरी है पर इसका बहाना कर खिलाड़ी बड़े मैचों से बाहर नहीं रह सकते।' इंग्लैंड के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पांच टेस्ट में 185 ओवर किये। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि बड़े से बड़े सितारे भी खेल से बढकर नहीं हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी कई दिक्कतों के बावजूद चौथे टेस्ट तक काफी लंबे स्पैल किये। इससे तय है कि खिलाड़ी अगर चाहें तो वे कुछ दिक्कतों के बाद भी खेल सकते हैं।

सिराज का स्वदेश पहुंचने पर शानदार स्वागत

सेल्फी लेने के लिए उमड़े प्रशंसक

मुम्बई (ईएमएस)। इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन के बाद स्वदेश पहुंचे भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का शानदार स्वागत हुआ है। सिराज जैसे ही एयरपोर्ट पर पहुंचे, प्रशंसक उनके साथ सेल्फी लेने के लिए उमड़ पड़े। काले रंग की कैजुअल ड्रेस पहने सिराज का छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर प्रशंसकों ने स्वागत किया। प्रशंसकों ने उन्हें लगभग घेर लिया और सेल्फी लेते दिखे। वहीं कुछ प्रशंसकों ने सिराज से ऑटोग्राफ के लिए अनुरोध किया। वहीं गृहनगर हैदराबाद पहुंचने पर भी उनका स्वागत हुआ। क्रिकेट एसोसिएशन भी सिराज के सम्मान में समारोह आयोजित करने का विचार कर रहा है। एसोसिएशन के एक अधिकारी ने कहा, 'हमने अभी सिराज से बात नहीं की है. लेकिन हम निश्चिततौर पर उनके सम्मान में कुछ कार्यक्रम करेंगे. वे अभी कुछ दिन शहर में रुकेंगे। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि उन्होंने देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किया। ' तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पांच मैचों की सीरीज में सबसे अधिक 23 विकेट लिए। सिराज ने ओवल में खेले गए पांचवें और निर्णायक टेस्ट मैच में 9 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए.

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से सीरीज में भारतीय टीम को रखना होगा इन बातों का ध्यान

मुम्बई (ईएमएस)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज ड्रॉ करा दी है लेकिन विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2027 चक्र को देखते हुए भारतीय टीम को आगे के मुकाबलों में जीत दर्ज करनी होगी। भारत को अगली टेस्ट सीरीज वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका से अक्टूबर-नवंबर में खेलनी है। ऐसे में टीम के लिए कुछ बातों को ध्यान में रखना जरुरी है।

इसमें सबसे पहला तो ये है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तरोताजा रहें। बुमराह वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के तीन ही मैच में हिस्सा ले पाए। बुमराह तीनों प्रारुपों में भारतीय टीम का अभिन्न अंक है। भारत को आगामी समय में एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप जैसे व्हॉइट बॉल टूर्नामेंट भी खेलने हैं। ऐसे में गिल-गंभीर बुमराह को टेस्ट क्रिकेट के लिए कैसे तरोताजा रखना है इस बात का ध्यान कप्तान और कोच को रखना होगा। इसके अलावा दूसरा ये है कि लिए नंबर तीन पर किये उतारा जाएगा। इस बात का भी ध्यान रखना होगा। इंग्लैंड दौरे पर साई सुदर्शन और करुण नायर को नंबर-3 पर खेलने का मौका मिला पर दोनो ही सफल नहीं रहे। साई सुदर्शन ने 6 पारियों में 23.33 की औसत के साथ 140 रन बनाये। वहीं करुण नायर ने 8 पारियों में 25.62 की औसत के साथ 205 रन बनाए। इस दौरान दोनों बल्लेबाज 1-1 पर अर्धशतक ही लगा पाये। इसके अलावा किस स्पिनर को रखा जाये ये भी तय करना होगा। तीसरा सवाल किस ऑलराउंडर को रखे इसको लेकर है। इसके अलावा चौथा सवाल स्पिनर को लेकर है। रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को उनकी बल्लेबाजी के कारण इंग्लैंड दौरे पर अवसर मिला, मगर भारत को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी धरती पर सीरीज खेलनी है। ऐसे में टीम अगर कम बल्लेबाज भी रखे तो भी उसे परेशानी नहीं होगी। ऐसे में स्पिनर कुलदीप यादव को अवसर दिया जा सकता है। कुलदीप को इंग्लैंड दौरे पर मौका नहीं दिया गया, वहीं जब मैच घर पर होंगे तो अक्षर पटेल का नाम भी टीम में जरूर होगा। भारत ज्यादा से ज्यादा तीन स्पिनर को मौका दे सकता है। अब देखना होगा कि किसको अवसर मिलता है। वहीं इंग्लैंड दौरे पर ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी और शार्दुल ठाकुर दोनों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में किसे अवसर दिया जाये ये भी एक सवाल है। ये दोनो ही तेजी से बल्लेबाजी करने में भी सक्षम है।

सचिन ने शुभमन की जमकर प्रशंस की

मुम्बई (ईएमएस)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ जिस प्रकार की निरंतरता कप्तानी के साथ ही रन बनाने में दिखायी है वह सराहनीय है। उन्होंने अच्छी गेंदों का सम्मान करते हुए बड़ी पारियां खेलीं। शुभमन ने कप्तान के तौर पर टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का 732 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ा। अब इस मामले में शुभमन से आगे केवल ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमेन 810 रन हैं। शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं हालांकि वह गावस्कर के एक टेस्ट सीरीज में 774 रनों के रिकार्ड को तोड़ने में विफल रहे। उनकीकप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड से 2-2 से सीरीज बराबर करने में सफल रही है।

तेंदुलकर ने कहा, 'शुभमन ने पूरी सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की। अच्छी बल्लेबाजी के लिए सोच में स्पष्टता और रणनीति होना जरूरी है। उनकी सोच में निरंतरता बनी हुई थी जो उसके फुटवर्क में दिखी। बल्लेबाजी में उनका नियंत्रण बरकरार था। उन्होंने अच्छी गेंदों का सम्मान किया।' वहीं सचिन ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सराहना करते हुए कहा, 'मुझे उनका रवैया पसंद आया। वे विकेट लें या नहीं उनका रवैया हमेशा ही एक सा रहता है।' सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में सबसे अधिक 23 विकेट लिए थे।

टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगी नीदरलैंड टीम

ढाका (ईएमएस)। नीदरलैंड की टीम एशिया कप की तैयारी के लिए इस माह के अंत में तीन टी20 मैचों की टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरान करेगी। इस दौरे में दोनों टीमें तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगी। यह सीरीज 30 अगस्त से शुरू होगी और तीनों मैच सिलहट में खेले जाएंगे। नीदरलैंड की टीम 26 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी और सीरीज शुरू होने से पहले तीन दिन प्रशिक्षण मिलेगी। पहला टी20 मैच 30 अगस्त को, दूसरा और तीसरा मैच 1 और 3 सितंबर को होगा, ये सभी मैच सिलहट के एसआईसीएस स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह सीरीज 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले बांग्लादेश की तैयारियों के लिए अहम मानी जा रही है। नीदरलैंड ने इससे पहले 2014 टी20 विश्व कप के दौरान भी बांग्लादेश में खेला है। दोनों ही टीमों ने अब तक एक-दूसरे के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल हैं। जिनमें से चार में बांग्लादेश की टीम जीती है। साल 2012 में नीदरलैंड ने दो मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए बांग्लादेश की मेजबानी की थी। दोनों टीमों के बीच पिछली बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में भी मुकाबला हुआ था तब उसमें डच टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

द हंड्रेड क्रिकेट लीग के दौरान मैदान में आयी लोमड़ी को देखकर हैरान हुए लोग

लंदन (ईएमएस)। यहां खेली जा रही द हंड्रेड क्रिकेट लीग में उस समय तभी लोग हैरान रह गये जब एक लोमड़ी मैदान में आकर उछलकूद करने लगी। इसके कारण मैच भी रुक गया जो उसके बाहर जाने के बाद ही दोबारा शुरु हो पाया। ये मैच ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में खेला जा रहा था। ये मैच लंदन स्पिरिट और ओवल इनविंसिबल्स के बीच खेला जा रहा था। मैच के दौरान ही लंदन स्पिरिट के तेज गेंदबाज डैनियल वॉरॉल जैसे ही गेंद फेंकने निकले। एक लोमड़ी अचानक ही मैदान पर आ गई। उस समय इनविंसिबल्स को जीत के लिए 72 रन और चाहिए थे। मैदान पर आई ये लोमड़ी तेजी से दौड़ने लगी। लोमड़ी के करतब देख प्रशंसक भी खुश होकर तालियां बजाने लगे। यहां तक कि कमेंटेटर स्टुअर्ट ब्रॉड और इयोन मॉर्गन भी हंसने लगे। ये दोनो लोमड़ी की हर हरकत पर नजर रखे हुए थे। स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट ने इस पल को की एक क्लिप ऑनलाइन शेयर कर दी, इसके बाद ये वीडियो जमकर वायरल होने लगा। लोमड़ी अंत में दौड़कर बाउंड्री के पास पहुंकर बाहर निकल गई। इसके बाद ही फिर मैच शुरू हो पाय। इस मैच में लंदन की टीम केवल 80 रन ही बना पायी। वहीं ओवल की टीम ने 69 गेंदों में 81 रन बनाए और 6 विकेट से ये मुकाबला जीत लिया।

सिराज सेना देशों में सबसे अधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों में शामिल

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अब दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड (सेना) देशों में सबसे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों में शामिल हो गये हैं। सिराज ने ये उपलब्धि इंग्लैंड में अंतिम टेस्ट में पांच विकेट लेने के साथ ही अपने नाम की है। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाजों शोएब अख्तर, इमरान खान और वकार यूनुस का रिकार्ड तोड़ दिया। तीनों ने सेने देशों में टेस्ट मैचों में जीत में तीन-तीन बार पांच विकेट हॉल लिए थे।

अब तक सिराज ने सेना देशों में टेस्ट जीत के दौरान चार बार पांच विकेट लिए हैं। इससे पहले इस सूची में भारत के ही जसप्रीत बुमराह और पाकिस्तान के वसीम अकरम सबसे आगे थे, जिन्होंने पांच-पांच बार यह उपलब्धि हासिल की थी। बुमराह और अकरम दोनों ही इस मामले में संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। ओवल टेस्ट में सिराज ने कुल 9 विकेट अपने नाम किए, जिसमें दूसरी पारी का शानदार पांच विकेट हॉल भी शामिल था। उनके शानदार प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 6 रनों से हराया और पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही। इस मैच में सिराज को उनके ऑलराउंड गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवार्ड भी मिला।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने भारतीय टीम पर गेंद से छेड़छाड़ का आरोप लगाया

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के एक पूर्व क्रिकेटर शब्बीर अहमद इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन से इतने बौखला गये हैं कि उन्होंने ओवल टेस्ट में वैसलीन का उपयोग करने के आरोप लगा दिये हैं। इस पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज ने ओवल टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की शानदार वापसी पर सवाल उठाते हुए कहा कि कि टीम की ड्यूक गेंद की जांच होनी चाहिये। इस पाक क्रिकेटर ने कहा है कि गेंद से छेड़छाड़ हुई है। भारत ने ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट में 6 रनों से जीत हासिल की थी। मेजबान टीम इंग्लैंड अंतिम दिन 35 रन नहीं बना पायी थी जबकि उसके पास चार विकेट थे। इसे से शब्बीर के पेट में दर्द हो रहा है।

कनाडा में अमेरिका के टेलर फिट्ज नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रिटर्न शॉट लगाते हुए।

“टुवर्ड्स जीरो हार्म के “लक्ष्य प्राप्ति के लिए बीएसएल ने दो दिवसीय “अरिष्ट” सम्मेलन का शुभारम्भ

बोकारो । 06 अगस्त को बीएसएल के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में बीएसएल के सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के तत्वावधान में “टुवर्ड्स जीरो हार्म के “लक्ष्य प्राप्ति की थीम पर दो दिवसीय “अरिष्ट” नामक राष्ट्रिय स्तर के सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ. सम्मेलन के उदघाटन सत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महानिदेशक श्री ललित गभाने, बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ अधिशासी निदेशक (सेल सेफ्टी आर्गेनाइजेशन) श्री अनूप कुमार बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे. उदघाटन सत्र में बीएसएल के अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी , अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) श्री अनीष सेनगुप्ता, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर के सेंटर ऑफ़ सेफ्टी एक्सीलेंस के प्रमुख श्री जगदीश वी, रीजनल लेबर इंस्टिट्यूट कोलकाता के निदेशक श्री रविंद्र पी भावे, बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री बी के सरतापे सहित अन्य मुख्य महाप्रबंधक तथा वरीय अधिकारी उपस्थित थे. इस सम्मलेन में सेल के विभिन्न संयंत्रों के साथ टाटा स्टील, जे एस डब्लू स्टील लिमिटेड, सीमेंस एनर्जी इंडिया, एबीबी, डीप नेट एनालिटिक्स, एम एन दस्तूर, वेसुवियस इण्डिया लिमिटेड, कोर इएचएस सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं.उद्घाटन सत्र में सम्मलेन की स्मारिका का लोकार्पण भी किया गया. सम्मलेन के उदघाटन सत्र में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा सभी को सुरक्षा शपथ दिलाने के उपरांत मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री बी के सरतापे ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया तथा बोकारो स्टील प्लांट के वर्चुअल रियलिटी आधारित सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम, सुरक्षा नियमों का अनुपालन, शून्य हानि जैसे प्रयासों और प्रतिबद्धता के बारे में बताया. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महानिदेशक श्री ललित गभाने ने कहा कि सुरक्षा के तीन प्रमुख कारकों संगठन संस्कृति, मानवीय कारक तथा कार्यस्थल की स्थिति को अपने संगठन के कोर वैल्यूज में शामिल कर सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करना और दूसरों को भी शिक्षित व् जागरूक करना आवश्यक है. निदेशक-प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी ने सम्मेलन में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हमें इस्पात उद्योग से जुड़े सुरक्षा पहलुओं में एक दूसरे के साथ ज्ञान और अनुभव को साझा करते हुए शून्य दुर्घटना के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लगातार इसे अपने व्यवहार में शामिल करना है. उन्होंने आगे कहा कि टुवर्ड्स जीरो हार्म के लक्ष्य प्राप्ति के लिए अन्य प्रयासों के साथ-साथ हमें अपने संगठन में सुरक्षा सांस्कृतिक परिवर्तन की दिशा में भी आगे बढ़ना आवश्यक है. अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) श्री अनीष सेनगुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि बीएसएल द्वारा अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, थर्मल इमेजिंग, डिजिटल सिमुलेशन, रोबोटिक संचालन और ठेकेदार सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली जैसे पहल किए जा रहे हैं. सेल सेफ्टी आर्गेनाईजेशन के अधिशासी निदेशक श्री अनूप कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि सम्मेलन की थीम “अरिष्ट” को प्राप्त करने के लिए हमें सुरक्षा संस्कृति के व्यावहारिक पहलू पर तीव्रता के साथ प्रयास करने की जरुरत है. सम्मेलन के पहले दिन तकनीकी सत्रों के प्रथम सेशन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर के सेंटर ऑफ़ सेफ्टी एक्सीलेंसके प्रमुख श्री जगदीश वी के द्वारा भारत में उन्नत अग्नि सुरक्षा के लिए वीआर/एआरआधारित प्रशिक्षण और खतरों का अनुकरण विषय पर तथा रीजनल लेबर इंस्टिट्यूट, कोलकाता के निदेशक श्री रविंद्र पी भावे द्वारा प्रौद्योगिकी और स्मार्ट पी पी ई के बारे चर्चा की गयी. दूसरे सेशन के दौरान सीमेंस लिमिटेड, टाटा स्टील, एम एन दस्तूर, डीप नेट एनालिटिक्स तथा राउरकेला स्टील प्लांट द्वारा विविध सुरक्षा सम्बंधित विषयों पर प्रस्तुतीकरण किया गया. सम्मलेन के दूसरे दिन 7 अगस्त को जे एस डब्लू स्टील, सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड, वेसुवियस इंडिया लिमिटेड, टाटा स्टील तथा कोर ई एच एस द्वारा इस्पात उद्योग के सुरक्षा सम्बंधित पहलुओं पर गहन चर्चा की जाएगी. कार्यक्रम के उदघाटन सत्र का संचालन प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) सुश्री तनुप्रिया तथा धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (सुरक्षा) श्री विकास गुप्ता द्वारा किया गया

दिशोम गुरू शिबू सोरेन भारत रत्न के हकदार- झामुमो

महाजनी प्रथा, अशिक्षा, हडिया दारू के खिलाफ लडी लड़ाई नेता ही नहीं समाज सुधारक भी थे गुरूजी : कृष्ण मुरारी शर्मा

झामुमो गिरिडीह के प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने दिशोम गुरू शिबू सोरेन को भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन भारत रत्न के हकदार हैं जो उन्हें जीवनकाल में ही मिल जाना चाहिए था। शिबू सोरेन ने हमेशा निचले पायदान पर खड़े लोगों के हक-अधिकार की लड़ाई लड़ी। ये वो दौर था ज़ब महाजनी प्रथा से गरीब लोग परेशान थे। गुरूजी ने इसके खिलाफ जंग छेड़ी और गरीबों को महाजनों के आंतक से मुक्ति दिलाई। जिस दौर में शिबू सोरेन ने गरीबों-मजलूमों की आवाज़ बुलंद की, उस वक्त महाजन व जमींदार लोग चंद पैसों के एवज में गरीब किसानों की जमीनें रजिस्ट्री ऑफिस में कठकेवाला करवा लेते थे। कठकेवाला में एक लिखित शर्त डलवा दी जाती थी कि निर्धारित दिनों में महाजन से लिया हुआ पैसा वापस कर देंगे नहीं तो वो जमीन महाजन की हो जाएगी। गरीब किसान समय पर पैसा वापस नहीं कर पाते थे और वो जमीन महाजन ले लेता था। इसके लिए दिशोम गुरूजी ने धनकटनी अभियान चलाया और जिन ज़मीनों का कठकेवाला था और जिस पर महाजन लोग धान रोपते थे, फसल पकने के बाद उन्होंने धनकटनी अभियान शुरू करवाया। यानि, जिसका खेत, उसकी फसल। उन्होंने महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई लडकर इसके चंगुल में फंसे लोगों को इस तरह से मुक्ति दिलाई। श्री शर्मा ने कहा कि अशिक्षा के खिलाफ भी गुरूजी ने लड़ाई लड़ी। गांव के गरीबों को, डिबिया जलाकर पढने वालों के बीच गुरूजी ने लालटेन बांटा और कहा - “पढना जरूरी है।” गुरूजी ने नशा के खिलाफ भी अभियान चलाया और हडिया दारू नहीं पीने को लेकर लोगों को, विशेष कर आदिवासी समाज को जागरूक किया । शर्मा ने कहा कि गुरूजी ने केवल आदिवासी ही नहीं, बल्कि गरीब शोषित, पीड़ित, दलित, पिछडों , अल्पसंख्यकों के भी हक अधिकार की लड़ाई लड़ी। उन्होंने सामाजिक न्याय की लड़ाई 70 के दशक से ही लडकर लोगों को हक अधिकार दिलाने का कार्य किया। झारखंड अलग राज्य निर्माण की लड़ाई लड़ी, अंततः 2000 ई में झारखंड का गठन हुआ, उनकी लड़ाई को मुकाम मिला। वे 8 बार लोकसभा सदस्य, 3 बार राज्यसभा सदस्य और 3 बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे। उनका जन्म 11 जनवरी 1944 को नेमरा गांव में हुआ था। नेमरा गांव आज इतिहास के पन्नों में अमर हो गया। विगत 04 अगस्त 2025 को उनका निधन हो गया। भारत सरकार को उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करना चाहिए, वे भारत रत्न के हकदार हैं।

झारखंड निर्माण आंदोलन के अगुवा शिबू सोरेन के निधन पर महाविद्यालय में दी गई श्रद्धांजलि

बलियापुर, (धनबाद), झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक एवं राज्य निर्माण के अग्रणी नेता, आदिवासी समाज के मसीहा शिबू सोरेन (दिशोम गुरु) के निधन के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है । इस अवसर पर आर.एस.पी. कॉलेज, झरिया, धनबाद विशेष शोक सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि डॉ० निलेश कुमार सिंह कहा कि ने झारखंड राज्य निर्माण में दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने अपार योगदान दिया और आदिवासी समाज के अधिकारों एवं कल्याण के लिए हमेशा संघर्ष किया। कार्यक्रम में प्रो० रमेश सरदार, प्रो० सुरेश सिंह मुण्डा, प्रो० रजनी बारा समेत विभागों के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने भाग लिया एवं उनकी छवी चित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजली दी गई ।

सभी पदाधिकारी निष्ठापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगें:उपायुक्त

गिरिडीह आगामी 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर आज समाहरणालय सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त ने करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस का मुख्य आयोजन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी झंडा मैदान में किया जाएगा। जहां प्रातः 9:00 बजे झंडोतोलन किया जायगा।इसके साथ ही प्रमुख चिन्हित स्थलों पर भी निर्धारित समय में झंडोतोलन किया जाएगा।

समारोह में साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, ट्रैफिक नियंत्रण एवं आपातकालीन सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए । स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिजनों को आमंत्रित करने पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय, एवं अनुशासित ढंग से आयोजित करने हेतु विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। सभी संबंधित पदाधिकारी जिन्हें जो भी दायित्व मिला है, उसका निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे एवं आपसी समन्वय स्थापित कर पूरे कार्यक्रम को सफल बनायेंगें। साथ ही उपायुक्तने सभी संबंधित पदाधिकारी को प्रोटोकॉल के अनुसार जिले में सभी चिन्हित स्थलों, कार्यालयों सहित सभी सामुदायिक पुस्तकालयों, पंचायत सचिवालयों, प्रखंड मुख्यालयों में राष्ट्रध्वज फहराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

उपायुक्त ने राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार से जुड़ी बैठक की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

लोगों के आवेदनों और उनके वाद को निष्पादित करने की कारवाई नियमित रूप से संचालित करें तथा वाद सूची एवं आदेश ऑनलाइन अपलोड करना भी सुनिश्चित करें: उपायुक्त

गिरिडीह । आज समाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार से जुड़ी बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त द्वारा अंतर विभागीय भूमि हस्तांतरण, म्यूटेशन, म्यूटेशन अपील, भूमि सीमांकन, किराया संग्रह, परिशोधन, पीजीपोर्टल/सीपीजीआरएएमएस, ई-राजस्व न्यायालय (आरसीएमएस) समेत अन्य के प्रतिवेदनों पर बिंदुवार समीक्षा की गई। इस दौरान जितने भी लंबित आवेदन है उन्हें कैंप लगाकर जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को भूमि हस्तांतरण की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने भूमि हस्तांतरण हेतु प्राप्त अधियाचना की अंचलवार अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। समीक्षा के क्रम में लंबित म्यूटेशन के आवेदनों को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा में ही आवेदनों का निष्पादन करना सुनिश्चित करें।

वैसे आवेदन जो 90 दिनों से ज्यादा लंबित हैं उन्हें यथाशीघ्र निष्पादित करें। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न अंतर विभागीय भूमि हस्तांतरण मामलों को भी जानकारी लिए साथ ही उनके यथाशीघ्र निष्पादन करने को भी कहा। वहीं जिन क्षेत्रों में भूमि हस्तांतरण का कार्य लंबित है, वहां के संबंधित अंचलाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए भूमि चिह्नित कर प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजने का निर्देश दिया। उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपनी अदालती कार्रवाई को नियमित चलाए, जिससे लंबित मामलों का जल्द से जल्द निबटारा हो सके एवं संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उनके द्वारा लोगों के आवेदनों और उनके वाद को निष्पादित करने की कार्यवाही नियमित रूप से संचालित करें तथा वाद सूची एवं आदेश ऑनलाइन अपलोड करना भी सुनिश्चित करें। वहीं जितने भी शिकायत पोर्टल पर मिले हैं, उनका जल्द से जल्द निष्पादन करना भी सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने संबंधित अंचल अधिकारी को विभिन्न परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित भूमि के म्यूटेशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का भी निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, अभी अंचलाधिकारी, जिला अवर निबंधक, सभी अवर निबंधक समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभातम मॉल में प्रतिष्ठित नील डेविड’स का हुआ भव्य उद्घाटन

धनबाद, प्रभातम मॉल में ख्याति प्राप्त नील डेवीड्स का वुधवार को हुआ भव्य उद्घाटन I ज्ञात हो की अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय फेम प्राप्त नीलडेविड’स द सलोन लाऊंज का प्रभातम मॉल के सेकंड फ्लोर में झारखंड पहला आउटलेट का उद्घाटन मुख्य अतिथि सह प्रतिष्ठान के संस्थापक नील डेविड कतवाल ने फीता काटकर किया। इस मौके पर डीश्री प्रतिष्ठान के संचालक शांतनु चंद्रा, विशिष्ट अतिथि के रूप से उपस्थित थे। मौके पर टीम डेविड कतवाल ने बताया कि टीम डेविड’स अपने प्रशिक्षित व एक्सपर्ट स्टाफ के द्वारा हेयर, सर्विस,हेयर स्टाइलिंग, हेयर ग्रूमिंग, साथ में ब्यूटी हेयर और मेकअप सौंदर्य सर्विसेज में कस्टमर को विशेष सर्विस दे रही है, और सबका फैक्टर एकेडमिक है। हमारे ग्रुप का एकेडमी प्रशिक्षण मुख्य लक्ष्य है।हमारे एकेडमी के गहन प्रशिक्षण से एक्सपर्ट आर्टिस्ट हेयर ब्यूटी और मेकअप में बेहतरीन सेवा प्रदान कर रहे हैं ।अन्य सैलून की तुलना में नील डेविड’स की सर्विस से कस्टमर भली भांति पर परिचित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि वे सलून सर्विसेज का गहन प्रशिक्षण दिल्ली, थाईलैंड सिंगापुर और लंदन में ले चुके हैं I साथ ही हॉलीवुड के अनुभवी अंतरराष्ट्रीय सलून एक्सपर्ट से विशेष दक्षता भी हासिल कर चुके हैं। उन्होंने हिंदी दैनिक अखबार कोयलांचल संवाद के ब्यूरो चीफ को बतलाया की पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त कर 2006 में सर्वप्रथम काठमांडू में एवं 2008 में सिलीगुड़ी में नील डेविड’एस द सलोन लाऊंज की स्थापना करना कस्टमर को हेयर, ब्यूटी और मेकअप में उम्दा सर्विस और लोगों को नौकरी प्रोवाइड करना था। साथ ही अपने उम्दा एवं बेहतरीन सेवाओं के कारण तब से भी निरंतर आगे बढ़ते हुए वर्तमान में पूरे भारत में कई आउटलेट्स सुचारू रूप से कस्टमर की सेवा करते हुए बहुत ही सफल रूप से संचालित हो रहा है। आगे उन्होंने बताया कि हेयर, ब्यूटी मेकअप सर्विसेज में इनॉग्रल डिस्काउंट सीमित समय तक उपलब्ध है। साथ ही धनबाद के लोगो से आग्रह किया कि एक बार नील डेविड’स के विशेष सर्विसेज का अनुभव अवश्य ले।

उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गिरिडीह उपायुक्त, की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के क्रम में सभी निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों में विद्युतीकरण कार्य जैसे लाइट, बल्ब, पंखा, स्विच और पेयजल, शौचालय आदि जैसे कार्यों को गति के साथ पूरा करें। उपायुक्त ने कहा कि जिन प्रखंडों में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कार्य अधूरे है या किसी समस्या के कारण लंबित है, उसे यथाशीघ्र भवन निर्माण विभाग से आपसी समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्य में आ रही दिक्कतों का त्वरित निराकरण करें। सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाओं का जायजा लें और गुणवत्ता पूर्ण कार्यों को प्राथमिकता दें और तय समय पर निर्माण कार्य को पूरा कराएं।

ऑनलाइन जुआ का कारोबार झरिया में तेजी से बढ़ता जा रहा है : रागिनी सिंह

झरिया, (धनबाद), झरिया में ऑनलाइन जुआ का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है I यह समाज के लिए नुकसानदेह है I स्कूली बच्चे भी इसके शिकार हो रहे हैं Iऑनलाइन जुआ खेलने से आर्थिक नुकसान होने पर आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाते हैI ताजा मामला झरिया शहर का है I इस चुंगल में स्कूली बच्चे भी फंसते जा रहे हैं I झरिया विधायक रागिनी सिंह ने झरिया क्षेत्र में ऑनलाइन गेमिंग के बढ़ते प्रभाव और उससे युवाओं पर पड़ रहे नकारात्मक मानसिक असर को लेकर गंभीर चिंता जताई हैI बुधवार को उन्होंने झरिया थाना प्रभारी को मौके पर बुलाकर व्यक्तिगत रूप से पूरी जानकारी दी और ऑनलाइन गेमिंग, नशे व अन्य अवैध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा I विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इसके बाद भी ऐसे गैरकानूनी धंधे चलते रहे तो इसकी सीधी जिम्मेदारी थाना प्रभारी और संबंधित अधिकारियों की होगी I उन्हें इसका जवाब देना होगाIइस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि झरिया में पिछले तीन चार वर्षों से एक साजिश के तहत युवाओं को बर्बादी की ओर धकेला जा रहा है I इस संबंध में जब झरिया पुलिस को जानकारी दी गई तो पुलिस की ओर से कहा गया कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है I जबकि झरिया के विभिन्न क्षेत्रों में ऑनलाइन गेमिंग, नशा, और अवैध गतिविधियों का व्यापक रूप से जाल बिछा हुआ है I घरों के पढ़े-लिखे बच्चे इस ऑनलाइन गेमिंग के चक्कर में फंसकर मानसिक रूप से अस्वस्थ हो रहे हैं I ऐसे कई मामले भी सामने आए हैं जहां बच्चे डिप्रेशन में जा रहे हैं, आत्महत्या तक कर रहे हैं, और कई परिवार तबाह हो गए हैं Iउन्होंने बताया कि उन्हें इस संबंध में कई स्थानीय परिवारों से शिकायतें भी मिली हैं I इन शिकायतों में बताया गया कि झरिया के कई इलाकों में ऑनलाइन गेमिंग जुआ और नशे का कारोबार खुलेआम चल रहा है I अवैध शराब निर्माण भी हो रहा है, जिससे झरिया की छवि खराब हो रही है Iविधायक रागिनी सिंह ने सख्त लहजे में कहा कि झरिया को जानबूझकर कचरे का ढेर बना दिया गया है और अब हम इस कचरे को साफ करने के लिए मैदान में उतरे हैं I

कार्यालय, विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद

शुद्धि-पत्र

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 08/2025–26 दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित है, जिसका PR No.- 358294 Energy (24-25)D है, जिसमें

परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि :– दिनांक 05.08.25 के 12:00 बजे अपराह्न तक
निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक 06.08.25 के 02:00 बजे अपराह्न तक
निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 06.08.25 के 02:30 बजे अपराह्न में है।

उपरोक्त के स्थान पर

परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि :– दिनांक 07.08.25 के 12:00 बजे अपराह्न तक
निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक 08.08.25 के 02:00 बजे अपराह्न तक
निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक 08.08.25 के 02:30 बजे अपराह्न में
पढ़ा जाए।

शेष सभी शर्ते यथावत रहेगी।

विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।

PR.NO.359002 Energy(25-26):D

झारखण्ड सरकार

जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह- मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो

मत्स्य कृषकों के लिए आवश्यक सूचना

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश सं0 11 दिनांक 04.07.2025 मत्स्य प्रसार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजना अन्तर्गत वर्ष 2025–26 में (1) निजी क्षेत्र में महाझींगा पालन :– निजी क्षेत्र के चयनित कृषकों के तालाबों में भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अन्तर्गत स्वीकृत इकाई दर के अनुरूप ही प्रति हेक्टयर मो0 4.00 (चार) लाख रू0 मात्र के दर पर महाझींगा का पालन किया जाएगा। इस हेतु राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं महिला कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 80 प्रतिशत (अधिकतम 3.20/– लाख रू0 प्रति हेक्टेयर अथवा 1.28 लाख रू0 प्रति एकड़) तथा शेष अंशदान लाभुक का होगा। अन्य सभी कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 70 प्रतिशत (अधिकतम 2.80/– लाख रू0 प्रति हेक्टयर अथवा 1.12/– लाख रू0 प्रति एकड़) तथा शेष अंशदान लाभुक का होगा।

(2) पुरस्कार/सम्मान :– उत्कृष्ट मत्स्य कृषकों, मत्स्य बीज उत्पादकों एवं हैचरी संचालकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार स्वरूप/सम्मानित करने हेतु अधिकतम राशि 30000/–(तीस हजार) रू0 प्रति चयनित कृषक पुरस्कार 12 Paddle Wheel Aerator अथवा मत्स्य बीज पैंकेजिंग हेतु ऑक्सीजन सिलिन्डर (Accessories सहित) के क्रय हेतु प्रोत्साहन राशि दी जायेगी।

(3) आईडेन्टिटी कार्ड :– जलाशय स्तरीय मछुआरों (बिरसा मत्स्य किसान) के लिये आईडेन्टिटी कार्ड (डेटा सहित)

(4) केज मत्स्य पालाकों के लिए निदेशक मत्स्य द्वारा उल्लिखित लाईफ जैकेट की इकाई लागत निर्धारित करने हेतु आमंत्रित ''इच्छा की अभिव्यक्ति'' में निर्धारित न्यूनतम दर 2420/– रू0 है। अतएव लाईफ जैकेट के निर्धारित न्यूनतम दर (मो0 2420/– रू0) पर ही 75 प्रतिशत अनुदान (अधिकतम मो0 1815/–रू0) देय होगा तथा 25 प्रतिशत लाभुक का अंशदन होगा।

(5) आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि :– 15.09.2025 तक।

क्र0	योजना का नाम	भौतिक लक्ष्य		अभ्युक्ति
1	2	शीर्ष 101	शीर्ष 789	4
1	निजी क्षेत्र में महाझींगा पालन (प्रति इकाई 1.00 एकड जलक्षेत्र)	4.00	1.00	
2	पुरस्कार/सम्मान (तालाब हेतु Paddle wheel Aerator अथवा मत्स्यबीज पैकेजिंग हेत ऑक्सीजन सिलिन्डर (Accessories सहित) के क्रय हेतु प्रोत्साहन राशि अधिकतम् मो0 30,000/– रू0 प्रति चयनित कृषकों)	03	-	
3	जलाशय स्तरीय मछुआरों (बिरसा मत्स्य किसान) के लिये आईडेन्टिटी कार्ड (डेटा सहित)	150	-	
4	केज मत्स्य पालकों के लिए लाईफ जैकेट	100	-	

नोट:– आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, बोकारो से कार्यालय अवधि में निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है एवं Block Chain Technology के प्रावधान के तहत आवेदन स्वीकार्य किया जाएगा (यदि लागु हो तो)।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बोकारो

PR 358971 Fish (25-26)_D

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक का किया गया आयोजन

धनबाद, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया I इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक, अमित कुमार द्वारा बैठक में उपस्थित सम्मानित सदस्यों को संबोधित किया गया तथा धनबाद मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी I बैठक के दौरान यात्रियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं, संरक्षा उपायों और विभिन्न विकास योजनाओं पर गहन चर्चा की गई I समिति के सदस्यों ने भी यात्रियों की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को बैठक में साझा किया, जिन पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया | इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे I बैठक का उद्देश्य रेल उपभोक्ताओं की सुविधा को और बेहतर बनाना तथा रेल सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाना हैं Iउक्त जानकारी हिंदी दैनिक अखबार कोयलांचल संवाद के ब्यूरोचीफ, आर एन चौरसिया को मोहम्मद इकबाल, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबाद एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारीने दी I

सीएसआईआर में ईंधन विज्ञान सिद्धांत और व्यवहार विषय पर एक माह के कार्यकारी विकास कार्यक्रम का हुआ समापन समारोह

धनबाद, सीएसआईआर-केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान सीआईएमएफआर में "आधुनिक खनन प्रौद्योगिकियाँ और ईंधन विज्ञान सिद्धांत और व्यवहार विषय पर एक माह के कार्यकारी विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह कार्यक्रम सीएसआईआर कौशल पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया था 1 जिसका उद्देश्य हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 12 ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनीज़,गेट्स को अत्याधुनिक खनन विधियों, ईंधन विज्ञान, स्थिरता एवं नवाचार के क्षेत्र में प्रशिक्षित करना था।

वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीआईएमएफआर , डॉ० एन.के. मोहलिक ने इस व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी, जिसमें खनन, भूविज्ञान, सुरक्षा प्रोटोकॉल और खान बंदी योजना जैसे मूलभूत विषयों के साथ-साथ उन्नत खनन प्रौद्योगिकियों पर भी गहन प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को सतही और भूमिगत खानों का भ्रमण कर व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया। इसके अलावा, कार्यक्रम में धातुकर्म, कार्बन कैप्चर एंड यूटिलाइजेशन, दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, महत्वपूर्ण खनिजों और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय रणनीतियों जैसे उन्नत विषयों को भी शामिल किया गया।

समापन समारोह के दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव और सीख को साझा किया।सीएसआईआर- सीआईएमएफआर के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. जे.के. पांडेय ने कार्यक्रम समन्वयक को बधाई दी और हिंडाल्को के निरंतर सहयोग की सराहना की। उन्होंने अनुभवात्मक अधिगम,एक्सपीरियंटयल लर्निंग के महत्व को रेखांकित किया 1 साथ ही प्रतिभागियों को उद्योग से जुड़ी नवीन जानकारियों के प्रति उत्सुक बने रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 30 दिन के बाद भी इस क्षेत्र में जानने और सीखने के लिए बहुत कुछ बाकी है।

सीएसआईआर- सीआईएमएफआर के उत्कृष्ट वैज्ञानिक , डॉ० पी. के. बनर्जी ने युवा पेशेवरों को कार्यक्रम पूर्ण करने पर बधाई दी। उन्होंने फीडबैक के आधार पर प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे कार्यस्थल पर कम से कम दो नए विचारों को लागू करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा, "ऐसे दो उद्योग चिन्हित करें जहां आप अपनी सीख को लागू कर सकें 1 यह पहल आपकी ओर से होनी चाहिए, और संस्थान की ओर से हर संभव सहयोग का भी आश्वासन दिया।

सीएसआईआर- सीआईएमएफआर के निदेशक प्रो०अरविंद कुमार मिश्रा ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। उन्होंने हिंडाल्को की सामाजिक और राष्ट्रीय विकास के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने वैज्ञानिक ज्ञान के व्यावहारिक क्षेत्रों जैसे बॉक्साइट खनन, रासायनिक प्रसंस्करण और CO न्यूनकरण में उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "जो अलग सोचते हैं और जोखिम लेते हैं, वही सफल नेता बनते हैं," और प्रतिभागियों से सीएसआईआर-कैम्पफर से जुड़ाव बनाए रखने की भी अपील की।

समारोह का समापन सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित कर किया गया।

डॉ. ए. के. घोष, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए सभी गणमान्य अतिथियों, समन्वयकों और प्रतिभागियों का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

यह कार्यक्रम सीएसआईआर-कैम्पफर के मानव संसाधन विकास अनुभाग के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जो खनन एवं ईंधन क्षेत्रों में उद्योग, शिक्षा सहयोग और मानव संसाधन विकास को बढ़ावा देने की संस्थान की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उपायुक्त ने बेलगड़िया के विकास के लिए बीसीसीएल के साथ की बैठक

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने झरिया मास्टर प्लान,जेएमपी के अंतर्गत बेलगड़िया में कौशल - सह - आजीविका विकास कार्यक्रम के लिए भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, बीसीसीएल के निदेशक मंडल के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि बेलगड़िया टाउनशिप के निवासियों को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पानी, बिजली सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। जिससे उनको किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। बैठक में बेलगड़िया में सूक्ष्म उद्यम के विकास, विभिन्न संरचना की स्थापना के लिए आवश्यक भूमि, आजीविका गतिविधि के साधन के रूप में ई-रिक्शा प्रदान करने, बेलगड़िया में एक प्राथमिक और एक मिडिल स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम परियोजना पर चर्चा की गई। साथ ही एलटीएच का सत्यापन और गैर-एलटीएच परिवारों के प्रमाणीकरण के लिए जागरूकता अभियान में तेजी लाने, 6 मेगावाट पावर ग्रिड की स्थापना, रूफ टॉप सोलर की स्थापना, 2 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन, मुकुंदा और सुरंगा मौजा में एनटीएसटी परियोजना के भूमि अधिग्रहण से संबंधित आर एंड आर मुद्दे पर भी चर्चा की गई 1

उक्त बैठक में उपायुक्त, आदित्य रंजन, अपर समाहर्ता, विनोद कुमार, निदेशक तकनीकी ऑपरेशन, संजय कुमार सिंह, निदेशक,प्रोजेक्ट एंड प्लानिंग, मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक, मानव संसाधन, मुरली कृष्ण रमैया, झरिया मास्टर प्लान के महाप्रबंधक, राजीव चोपड़ा, जेआरडीए सलाहकार, डीएन माहापात्रा के अलावा अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

सभी पैक्स को झारसेवा आईडी उपलब्ध कराने का निर्देश

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट ई-गवर्नेंस सोसायटी के कार्यकारिणी की बैठक आज उनके कार्यालय कक्ष में संपन्न हुई।बैठक में उपायुक्त ने जिले के सभी 46 पैक्स को झारसेवा आईडी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं जिले के 1723 कॉमन सर्विस सेंटर सीएससी में झारसेवा आईडी देने से पूर्व संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं संबंधित अंचल अधिकारी से जांच कराने के बाद ही झारसेवा आईडी देने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि झारसेवा आईडी मिल जाने के बाद पैक्स में जाति, आवासीय, इनकम, ओबीसी, ई.डब्ल्यू.एस., मैरिज सर्टिफिकेट इत्यादि बनाने की सुविधा लोगों को मिलेगी। उपायुक्त ने डिस्ट्रिक्ट ई-गवर्नेंस सोसायटी के अकाउंट्स का ऑडिट कराने, सभी सरकारी कर्मियों को सरकार के विभिन्न मोबाइल एप्लीकेशन का प्रयोग करने का प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया।

बैठक में आईएसएम के मैनेजमेंट स्टडीज विभाग के सेवानिवृत प्रोफेसर प्रमोद पाठक ने कर्मियों को तकनीक की ओर प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें मानव कौशल व व्यवहारिक कौशल का प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव दिया। बैठक में उपायुक्त, आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त, सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा, डीएसपी मुख्यालय 1, शंकर कामती, जिला सहकारिता पदाधिकारी, वेद प्रकाश, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी श्रीमती सुनीता तुलस्यान, आईएसएम के सेवानिवृत प्रोफेसर प्रमोद पाठक, यूआईडी मैनेजर, अमित कुमार, डीएमएफटी टीम लीडर, शैलेश तिवारी, सीएससी मैनेजर, अंजार हुसैन, सुमित कुमार व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सम्मान में झामुमो धनबाद द्वारा श्रद्धांजलि सह शोक सभा का आयोजन

धनबाद, झारखंड मुक्ति मोर्चा धनबाद जिला समिति के तत्वावधान में जिला कार्यालय कुर्मीडीह में झारखंड आंदोलन के जनक, झामुमो के संस्थापक संरक्षक, पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए एक श्रद्धांजलि सह शोक सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दिशोम गुरु के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दो मिनट का मौन रखकर की गई।

उपस्थित सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों की आँखें नम थीं, और माहौल भावुकतापूर्ण था। सभा में गुरुजी के जीवन संघर्ष, आदिवासी-मूलवासी हक-अधिकार की लड़ाई, झारखंड राज्य के निर्माण में उनके योगदान एवं सामाजिक न्याय के लिए किए गए आंदोलन को श्रद्धा के साथ याद किया गया।

क्रेडो वर्ल्ड स्कूल, धनबाद ने मनाया पाँचवाँ स्थापना दिवस

प्रेरणादायक यात्रा, भावपूर्ण उत्सव और प्रतिभाओं का मिला गौरवपूर्ण सम्मान

धनबाद, क्रेडो वर्ल्ड स्कूल, धनबाद ने अपने गौरवशाली पाँचवें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रैडिसन, द ग्रैंड मिराज, धनबाद में एक भव्य समारोह का आयोजन किया, जो विद्यालय की उपलब्धियों, समर्पण और सृजनशीलता का जीवंत उत्सव बना। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 1 बजे हुआ, जिसमें गणमान्य अतिथियों, उपाध्यक्ष, गोपाल अग्रवाल, श्रीमती विजेता अग्रवाल, श्रीमती श्रेया अग्रवाल, अमन वर्मा, आदर्श तयाल, अनुज अग्रवाल, प्रबंध निदेशक, हर्षित अग्रवाल, निदेशक,प्रधानाचार्या श्रीमती शर्मिला सिन्हा , डॉअमिताभ मोहन, श्रीमती सुमन सिंह गांगुली एवं विशिष्ट अतिथियों में सुनील अग्रवाल, हर्षित जिंदल और विवेक पोद्दार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन की मधुर प्रस्तुति से हुआ 1 जिसके पश्चात स्थापना दिवस का केक भी काटा गया। विद्यालय की स्थापना के मूल में वह स्वप्न था, जिसे इन सभी महान व्यक्तित्वों ने साझा किया एक ऐसा शिक्षालय जहाँ केवल पाठ्य ज्ञान ही नहीं, बल्कि हर बाल-मन को संस्कार, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन मिले 1 साथ ही शिक्षा एक सजीव अनुभूति बन जाए। ज्ञात हो की120 विद्यार्थियों से प्रारंभ हुआ यह संस्थान आज 1000 छात्रों का भविष्य गढ़ रहा है।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर मंच पर उपस्थित अतिथियों ने विद्यालय के सतत प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा विजेताओं, शिक्षकों और प्रशासनिक समूह के कुछ सदस्यों का सम्मान।

जिनमें ज़ैद अनवर, साक्षी गोयल, आराध्या रंजन को ट्रॉफी, पदक के साथ-साथ नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। अन्य गतिविधियों में राष्ट्रीय ताइक्वांडो पदक विजेता अमिता द्विवेदी, योगासन में स्वर्ण पदक विजेता राजनंदिनी, राष्ट्रीय स्तर के तैराक अवि अक्षज प्रेमित, के साथ-साथ अन्य क्रेडो के सितारों को विद्यालय द्वारा नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

शिक्षिकों में, संगीता श्रीवास्तव, गौरव बनर्जी, अश्विनी आनंद, रीमा सिंह को अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सम्मानित किया गया। प्रशासनिक समूह में, श्रीमती साक्षी अग्रवाल, रंजीत हालदार एवं पंकज को भी विद्यालय ने सम्मानित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा प्रस्तुत भावनात्मक नृत्य एवं गीत की प्रस्तुति ने सभी दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती शर्मिला सिन्हा द्वारा एक विशेष वृत्तचित्र डॉक्यूमेंट्री वीडियो भी प्रदर्शित की गई 1 जिसमें विद्यालय की स्थापना से लेकर अब तक की प्रेरणादायक यात्रा, बच्चों की उपलब्धियाँ, शिक्षकों के समर्पित क्षण, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की झलकियों के साथ अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत की गई। यह वीडियो केवल स्मृतियों का संकलन नहीं, बल्कि क्रेडो वर्ल्ड स्कूल की आत्मा का दर्पण था 1 जिसे दर्शकों ने तालियों की गर्ग गराहट और भावनाओं से सराहा।

संस्थापक शिक्षिकाएँ, संगीता श्रीवास्तव, गौरव बनर्जी, दीपा कुमारी, शाहिला बानो एवं अश्विनी आनंद ने मंच से अपने पाँच वर्षों की यात्रा के संस्मरण साझा की 1 संघर्ष, समर्पण और सफलता से जुड़ी वे स्मृतियाँ जो केवल व्यक्तिगत अनुभव नहीं, बल्कि एक संस्थान की आत्मा का हिस्सा बन चुकी हैं।

कार्यक्रम का समापन श्रीमती संगीता श्रीवास्तव द्वारा आभार प्रदर्शन और भविष्य में उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों को छूने के संकल्प के साथ हुआ।

यह दिन निश्चय ही क्रेडो वर्ल्ड स्कूल के स्वर्णिम इतिहास में भावनाओं, उपलब्धियों और प्रेरणा का अद्भुत संगम बन गया।

आईआईटी में राजेन्द्र सिंह पी. बयाली ने नए छात्रों को दिया मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम पर व्याख्यान

धनबाद, आईआईटी,आईएसएम, धनबाद में नए छात्रों के लिए चल रहे ओरिएंटेशन प्रोग्राम के तहत आज इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक और ह्यूमन स्पेस फ्लाइट सेंटर (HSFC) में डिप्टी डायरेक्टर (एमएसए) के पद पर कार्यरत राजेन्द्रसिंह पी. बयाली ने छात्रों को भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम, ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम पर जानकारी दी।

उन्होंने अपने व्याख्यान में गगनयान मिशन की पूरी रूपरेखा समझाई। उन्होंने बताया कि गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसमें ह्यूमन-रेटेड जीएसएलवी मार्क III रॉकेट, क्रू मोड्यूल, लाइफ सपोर्ट सिस्टम, और इमरजेंसी एस्केप सिस्टम जैसे आधुनिक फीचर होंगे।

श्री बयाली ने भारत के पिछले अनुभवों जैसे स्पेस कैप्सूल रिकवरी एक्सपेरिमेंट (2007), क्रू मोड्यूल री-एंट्री टेस्ट (2014) और 2018 का एबॉर्ट टेस्ट के बारे में भी बताया, जो गगनयान मिशन की तैयारी में मील के पत्थर साबित हुआ हैं। उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि एक मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए क्या-क्या ज़रूरी चीज़ें होती हैं,जैसे कि सुरक्षा की पूरी व्यवस्था, टेक्नोलॉजी की जांच और दोहराव की व्यवस्था redundancy, और मिशन को सपोर्ट करने वाली ज़मीन से जुड़ी सुविधाएं।

साथ ही उन्होंने Axiom-4 मिशन का भी ज़िक्र किया और बताया कि भारत अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मानव अंतरिक्ष मिशन के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत में एप्लाइड जियोफिज़िक्स विभाग के प्रोफेसर संजीत कुमार पाल ने श्री बयाली का स्वागत फूलों का गुलदस्ता देकर किया और उनके आने के लिए धन्यवाद दिया। इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम में इससे पहले भी कई जाने-माने वक्ता शामिल हो चुके हैं।जिनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री, धर्मेन्द्र प्रधान, आईआईटी, आईएसएम के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. प्रेम व्रत, धनबाद के उपायुक्त, आदित्य रंजन, धनबाद एसएसपी,प्रभात कुमार, और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ० सुब्रोकमल दत्ता शामिल हैं।

ज्ञात हो की. संस्थान का उद्देश्य है कि छात्र अपनी पढ़ाई की शुरुआत से ही देश के बड़े अभियानों और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों से रूबरू हों।

आईआईटी, आईएसएम, धनबाद में आरआरएससी-ईस्ट इसरो के साथ मिलकर राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया

धनबाद । 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग के ऐतिहासिक पल की याद में भारत सरकार ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में घोषित किया है। इसके तहत देशभर में दूसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के मौके पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज आईआईटी, आईएसएम, धनबाद में इसरो के रीजनल रिमोट सेंसिंग सेंटर–ईस्ट आरआरएससी-ईस्ट, कोलकाता के साथ मिलकर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया 1

इस कार्यक्रम में धनबाद के आठ स्कूलों से 350 से ज्यादा छात्रों ने भाग लिया। इसका मकसद छात्रों में स्पेस और विज्ञान के प्रति रुचि जगाना और उन्हें इसके करियर विकल्पों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम में आईआईटी,आईएसएम के निदेशक प्रो० सुकुमार मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान की खोज से शुरुआत करके विज्ञान, फिर इंजीनियरिंग और अंत में टेक्नोलॉजी के रास्ते देश की तरक्की होती है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे सवाल पूछने और नई चीजें सीखने की आदत डालें, जिससे वे भविष्य में देश के विकास में योगदान दे सकें।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉऑ एओ वर्गीज, साइंटिस्ट इंजीनियर-जी और डिप्टी जनरल मैनेजर, आरआरएससी-ईस्ट, ने कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने का मकसद यही है कि स्कूल के छात्रों में जिज्ञासा बढ़े और वे भविष्य में स्पेस सेक्टर में करियर बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि इसरो का काम सिर्फ अंतरिक्ष की खोज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज से जुड़ी ज़रूरतों जैसे खाद्य सुरक्षा और आपदा प्रबंधन से भी जुड़ा हुआ है। आईआईटी,आईएसएम की ओर से कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर रहे प्रो० संजीत कुमार पाल, एप्लाइड जियोफिज़िक्स विभाग से, ने स्वागत भाषण में रिमोट सेंसिंग से जुड़ी जानकारियां दीं। वहीं, डॉ०. निप्तिका जाना, असिस्टेंट प्रोफेसर, एप्लाइड जियोफिज़िक्स विभाग, ने उद्घाटन सत्र के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इसके बाद डॉ०अरिंदम गुहा, ग्रुप हेड, आरआरएससी-ईस्ट, ने "पृथ्वी जैसे ग्रहों के लिए इसरो के मिशन" विषय पर एक प्रेजेंटेशन दिया। श्री राजेन्द्रसिंह पी. ब्याली, डिप्टी डायरेक्टर, ह्यूमन स्पेस फ्लाइट सेंटर, इसरो, ने भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के दौरान क्विज कॉम्पिटिशन, वीडियो प्रजेंटेशन और स्पेस एग्ज़िबिशन जैसे एक्टिविटीज आयोजित की गईं। इसरो के वैज्ञानिकों ने छात्रों के सवालों के जवाब दिए और उन्हें इसरो के विभिन्न मिशनों के बारे में बताया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्कूलों में जिला सी.एम. स्कूल ऑफ एक्सीलेंस,जिला स्कूल, केंद्रीय विद्यालय संख्या 2, कार्मेल स्कूल, धनबाद पब्लिक स्कूल, दे नोबिली स्कूल सीएमआरआई, किड्स गार्डन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, झरिया, डीएवी पब्लिक स्कूल,अलकुसा, और स्वामी विवेकानंद स्कूल शामिल थे। छात्रों से जुड़े कार्यक्रमों का संचालन डॉ० तनमय कुमार और नैरित दास, आरआरएससी-ईस्ट, द्वारा किया गया 1 जिसमें आईआईटी आईएसएम के छात्रों ने भी मदद की। दिन के अंत में क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए और डॉ० अरिंदम गुहा और आईआईटी,आईएसएम के प्रतिनिधियों ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

धनबाद और बोकारो में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की स्थापना हेतु सांसद दुल्लु महतो ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को सौंपा आग्रह पत्र

धनबाद। धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने बुधवार को नई दिल्ली में भारत सरकार के उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री, पीयूष गोयल से शिष्टाचार भेंट किया। इस अवसर पर ढुल्लु महतो ने धनबाद एवं बोकारो जिलों की औद्योगिक क्षमता को रेखांकित करते हुए, इन क्षेत्रों में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निर्माण हेतु एक सविनय आग्रह पत्र केंद्रीय मंत्री को सौंपा।

ढुल्लु महतो ने बताया कि धनबाद और बोकारो झारखंड के दो प्रमुख औद्योगिक जिले हैं, जहाँ कोयला, लौह अयस्क जैसे खनिज संसाधनों की भरपूर उपलब्धता है। इन जिलों में रेलवे, सड़क और हवाई मार्ग की सशक्त कनेक्टिविटी के साथ-साथ बेहतर भौगोलिक स्थिति इन्हें औद्योगिक विकास के लिए उपयुक्त बनाती है।

उन्होंने आगे कहा की, धनबाद, कोल कैपिटल ऑफ इंडिया और बोकारो, स्टील सिटी के नाम से देशभर में पहचान रखते हैं। लेकिन आज भी इन क्षेत्रों की औद्योगिक संभावनाओं का पूर्ण दोहन नहीं हो पाया है। यदि केंद्र सरकार द्वारा इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की स्थापना की जाती है, तो इससे न केवल उद्योगों को गति मिलेगी, बल्कि हज़ारों युवाओं को रोजगार, नए निवेश, और समग्र क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।